THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

चुनाव से पहले पीएम मोदी करेंगे गुजरात दौरा 14,500 करोड़ की परियोजनाओं की देंगे सौगात

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी गुजरात चुनाव से पहले राज्य का 3 दिवसीय दौरा करने जा रहे हैं। पीएम इस दौरान पांच जिलों में कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इन कार्यक्रमों में पीएम एक बार फिर राज्य को हजारों करोड़ की सौगात देंगे। पीएम 9 से 11 अक्टूबर को गुजरात का दौरा करेंगे। इसके बाद पीएम 11 अक्टूबर को भी विकास कार्यों की शुरूआत करेंगे। वह राज्य में 14,500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके साथ वे मोढेरा को भारत का पहला 24x7 सौर ऊर्जा संचालित गांव घोषित करेंगे।

वर्ष-27 अंक : 205 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अश्विन पूर्णिमा, 2079 रविवार, 9 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

भारतीय वायु सेना ने पूरे किए 90 साल

आज मिली नई वर्दी

चंडीगढ़, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना ने आज गौरवशाली 90 साल पूरे किए। इस उपलक्ष्य में शनिवार को चंडीगढ़ के सुखना झील में भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवस के अवसर पर का भव्य समारोह मनाया जा रहा है। यह पहली बार है जब वायुसेना की वार्षिक परेड और फ्लाई पास्ट दिल्ली-एनसीआर के बाहर आयोजित किया गया है। भारतीय वायु सेना ने आज अपनी 90वीं वर्षगांठ पर बल की नई लड़ाकू वर्दी का अनावरण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज सुबह ही सेना को अपनी शुभकामनाएं दीं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर दी बधाई :

राजनाथ सिंह ने शुभकामना संदेश के अपने ट्वीट में लिखा भारतीय वायु सेना दिवस पर सभी साहसी आईएएफ वायु योद्धाओं और उनके परिवारों को बधाई और शुभकामनाएं। आईएएफ अपनी वीरता, उत्कृष्टता, प्रदर्शन और व्यावसायिकता के लिए जाना जाता है। भारत को अपने पुरुषों और महिलाओं के इस नीले रंग पर गर्व कर रहा है। उन्हें नीले आसमान की शुभकामनाएं और हैप्पी लैंडिंग।

लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर लिमिटेड सीरीज प्रोडक्शन (एलएसपी) एक स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित अत्याधुनिक आधुनिक लड़ाकू हेलीकॉप्टर है जिसमें मूल्य के हिसाब से लगभग 45 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री है जो एसपी संस्करण के लिए उत्तरोत्तर बढ़कर 55 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। नया हेलिकॉप्टर हवाई युद्ध करने में सक्षम है और संघर्ष के दौरान धीमी गति से चलने वाले विमानों, ड्रोन और बख्तरबंद स्तंभों से निपटने में सेना की मदद करेगा।

एलसीएच 'प्रचंड' के अलावा लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस, सुखोई, मिग-29, जगुआर, राफेल, आईएल-76, सी-130जे और हॉक समेत कई अन्य विमान फ्लाई पास्ट का हिस्सा होंगे। हेलीकॉप्टरों में उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, अपाचे और एमआई-17 हवाई प्रदर्शन का हिस्सा होंगे। वायु सेना दिवस 2022 की पूर्व संध्या पर, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेना प्रमुखों ने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण किया।

वायु सेना दिवस 1932 में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के आधिकारिक रूप से शामिल होने का प्रतीक है। हर साल, यह दिन भारतीय वायु सेना प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में मनाया जाता है। वायु सेना को आधिकारिक तौर पर 1932 में यूनाइटेड किंगडम के रॉयल एयर फोर्स के सहायक बल के रूप में शुरू किया गया था और पहला ऑपरेशनल स्काड्रन 1933 में बनाया गया था। आईएएफ द्वारा किए गए प्रमुख ऑपरेशनों में ऑपरेशन विजय, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन कैक्टस और ऑपरेशन पूमलाई शामिल हैं।

वायुसेना की नई शाखा 'दिशा' संभालेगी अत्याधुनिक शस्त्र, 3400 करोड़ बचेंगे

चंडीगढ़, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। वायुसेना दिवस के मौके पर चंडीगढ़ में विशेष एयर शो आयोजित किया गया है। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह खासतौर से मौजूद हैं। इस मौके पर एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने वायुसेना को लेकर कई अहम घोषणाएं कीं। इनमें सबसे अहम अत्याधुनिक शस्त्रों के रखरखाव के लिए एक नई इकाई 'दिशा' का गठन है। इसके गठन से 3400 करोड़ रुपये की बचत होगी। वायुसेना प्रमुख चौधरी ने एलान किया कि नई 'वीपन सिस्टम्स ब्रांच' हमारे पास मौजूद हर तरह की नवीनतम हथियार प्रणाली का रखरखाव करेगी।

उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इससे हर साल भारी बचत होगी। उन्होंने कहा कि हमें एकीकरण, युद्ध क्षमता के साझा इस्तेमाल की जरूरत है। तीनों सेनाओं के एकीकरण की प्रक्रिया चल रही है। परंपरागत हथियारों की जगह आधुनिक, आसान व तेजी से इस्तेमाल की जा सकने वाली प्रौद्योगिकी अपनाने की जरूत है, क्योंकि पिछले एक साल में जंग के तरीके बदल गए हैं। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि दिसंबर में 3000 'अग्निवीर वायु' की भर्ती होगी और उनकी आरंभिक ट्रेनिंग शुरू की जाएगी। इसके बाद के वर्षों में इनकी संख्या बढ़ती जाएगी।

अंग्रेजों से पैसे लेते थे सावरकर, आरएसएस ने ब्रिटिश राज का समर्थन किया था : राहुल गांधी

बेंगलुरू, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा के एक महीने पूरे होने के बाद राहुल गांधी ने शनिवार को कर्नाटक के तुरुवेकरे में 34 मिनट की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल इस दौरान सावरकर, आरएसएस और पीएफआई से लेकर कांग्रेस की इंटरनल पॉलिटिक्स पर बात की।

भारत के विभाजन को लेकर पूछे गए एक सवाल पर राहुल ने कहा, आजादी की लड़ाई में सावरकर अंग्रेजों के लिए काम करते थे और उसे इसके लिए पैसे मिलते थे। कांग्रेस सांसद ने कहा, देश की जनता भ्रष्टाचार से परेशान है और सरकार इसे मैनेज करने के लिए मीडिया पर कंट्रोल कर रही है। राहुल ने आगे कहा, आरएसएस ने भी ब्रिटिश राज का समर्थन किया था और आज उनके नफरत के खिलाफ ही भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है।

अडानी के खिलाफ नहीं, मोनोपॉली का विरोध :

इसके बाद राजस्थान में अडानी समूह के इन्वेस्टमेंट करने के सवाल पर भी राहुल बोले। उन्होंने कहा, मैं कॉर्पोरेट के खिलाफ नहीं हूं। मैं मोनोपॉली के खिलाफ हूं। राजस्थान में प्रक्रिया के हिसाब से वहां सब कुछ सही है। सरकार ने कोई पावर यूज कर वहां अडानी को फायदा नहीं पहुंचाया है। अगर, कभी फायदा पहुंचाया जाएगा, तो मैं सबसे पहले विरोध करूंगा।

पीएफआई बैन पर बोले, सांप्रदायिकता के खिलाफ लड़ाई :

पीएफआई पर बैन को लेकर पूछे गए सवाल पर राहुल ने कहा कि भारत में घृणा और सांप्रदायिकता फैलाने वाली हर ताकत से हम लड़ेंगे। वह चाहे किसी भी समुदाय से क्यों ना आते हो। भारत जोड़ो यात्रा नफरत और हिंसा के खिलाफ निकाली जा रही है। राहुल ने आगे कहा कि कांग्रेस के जो भी नए अध्यक्ष होंगे, उन्हें रिमोट कंट्रोल से चलने वाला कहना अपमान है। सभी सक्षम है और गांधी-नेहरू परिवार का कोई हस्तक्षेप नहीं है। राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी पर प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करने को लेकर भी निशाना साधा। कर्नाटक में अगले साल होने वाले चुनाव में पार्टी की ओर से चेहरा कौन होगा? इस सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस में नियमानुसार चुनाव बाद ही सीएम तय होगा। कर्नाटक कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष सिद्धरमैया और कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार सीएम की रेस में शामिल हैं।

केरल में 1200 करोड़ की हेरोइन जब्त

अफगानिस्तान से ईरानी जहाज पर भारत लाई गई, पाकिस्तानी नेटवर्क का हाथ

तिरुवनंतपुरम, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और नेवी ने 200 किलो से अधिक हेरोइन बरामद की है। यह ड्रग्स एक ईरानी जहाज से मिली, जो अफगानिस्तान से भारत लाई गई थी। इसका कुछ हिस्सा श्रीलंका भी भेजा जाना था।

इस तस्करी के पीछे पाकिस्तान के हादी सलीम नेटवर्क का हाथ है। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत करीब 1200 करोड़ रुपये की आंकी गई है। एनसीबी के डिप्टी डॉयरेक्टर जनरल (डीडीजी) संजय कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 6 लोगों को अरेस्ट किया गया है। ये सभी ईरान के हैं। एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। डीडीजी संजय कुमार ने कहा कि इनकी पैकिंग वाटर प्रूफ है। इन पैकटों को सात लेयर में पैक किया गया था। ड्रग्स की सप्लाई पाकिस्तान के हादी सलीम नेटवर्क की तरफ से की गई थी। हादी सलीम भारत और अन्य देशों को हेरोइन, चरस, मेथामफेटामाइन सप्लाई करता है।

ईरान के हैं आरोपी :

आरोपियों के पास से 3 स्मार्टफोन जब्त किए गए हैं। इस मामले में अभी तक किसी आतंकी से कोई संबंध नहीं मिला है। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे ईरान के कोणार्क इलाके के रहने वाले हैं।

मेघालय के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक से पूछताछ

सीबीआई ने दिल्ली मुख्यालय में पूछे सवाल

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने मेघालय के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक से दिल्ली में सीबीआई मुख्यालय में पूछताछ की। सवाल-जवाब केंद्रीय एजेंसी के दिल्ली मुख्यालय में किए गए। उन पर आरोप है कि जब वह जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे, तो उन्हें दो फाइलों को क्लीयर करने के लिए 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की गई थी।

इससे पहले पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के 300 करोड़ रुपये की घूस ऑफर किए जाने के आरोपों को लेकर सीबीआई जांच के आदेश दिए गए थे। केंद्र सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी थी। दरअसल, सत्यपाल मलिक ने दावा किया था कि जम्मू कश्मीर के राज्यपाल रहते हुए उन्हें 300 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की पेशकश की गई थी। यह पेशकश अंबानी और आरएसएस से संबद्ध व्यक्ति की दो फाइलों को मंजूरी देने के एवज में दी जानी थी, लेकिन उन्होंने यह डील निरस्त कर दी।

इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा था कि उस वक्त पीएम ने उनसे कहा था कि वह भ्रष्टाचार से कोई समझौता न करें। उनके इस दावे की जांच सीबीआई से कराने की सिफारिश जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने केंद्र सरकार से की थी। जिसे अब केंद्र सरकार ने मंजूर कर लिया है।

क्या है पूरा मामला?

17 अक्टूबर 2021 को राजस्थान के झुंझुनू में एक कार्यक्रम में सत्यपाल मलिक ने कहा था, कश्मीर जाने के बाद मेरे पास दो फाइलें आईं। एक अंबानी की फाइल थी और दूसरी आरएसएस से जुड़े एक शख्स की थी जो पिछली महबूबा मुफ्ती और बीजेपी की गठबंधन सरकार में मंत्री थे। वह पीएम मोदी के भी बेहद करीबी थे। मुझे सचिवों ने सूचना दी कि इसमें घोटाला है और फिर मैंने बारी-बारी से दोनों डील रद्द कर दीं। सचिवों ने मुझसे कहा कि दोनों फाइलों के लिए 150-150 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। लेकिन, मैंने उनसे कहा कि मैं पांच कुर्ता-पायजामे के साथ आया हूं और सिर्फ उसी के साथ यहां से चला जाऊंगा।

भाजपा ने यूपी, हरियाणा और तेलंगाना के उम्मीदवारों के नाम किए जारी

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश की विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए तीन उम्मीदवारों के नाम जारी कर दिए हैं। इन सीटों पर तीन नवंबर, 2022 को वोटिंग होने वाली है। बता दें कि चुनाव आयोग ने तीन अक्टूबर को छह राज्यों में सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीख की घोषणा कर दी थी। इनमें महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा की एक-एक विधानसभा सीट पर मतदान होंगे जबकि बिहार के दो विधानसभा सीटों पर मतदान कराए जाएंगे।

इन दिग्गजों को मिला टिकट :

भाजपा ने शनिवार को हरियाणा में आदमपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए पार्टी नेता कुलदीप बिश्नोई के बेटे भव्य बिश्नोई को अपना उम्मीदवार बनाया। वहीं तेलंगाना के मुनुगोडु से के राजगोपाल रेड्डी और उत्तर प्रदेश के गोला गोरखनाथ से अमन गिरी को उतारा है।

हरियाणा से वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई और तेलंगाना से राजगोपाल रेड्डी भाजपा में शामिल होने पहले क्रमशः आदमपुर और मुनुगोडु से कांग्रेस के विधायक थे। वहीं अमन गिरि अरविंद गिरी के बेटे हैं, जो गोला गोकर्णनाथ से भाजपा विधायक थे और पिछले महीने उनकी मृत्यु हो गई, जिससे निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव की आवश्यकता हुई।

बता दें कि अधिसूचना की तारीख सात अक्टूबर होगी। जबकि नामांकन की तारीख 14 अक्टूबर, 17 अक्टूबर को नामांकन वापस लेने की तारीख है। तीन नवंबर को मतदान होंगे जबकि छह नवंबर को परिणाम आएंगे।जाने-माने एक्टर पंकज त्रिपाठी को चुनाव आयोग ने अपना नेशनल आइकॉन बनाया है। ईसी के मुख्य निर्वाचन आधिकारी राजीव कुमार ने सोमवार को इसका एलान किया।

'अयोध्या-मथुरा में बम फोड़ूंगा, सर तन से जुदा कर दूंगा' भाजपा विधायक को पीएफआई मेंबर की धमकी

मुंबई, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के विधायक विजय कुमार देशमुख को कथित तौर पर 'सर तन से जुदा' करने की धमकी दी गई है। बताया जा रहा है कि पीएफआई के एक नेता ने हाथ से पत्र लिखकर विधायक को जान से मारने की धमकी दी है। इतना ही नहीं, इस पत्र में अयोध्या और मथुरा को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। बता दें कि बीते दिनों ही केंद्र सरकार ने टेरर लिंक होने की वजह से पीएफआई यानी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर पांच साल के लिए बैन लगाया था और छापेमारी कर इसके सैकड़ों कैडर को गिरफ्तार किया था। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा विधायक विजय कुमार देशमुख ने इस धमकी भरे पत्र को लेकर पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। प्राथमिकी के अनुसार, विधायक विजयकुमार देशमुख ने कथित पीएफआई नेता मोहम्मद शफी बिराजदार के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया है।

अब एक सीट से एक व्यक्ति लड़ सकेगा चुनाव

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कानून मंत्री को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। अब एक सीट से एक व्यक्ति ही चुनाव लड़ सकेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने कानून मंत्रालय को यह प्रस्ताव दे दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने पत्र लिखकर एक व्यक्ति को एक समय में केवल एक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए सीमित करने का प्रस्ताव दिया है। वर्तमान में अभी एक व्यक्ति दो अलग-अलग सीटों या निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ सकता है।

रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट 1951 के सेक्शन 33 में यह व्यवस्था दी गई थी कि व्यक्ति एक से अधिक जगह से चुनाव लड़ सकता है। इसी अधिनियम के सेक्शन 70 में कहा गया है कि वह एक बार में केवल एक ही सीट का प्रतिनिधित्व कर सकता है। ऐसे में साफ है कि एक से ज्यादा जगहों से चुनाव लड़ने के बावजूद प्रत्याशी को जीत के बाद एक ही सीट से प्रतिनिधित्व स्वीकार करना होता है।

चुनावी चंदे की सीमा भी की जाए तय :

समाचार एजेंसी सूत्रों के हवाले से बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सितंबर माह में केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू से अपील की थी कि चंदे की सीमा तय की जाए। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि चुनाव आयोग ने चुनावी चंदे से काले धन को साफ करने के लिए गुमनाम राजनीतिक चंदे को 20,000 रुपये से घटाकर 2,000 रुपये करने का प्रस्ताव किया है। कानून मंत्री को लिखे पत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त ने लोगों के प्रतिनिधित्व अधिनियम में कई संशोधनों की सिफारिश की है। प्रस्ताव के अनुसार राजनीतिक दलों को 2,000 रुपये से कम प्राप्त नकदी की रिपोर्ट करने की आवश्यकता नहीं है। वर्तमान में लागू नियमों के अनुसार राजनीतिक दल 20,000 रुपये से अधिक के सभी दान का खुलासा अपनी योगदान रिपोर्ट के माध्यम से करना होगा जो भारत निर्वाचन आयोग को प्रस्तुत किया जाता है।

नामांकन वापसी की खबरों का थरूर ने किया खंडन

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव को लेकर गहमागहमी जारी है। इस बीच, शशि थरूर ने शनिवार को बड़ी बात कही। उन्होंने वीडियो जारी कर इस बात का खंडन किया कि वे कांग्रेस अध्यक्ष पद से अपना नाम वापस ले रहे हैं।

थरूर ने कहा, सूत्रों के हवाले से दिल्ली में खबर चल रही है कि आज मैं अपना नामांकन वापस ले रहा हूं। यह खबर पूरी तरह से गलत है। मैं आखिरी तक लड़ूंगा। यह पार्टी के अंदर ही दोस्ताना लड़ाई है, लेकिन मैं लड़ूंगा। मैंने कभी चुनौतियों से मुंह नहीं मोड़ा है। इस बीच, भाजपा ने तीन विधानसभा उपचुनावों के लिए पार्टी प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। हरियाणा की आदमपुर विधानसभा सीट से कुलदीप विश्नोई के बेटे भव्य विश्नोई को टिकट दिया गया है। वहीं उत्तर प्रदेश की गोला गोकरनाथ सीट से अमन गिरि मैदान में उतरेंगे। तेलंगाना की मुनुगोडु सीट से कोमाटरेड्डी प्रत्याशी होंगी।

पाकिस्तान को अस्थिर किया तो कुचल देगी सेना, बाजवा ने इमरान खान को दी धमकी

इस्लामाबाद, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को लाखों लोगों को लेकर घेरने की कोशिश कर रहे इमरान खान को सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने सीधी चेतावनी दी है।

जनरल बाजवा ने कहा कि अगर पाकिस्तान को किसी समूह या ताकत ने अस्थिर करने की कोशिश की तो पाकिस्तानी सेना उसे कुचल देगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की किसी भी हरकत को सेना होने नहीं देगी जिससे पाकिस्तान अस्थिर होता है। बाजवा ने भारत या अफगानिस्तान का नाम लिए बिना पाकिस्तान के पड़ोसी देशों को भी चेतावनी दी कि हमारी शांति की इच्छा को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। जनरल बाजवा ने शनिवार को एक पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी के नए कैडेट से कहा कि आप देश के संविधान और लोकतांत्रिक संस्थानों का सम्मान करें। इससे पहले बाजवा ने ऐलान किया था कि सेना अब पाकिस्तान की राजनीति से दूर रहेगी। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने देश में मार्शल लॉ लगने की आशंका का अपने इस बयान से खारिज कर दिया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर इमरान अपने इरादे पर कायम रहे तो पाकिस्तान एक बार फिर से मार्शल लॉ की ओर बढ़ सकता है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने यह स्पष्ट कर दिया कि जनता की मदद से आर्मी कभी देश में किसी समूह या ताकत को राजनीतिक या आर्थिक रूप से अस्थिर करने की अनुमति नहीं देगी।

तीन यात्री, जिन्होंने बस से कूदकर जान बचाई

1 पूजा चव्हाण

पूजा अपने दो बच्चों के साथ इस बस यात्रा कर रही थीं। उन्होंने बताया, 'हम सो रहे थे तभी अचानक लोगों का शोर सुनाई दिया। बस के अगले हिस्से में आग नजर आई। इसके बाद हमने खिड़की से अपने दोनों बच्चों के साथ छलांग लगा दी। इसमें उनका हाथ झुलस गया है। हालांकि, इस कोशिश से मेरे दोनों बच्चे सेफ हैं। हमें दूसरा जीवन मिला है। अगर कुछ देर हो जाती तो हमारे साथ कुछ भी हो सकता था।'

2 अनीता सुकदेव चौधरी

'टक्कर के बाद मैं सीट से नीचे गिर पड़ी। मेरी नीद खुली तो देखा बस के अगले हिस्से से आग की लपटें दिख रही हैं। मुझे लगा भीषण टक्कर हुई। मैंने खिड़की से कूद कर जान बचाई। 20 मिनट बाद दमकल की गाड़ी यहां पहुंची।' अनीता वाशिम जिले के लोनी की रहने वाली हैं।

3 यवतमाल के पिराजी सुभाष धोत्रे

'मैं अपने चाचा-चाची के साथ कल्याण जा रहा था। सभी लोग सोए हुए थे। आग से चाचा जी काफी झुलस गए हैं। हालांकि, समय पर खिड़की से कूदने के कारण हम तीनों की जान बच गई।'

बस में आग लगने से 12 जिंदा जले, 38 जख्मी

बस यवतमाल से मुंबई जा रही थी, ज्यादातर लोगों ने खिड़की से कूदकर जान बचाई

शवों को ले जाने के लिए स्ट्रेचर तक नहीं थे। शवों को बस में फर्श पर डालकर ले जाया गया।

नासिक, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में शनिवार सुबह एक भीषण हादसा हो गया। बस और आयशर ट्रक के बीच टक्कर से बस के अगले हिस्से में आग लग गई। देखते ही देखते 20 मिनट में बस धू-धूकर जल गई। हादसे में बस में सवार 12 लोग जिंदा जल गए। इनके अलावा, 38 यात्री जख्मी हुए हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। ज्यादातर लोगों ने बस से कूदकर जान बचाई। हादसा नासिक-औरंगाबाद रूट पर नंदूरनाका के पास हुआ। बस यवतमाल से मुंबई जा रही थी। चिंतामणि ट्रेवल्स की बस में 50 से ज्यादा लोग सवार थे। पीएम मोदी ने इस घटना पर दुख जताया है। उधर, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा है कि घायलों के इलाज का खर्च सरकार उठाएगी।

पहले जानते हैं, एक्सीडेंट कैसे हुआ?

हादसा शनिवार सुबह शनिवार सुबह 4:30 बजे हुआ। दुर्घटना के वक्त कोई प्रत्यक्षदर्शी मौजूद नही था, लेकिन पुलिस और फायर ब्रिगेड के अफसरों को जो साक्ष्य मिले, उससे लगता है कि ट्रक के डीजल से बस में आग लगी। दरअसल, हादसे के बाद बस और ट्रक के बीच की दूरी 50 मीटर थी। जोरदार टक्कर के बाद ट्रक के डीजल टैंक में ब्लास्ट हुआ था। इसलिए माना जा रहा है कि डीजल टैंकर के ब्लास्ट होने के बाद इससे निकला डीजल बस पर गया और बस में आग लग गई। दोनों के बीच 90 डिग्री में टक्कर हुई है। हालांकि, दुर्घटना कैसे हुई है इसको लेकर कोई भी आधिकारिक बयान नही आया है।

बस के अगले हिस्से में ज्यादा नुकसान

सबसे ज्यादा जनहानि बस के अगले हिस्से में हुई। सुबह का समय होने के कारण ज्यादातर यात्री सो रहे थे, इसलिए उन्हें भागने का मौका नही मिल सका। मरने वालों में बस का ड्राइवर और कुछ बच्चे भी शामिल हैं।

परिजन को केंद्र और राज्य सरकार ने मदद दी

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने मृतकों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपए देने का ऐलान किया है। घायलों को फ्री में इलाज करवाया जाएगा। शिंदे ने कहा- 3 लोगों को प्राइवेट अस्पताल में एडमिट कराया गया है। हादसे को गंभीरता से लिया जाएगा और इसकी जांच कराई जाएगी।

पडोसी द्वारा आठ वर्षीय मासूम की हत्या

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरी दिल्ली से दिल दहला देने वाली खबर आई है। यहां एक व्यक्ति ने पड़ोस में रहने वाली मासूम की हत्या कर दी है। नरेला इलाके में आठ-वर्षीया एक बच्ची की उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने उक्त मामले में रेप के पहलू से इनकार किया है और हत्या के लिए पीड़िता के भाई के आरोपी के साथ तनावपूर्ण संबंधों को जिम्मेदार ठहराया। आरोपी और पीड़िता का परिवार साथ-साथ रहता है। पुलिस को बच्ची के लापता होने की सूचना शुक्रवार रात करीब 10 बजे मिली थी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पीड़िता के घर से लगभग 150 मीटर की दूरी पर लगे सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल करने के बाद आरोपी का पता लगाया गया। उन्होंने बताया कि रात के करीब साढ़े 11 बजे आरोपी को तलाश कर पुलिस ने हिरासत में ले लिया था।

पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) देवेश कुमार महला के मुताबिक, आरोपी ने पहले पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। लगातार पूछताछ के बाद आरोपी ने बताया कि पीड़िता के भाई के साथ उसके तनावपूर्ण संबंध थे। उसने बदला लेने के मकसद से उसकी बहन की घर से करीब एक किलोमीटर दूर पर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि लड़की के शव को बरामद कर लिया गया है और अपराध और फोरेंसिक विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने और सिर में गहरी चोट के बारे में पता चला है, लेकिन बलात्कार के स्पष्ट संकेत नहीं थे। महला ने कहा, पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

आप मंत्री के बहाने रिजिजू का केजरीवाल पर तंज

पूछा- हिंदू और हिंदुत्व से इतनी नफरत क्यों करता है केजरीवाल और उनका गैंग

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने एक मंत्री का वीडियो वायरल होने के बाद बीजेपी के निशाने पर आ गए हैं। आम आदमी पार्टी (आप) नेता और समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर हिंदू देवी-देवताओं का अपमान किया है। इसकी वजह से बीजेपी ने उनके खिलाफ थाने में शिकायत की है और उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की है। इसी बीच केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली सीएम पर तंज कसा है। उन्होंने पूछा है कि आखिर दिल्ली सीएम और उनका गैंग हिंदू और हिंदुत्व से इतनी नफरत क्यों करता है। किरेन रिजिजू ने ट्वीट कर कहा, 'हर भारतीय को इस मंत्र का पालन करना चाहिए- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास! वास्तव में

मुझे समझ में नहीं आता कि श्री अरविंद केजरीवाल और उनका गिरोह हिंदू और हिंदुत्व से इतनी नफरत क्यों करता है? मैं राहुल गांधी के बारे में तो समझ सकता हूं लेकिन अरविंद केजरीवाल।' आप नेता का वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री ने यह प्रतिक्रिया दी है।

क्या है मामला

बीते पांच अक्टूबर को करोल बाग में आप मंत्री मिशन जय भीम की ओर से बौद्ध धर्म पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर भगवान को न मानने की शपथ ली। मंत्री की मौजूदगी में लोगों को शपथ दिलाई गई कि 'हम ब्रह्मा, विष्णु, महेश, राम, कृष्ण, गौरी-गणपति को भगवान नहीं मानेंगे और कभी उनकी पूजा नहीं करेंगे।' वीडियो वायरल होने के बाद बीजेपी ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बीजेपी ने आप सरकार को हिंदू विरोधी बताया है।

मंत्री ने दी सफाई

इस मामले पर विवाद बढ़ने पर मंत्री ने सफाई देते हुए कहा कि उनपर जो आरोप लगाए गए हैं वो झूठे हैं। शपथ को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'जब कोई बौद्ध धर्म की दीक्षा लेते हैं वह मानवता की बात करता है। किसी धर्म की बात नहीं करता। किसी धर्म को अपमानित करने की बात नहीं करता। सबके सम्मान की बात करता है। भाजपा के लोगों के पास कुछ है नहीं। वह पूरा वीडियो देखें। वह अपना दिमाग ठीक करें।'

सोनाली फोगाट मर्डर में गुमनाम चिट्ठियों से हड़कंप

हिसार पहुंची सीबीआई; लेटर में किए खुलासों की जांच करेगी

हिसार, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता टिकटॉक स्टार सोनाली फोगाट की गुमनाम चिट्ठियों से हड़कंप मच गया है। इसका खुलासा होते ही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम हिसार पहुंच गई है। हालांकि सीबीआई की टीम परिवार के लोगों से मिल रही है। सीबीआई ने चिट्ठियों को औपचारिक रूप में लेगी। अब इनमें किए दावों की जांच करेगी। सोनाली के भाई रिंकू ढाका का कहना है कि सीबीआई का शुक्रवार को फोन आया था और उसकी टीम शनिवार को हिसार में उनसे मुलाकात करेगी। गुमनाम चिट्ठी में सोनाली के मर्डर के पीछे सत्तापक्ष के हिसार, फतेहाबाद और टोहाना के बड़े नेताओं के नाम लिखे हैं। चिट्ठी लिखने वाले ने दावा किया है कि पीए सुधीर सांगवान को सोनाली के मर्डर के लिए 10 करोड़ दिए गए। वह तो केवल एक मोहरा था। इसमें दावा किया गया कि सोनाली के मर्डर की पूरी साजिश हरियाणा के नेताओं ने रची। वह सोनाली की वजह से राजनीतिक करियर बर्बाद होने से डरे हुए थे। आदमपुर उप चुनाव की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर गुरुवार को यह चिट्ठियां वायरल होनी शुरू हुईं। यह तब वायरल हो रही हैं, जब आदमपुर उप चुनाव के लिए पार्टियां टिकट के दावेदार खोज रही हैं और नेता दावेदारी ठोक रहे हैं। ऐसे में इन चिट्ठियों की सत्यता पर संदेह होना स्वाभाविक है। गोवा में इसी साल 22-23 अगस्त को सोनाली फोगाट की अचानक मौत हो गई। सोनाली फोगाट के परिवार ने पीए सुधीर सांगवान और सुखविंदर पर हत्या के आरोप लगाए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सोनाली के शरीर पर चोट के निशान और ड्रग्स की ओवरडोज मिली। जिसके बाद गोवा पुलिस ने सुधीर और सुखविंदर समेत 5 आरोपियों के खिलाफ मर्डर का केस दर्ज किया।

पाक ने समुद्र के रास्ते भारत भेजी 350 करोड़ की ड्रग्स, छह पाकिस्तानी गिरफ्तार

गांधीनगर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात एटीएस और भारतीय तटरक्षक बल ने एक बड़े अभियान में गुजरात तट से 50 किमी। दूर अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास एक पाकिस्तानी नाव 'अल साकार' को पकड़कर करीब 350 करोड़ रुपये कीमत की हेरोइन को बरामद किया है। इस नाव में 6 पाकिस्तानी लोग सवार थे और उनके पास से 50 किलो हेरोइन जब्त की गई। गुजरात पुलिस के डीजीपी आशीष भाटिया ने कहा कि इस बात की जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान में रहने वाले एक बड़े ड्रग सरगना मोहम्मद कादर ने यहां हेरोइन की एक खेप भेजी थी। खबर के मुताबिक इस खेप का लेन-देन गहरे समुद्र में होने वाला था। गुजरात एटीएस ने ये सूचना हासिल करने के बाद एक बड़ा ऑपरेशन शुरू किया और इन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गुजरात के डीजीपी ने कहा कि कुल 6 पाकिस्तानियों को पकड़ा गया है। गुजरात के डीजीपी ने कहा कि तटरक्षक बल और पुलिस की टीम पकड़े गए लोगों के साथ जखाउ बंदरगाह पहुंच गई है। पिछले कुछ वर्षों में यह छठा ऐसा ऑपरेशन है, जिसे एटीएस ने अन्य एजेंसियों के सहयोग से अंजाम दिया है। गौरतलब है कि गुजरात के कुछ बंदरगाहों से पिछले कुछ महीनों में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की खेप पकड़ी गई है। पाकिस्तान की सीमा से लगे पंजाब जैसे राज्यों में नशीले पदार्थों की तस्करी पर कठोर अंकुश लगाने के लिए की जा रही कार्रवाई के बाद अब ड्रग्स के तस्करों ने गुजरात की समुद्री सीमा पर अपनी सक्रियता को बढ़ा दिया है।

पंजाब में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए 400 के करीब नशे के सौदागरों को जेल भेज दिया है। इसके बाद पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी और ड्रग्स के सौदागरों ने गुजरात के साथ ही महाराष्ट्र में समुद्र के रास्ते नशे की खेप भेजने के काम को तेज किया है।

मदरसा जा रही 10 साल की बच्ची से छेड़छाड़

भोपाल, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। हनुमानगंज इलाके में 10 साल की बच्ची से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना उस समय हुई जब बच्ची तालीम लेने मदरसा जा रही थी। इसी बीच रास्ते में मोहल्ले के मनचले ने उसका हाथ पकड़कर अश्लील हरकत कर दी। बच्ची के शोर मचाने पर आरोपी भाग गया।

पुलिस ने बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, सुंदर नगर कवाड़खाना में रहने वाली 10 साल की बच्ची मदरसा में पढ़ती है। शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे वह घर से मदरसा जाने के लिए निकली। इसी बीच मोहल्ले में रहना वाला साहिल हगौड़ा (19) उसका पीछा करता हुआ आया। उसने बच्ची को रोककर हाथ पकड़ लिया। इसके बाद उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। बच्ची विरोध करते हुए शोर मचा दी। इस पर आरोपी मौका पाकर भाग निकला। बच्ची घर पहुंचकर अपनी मां को घटना के बारे में बताया। इस पर मां उसे तुरंत ही थाने लेकर पहुंची। पुलिस ने छेड़छाड़, पाक्सो एक्ट का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

शिक्षा विभाग के वाट्सएप ग्रुप में डाला अश्लील वीडियो

श्योपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में शिक्षकों के व्हाट्सएप ग्रुप में पोर्न वीडियो डालने से हड़कंप मच गया। फिलहाल, अब शिक्षा विभाग के जन शिक्षा केंद्र गोहटा नाम से बने ग्रुप में पोर्न वीडियो डालने वाले गुरुजी पर विभागीय कार्रवाई के बादल मंडराने लगे हैं। बता दें कि शिक्षा विभाग से जुड़ी सभी जानकारियों के लिए यह ग्रुप बनाया गया था। इस ग्रुप में शासकीय विद्यालय गोहटा में पदस्थ गुरुजी ने संकुल केंद्र के नाम से बने व्हाट्सएप ग्रुप में अश्लील वीडियो शेयर कर दी।

हरियाणा में कांग्रेस को राज्यसभा चुनाव हराने वाले नेता के बेटे को बीजेपी ने दिया टिकट

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा उप-चुनाव के लिए हरियाणा की आदमपुर सीट से भाजपा ने कुलदीप बिश्नोई के बेटे भव्य बिश्नोई को उम्मीदवार बनाया है। आदमपुर विधानसभा सीट पिछले पांच दशकों से कुलदीप बिश्नोई के परिवार का गढ़ रही है। कुलदीप बिश्नोई के कांग्रेस से इस्तीफे के कारण यह सीट खाली हुई है। बिश्नोई कांग्रेस छोड़कर चार अगस्त को भाजपा में शामिल हो गए थे। माना जा रहा है कि राज्यसभा चुनाव में अजय माकन की हार तय करने वाले कुलदीप बिश्नोई के बेटे को टिकट देकर इनाम दिया गया है। हरियाणा से राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का खेल बिगाड़ने वाले कुलदीप बिश्नोई को ही बताया जाता रहा है। राज्यसभा चुनाव में कुलदीप बिश्नोई की पार्टी से खिलाफत की वजह से ही कांग्रेस को हार मिली थी। हरियाणा से भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार कार्तिकेय शर्मा जीते थे, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन हार गए थे। आदमपुर विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी ने सत्येंद्र सिंह को उम्मीदवार बनाया है। सत्येंद्र सिंह पहले भाजपा में थे, उन्होंने सितंबर महीने में आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया था। आदमपुर के अलावा यूपी की गोकर्णनाथ विधानसभा सीट से पूर्व विधायक स्वर्गीय अरविंद गिरी के बेटे अमन गिरी को भाजपा ने टिकट दिया है। वहीं, तेलंगाना की मुनुगोड़े विधानसभा सीट से कोमातिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को उतारा है। गोकर्णनाथ विधानसभा सीट से जिन अमन गिरी को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है, वह पूर्व विधायक स्वर्गीय अरविंद गिरी के बेटे हैं। अरविंद गिरी की सितंबर महीने में हृदय गति रुकने से मौत हो गई थी। अरविंद गिरि ने साल 1995 में सक्रिय राजनीति में एंट्री मारी थी, उन्हें गोला नगरपालिका के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। साल 1996 में, उन्होंने सपा से हैदराबाद विधानसभा (अब गोला गोकर्णनाथ) सीट से चुनाव लड़ा और जीत गए थे। उन्होंने साल 1996, 2002 और 2007 में इस सीट से विधानसभा चुनाव जीता। साल 2017 में उन्होंने भाजपा का हाथ थाम लिया, और भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़कर जीत हासिल की। साल 2022 में भी उन्होंने इसी विधानसभा सीट से चुनाव जीता। सियासत से पहले वह गोला इंटर कॉलेज में एक शारीरिक प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत थे। बता दें, तीनों विधानसभा सीटों पर नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 7 अक्टूबर से शुरू हो गई है। नामांकन पत्रों की छंटनी 15 अक्टूबर को की जाएगी और 17 अक्टूबर तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 3 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती छह नवंबर को की जाएगी।

बांग्लादेश में हिन्द मंदिर पर हमला

कट्टरपंथियों ने काली मंदिर में मूर्ति को तोड़ा, आधा किलोमीटर दूर मिले टुकड़े

ढाका, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिन्दू मंदिरों पर हमला रुक नहीं रहा है। यहां शुक्रवार यानी 7 अक्टूबर को कट्टरपंथियों ने काली मंदिर में घुसकर मूर्तियां तोड़ डालीं। ये मंदिर ब्रिटिश काल का बताया जा रहा है। फिलहाल आरोपियों को पकड़ा नहीं जा सका है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। घटना झेनैदाह जिले के दौतिया गांव में हुई। यहां काली मंदिर में तोड़फोड़ की गई। आरोपियों ने मूर्ति का सिर मंदिर परिसर से लगभग आधा किलोमीटर दूर सड़क पर फेंक दिया और फरार हो गए।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

मंदिर समिति के अध्यक्ष सुकुमार कुंडा ने कहा- इस मंदिर में अंग्रेजों के जमाने से पूजा हो रही है। हमला रात 3 से 4 बजे के बीच हुआ। मंदिर में कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं

थी, इसलिए हमलावर बिना किसी डर के मूर्तियों को खंडित कर पाए। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। इस हमले में किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

दुर्गा पूजा के समापन के बाद हुई तोड़फोड़

बांग्लादेश पूजा सेलिब्रेशन काउंसल के जेनरल सेकेटरी चंदनाथ पोद्दार ने कहा- यह घटना बांग्लादेश में 10 दिवसीय दुर्गा पूजा खत्म होने के 24 घंटे के अंदर हुई है। ये दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, क्योंकि पूरे देश में इन 10 दिन में कोई घटना नहीं हुई। पिछले साल की तुलना में इस साल दुर्गा उत्सव काफी शांति से मनाया गया। पिछले साल भी दुर्गा पूजा के दौरान चांदपुर जिले में भीड़ ने हिंदू मंदिर पर हमला कर दिया था। इस दौरान 3 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद बांग्लादेश हिंदू यूनिटी काउंसिल ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से हिंदुओं को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की थी।

बांग्लादेश में पहले भी हो चुके हैं हिंदू मंदिरों पर हमले

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले का पुराना इतिहास है। भारत में बाबरी मस्जिद विध्वंस से पहले ही 29 अक्टूबर 1990 को बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी राजनीतिक संगठन ने बाबरी मस्जिद को गिराए जाने की अफवाह फैला दी थी जिसके चलते 30 अक्टूबर को हिंसा भड़क गई थी, जो 2 नवंबर 1990 तक जारी रही थी। इस हिंसा में कई हिंदू मारे गए थे।

बांग्लादेश में तेजी से घट रही हिंदुओं की आबादी

2011 की जनगणना के मुताबिक, 16,5 करोड़ की आबादी वाले बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी 8,5% है, जबकि 90% से ज्यादा मुस्लिम आबादी है। बांग्लादेश में मुस्लिम और हिंदू दोनों मुख्यतः बंगाली हैं, यानी भाषा और सांस्कृतिक रूप से उनमें समानता है, लेकिन धर्म की वजह से उनकी दूरियों का कट्टरपंथी फायदा उठाते हैं। बांग्लादेश सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 1980 के दशक में बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी 13,5% थी। वहीं, 1947 में जब भारत, पाकिस्तान की आजादी के साथ बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान बना था, तो उस समय वहां हिंदुओं की आबादी करीब 30% थी।

करीब चार दशकों में बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी 13,5% से घटकर 8.15% रह गई। बांग्लादेशी सरकार के 2011 के जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक, एक दशक में हिंदुओं की संख्या में कम से कम 10 लाख की कमी आई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ढाका यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्री और प्रोफेसर अब्दुल बरकत ने अपनी स्टडी में पाया कि पिछले कुछ सालों में सुरक्षा और आर्थिक वजहों से हर दिन करीब 750 हिंदू बांग्लादेश से पलायन कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर हिंदू भारत आने की कोशिश करते हैं।

चीते के बाद अब एमपी में दिखेंगे जेब्रा-जिराफ

वन मंत्री का दावा- अफ्रीका से 26 जनवरी से पहले लाएंगे; वन विहार सबसे अनुकूल

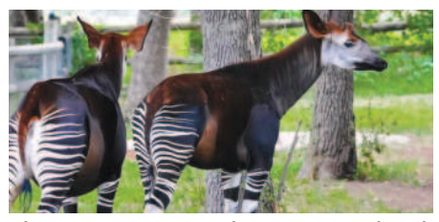

भोपाल, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में पहली बार जेब्रा और जिराफ की झलक 3 महीने बाद देखने को मिल सकती है। वन मंत्री डॉ. विजय शाह का दावा है कि अफ्रीका से अगले साल 26 जनवरी से पहले जेब्रा और जिराफ को यहां बसाया जाएगा। वन विहार सबसे अनुकूल है। मैनेजमेंट ने इसका प्रस्ताव भी जू अथॉरिटी ऑफ इंडिया को भेजा है। वहीं, प्रदेश के सभी नेशनल पार्कों में 1 जनवरी-23 से प्लास्टिक की बोतल और थैलियों पर बैन लगेगा। वन मंत्री डॉ। शाह ने बताया कि प्रदेश में अफ्रीका से चीता आने के बाद अब जेब्रा और जिराफ को भी 26 जनवरी 2023 के पहले वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बाद शेर, बाघ, भालू, लोमड़ी, तेंदुआ, हिरण, बारहसिंगा समेत अन्य जानवरों के साथ लोगों को जेब्रा और जिराफ के दीदार भी हो सकेंगे। टाइगर और लेपर्ड स्टेट मध्यप्रदेश अब चीता स्टेट भी बन गया है। यहां नमीबिया से 8 चीतें आए हैं, जो कूनो नेशनल पार्क में है। पीएम नरेंद्र मोदी ने 18 सितंबर को पार्क में पिंजरे खोलकर चीता को बाड़े में छोड़ा था। देश में 70 साल बाद चीते कूनो में लाए गए हैं। इसके लिए पिछले 20 साल से प्रोसेस चल रही थी। इसके बाद यह देश का एकलौता ऐसा पहला प्रदेश बन गया है, जहां पर टाइगर, लेपर्ड और चीता तीनों है। फिलहाल चीते क्वारंटाइन हैं। वन विहार देश का इकलौता ऐसा नेशनल पार्क है, जो किसी राजधानी के बीचों-बीच में है। 26 जनवरी 1983 को इसे नेशनल पार्क का दर्जा मिला था। वन विहार बड़े तालाब के पास पहाड़ी और आसपास के 445,21 हेक्टेयर क्षेत्र को मिलाकर बना है। हर साल यहां डेढ़ से दो लाख पर्यटक आते हैं। इसलिए जिराफ और जेब्रा के लिए इसे बेहतर माना जा रहा है। यही कारण है कि जू अथॉरिटी को प्रस्ताव भी भेजा जा चुका है। मंत्री शाह ने बताया कि भोपाल के आसपास टाइगर मूवमेंट को देखते हुए इस क्षेत्र को अभयारण्य बनाने पर विचार किया जा सकता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों, वन्यप्रेमी और बुद्धिजीवी वर्ग को आगे आना चाहिए।

प्लास्टिक की बोतल पर बैन, वाटर एटीएम लगाएंगे

वन मंत्री डॉ। शाह ने बताया, वन विभाग के सभी नेशनल पार्क में प्लास्टिक बोतल और थैलियों पर एक जनवरी 2023 से प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसके बदले वहां वाटर एटीएम लगाए जाएंगे। जिनसे पर्यटकों को कम कीमत पर पानी मिलेगा। साथ ही पार्क में खाद्य सामग्री आदि की थैलियां ले जाने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 9 अक्टूबर, 2022 3

सु वि चा र

कितने लोगों की बोलती बन्द हो जाए, अगर उन्हें आत्म प्रशंसा और पर निन्दा करने से रोक दिया जाय।

सीपी ने मुस्लिम मौलवियों के साथ की समन्वय बैठक

शांतिपूर्ण ढंग से मिलाद-उन-नबी जुलूस निकालने की अपील

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिलाद-उन-नबी जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो, इसके लिए नगर पुलिस ने कई कदम उठाए हैं। दशहरा-दुर्गा माता उत्सव के सफल समापन एवं विसर्जन के बाद रविवार को मनाए जाने वाले पर्व एवं आज रात शुरू होने वाले संबंधित जुलूसों के मद्देनज़र नगर पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने सभी महत्वपूर्ण मुस्लिमों के साथ समन्वय बैठक की। पुरानी हवेली स्थित अपने कैंप कार्यालय में मौलवियों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की और सुरक्षा और यातायात और अन्य व्यवस्थाओं पर उनकी राय ली।

समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए, सीपी आनंद ने आश्वासन दिया कि शहर की पुलिस सभी व्यवस्था कर रही है और समुदाय के सदस्यों का सहयोग मांगा है। उन्होंने मौलवियों और बुजुर्गों से युवाओं को सुरक्षित रूप से आने और जुलूस के दौरान नियमों का पालन करने के लिए राजी करने का आग्रह किया और उनसे ऐतिहासिक शहर की गंगा-जमुना तहजीब को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। छोटे समूहों के बीच अशांति और कानून और व्यवस्था के मुद्दों का उल्लेख करते हुए, पुलिस आयुक्त ने उपस्थित लोगों को उन मुद्दों पर प्रतिक्रिया नहीं करने के लिए कहा जो शहर में शांति को प्रभावित कर सकते हैं और धैर्य रखें। उन्होंने सुरक्षा उपायों और किए जा रहे यातायात मोड़ व्यवस्था और बल की तैनाती से भी अवगत कराया। यातायात मोड़ योजना, पार्किंग स्थलों को आज अधिसूचित किया जाएगा और जुलूसों की बारीकी से निगरानी के लिए यातायात विंग के वरिष्ठ अधिकारी तैनात किए जाएंगे। जुलूस को पूर्व निर्धारित मार्ग से नहीं मोड़ना चाहिए।

उपद्रव करने वालों को सीधे चेतावनी देते हुए, शहर के पुलिस प्रमुख ने कहा कि दूसरों की भावनाओं को भड़काने या आहत करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग सख्त कार्रवाई को आमंत्रित करेगा। कुछ भी गलत होने पर आयोजक जिम्मेदार होंगे। समुदाय के सदस्यों ने राज्य सरकार और शहर पुलिस द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं की सराहना की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और अन्य मुस्लिम पादरियों ने बात की।

बैठक में सैयद अहमद उल हुसैनी सईद कादरी, खादी इंटरनेशनल के अध्यक्ष, रशीद अब्दुल रज्जाक, महासचिव एसडी, मौलाना हमीद हुसैन हसन फारूकी, अध्यक्ष और एसडीआई, सैयद औलिया हुसैनी मुर्तुजा पाशा, राष्ट्रपति सूफी, डॉ हफीज मुजफ्फर, सैयद अली, सैयद्।

शाह नसीमुल्लाह हुसैन, सैयद्। शाह फजलेरुल्लाह कादरी, सैयद शाह वसीफ आलम, सैयद मोहम्मद अली कादरी मुमशाद पाशा, राष्ट्रपति मरकजी मजलिस ए क्वाड्रिया, मौलाना मुजफ्फर अली सोफी चिश्ती शामिल हुए।

प्यार ठुकराने पर युवक ने चाकू मारकर की लड़की की हत्या

काकीनाडा, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। काकीनाडा ग्रामीण मंडल के कुराड़ा गांव में शनिवार की सुबह एक हैरान कर देने वाली घटना में एक व्यक्ति ने प्यार ठुकराने और उसकी अनदेखी करने पर एक युवती की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक कुराड़ा गांव का गुब्बाला वेंकट सूर्यनारायण लड़की देवकी को प्यार के नाम पर परेशान कर रहा था, हालाँकि उसने उसकी माँगों को मानने से इनकार कर दिया और उसे अपने तरीके सुधारने के लिए कहा।

इस पर क्रोधित होकर, सूर्यनारायण ने देवकी पर घात लगाकर हमला किया, जब वह कंदरेगुला कुरदा और कुरदा के बीच एक स्कूटर पर यात्रा कर रही थी और उस पर बेरहमी से हमला किया। गंभीर रूप से घायल बच्ची को अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने हमलावर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जो मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

महिला माओवादी नेता ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक शीर्ष माओवादी नेता और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की मंडल समिति के सदस्य, अलुरी उषा रानी उर्फ विजयक्का उर्फ पोचक्का उर्फ भानु दीदी (53) ने शनिवार को तेलंगाना पुलिस महानिदेशक महेंद्र रेड्डी की उपस्थिति में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

वह माकपा की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के नॉर्थ सब जोनल ब्यूरो की सक्रिय सदस्य थीं। पुलिस के अनुसार, उषा रानी तेलंगाना और छत्तीसगढ़ दोनों जगहों पर कई हिंसक घटनाओं में शामिल थी।

उसने तेलंगाना और छत्तीसगढ़ राज्यों में एक माओवादी के रूप में अपने भूमिगत जीवन के दौरान कुल 14 अपराधों में भाग लेने की बात कबूल की, जिसमें सुरक्षा बलों पर पांच हमले, पुलिस के साथ तीन बार फायरिंग, सार्वजनिक और निजी इमारतों में विस्फोट के तीन मामले, अपहरण का मामला और मारपीट के दो मामले शामिल हैं।

इस अवसर पर डीजीपी महेंद्र रेड्डी ने मावावादियों से मुख्यधारा में शामिल होने और रचनात्मक भागीदारी के माध्यम से राष्ट्र की उन्नति में भाग लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने से पुनर्वास प्रक्रिया से लाभ होगा, जिसमें मौद्रिक सहायता और अन्य सहायता उपायों के साथ तत्काल राहत शामिल है। महेंद्र रेड्डी ने कहा कि उन्हें राज्य सरकार द्वारा पूर्ण पुनर्वास प्रदान किया जाएगा और उनके तत्काल खर्चों को पूरा करने के लिए 50,000 रुपये की नकद राशि दी जाएगी।

विवादास्पद जीओ 317 को तुरंत वापस ले सरकार : एसएसएफ नेता

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट स्पाउस फोरम (एसएसएफ) के नेताओं ने आज मांग की कि राज्य सरकार विवादास्पद जीओ 317 को तुरंत वापस ले। आज यहां न्यूज एंड सर्विस सिंडिकेट में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, स्टेट स्पाउस फोरम के नेताओं ने अपनी पीड़ा व्यक्त की क्योंकि युगल कर्मचारी अलग-अलग जिलों में अलग-अलग जिलों में जीओ नंबर 317 के कारण अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं और तनाव और पीड़ा के कारण अक्सर बीमार पड़ रहे हैं। शिक्षकों ने दावा किया कि हालांकि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने पत्नी और पति जोड़े को एक ही जिले में तैनात करने के आदेश जारी किए, लेकिन संबंधित अधिकारी सरकार के आदेशों को लागू नहीं कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक 19 जिलों में पत्नी और पति जोड़ों के स्थानान्तरण किए गए हैं और कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश 13 जिलों में लागू नहीं हुए हैं। राज्य जीवनसाथी मंच के नेताओं ने दुख जताया कि उनके बच्चे अपने माता-पिता की विभिन्न जिलों में पोस्टिंग के कारण पीड़ित हैं। उन्होंने यह भी खेद व्यक्त किया कि संबंधित अधिकारियों से उनके बार-बार अनुरोध बहरे कानों पर पड़े। मंच के नेताओं ने राज्य सरकार से एक बार फिर दम्पति कर्मचारियों को दीपावली पर्व से पहले उसी जिले में पदस्थापित करने और उनके घरों में बत्ती भरने की अपील की।

भाजपा विधायक राजा सिंह की रिहाई के लिए महादीक्षा आयोजित

सरकार से की विधायक को एक सप्ताह के भीतर बिना शर्त रिहा करने की मांग

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के गोशामहल विधायक राजा सिंह की हिरासत रोकथाम अधिनियम के तहत अवैध गिरफ्तारी के विरोध में, युग तुलसी फाउंडेशन के अध्यक्ष के. शिव कुमार ने आज इंदिरा पार्क में महादीक्षा का आयोजन किया। महा दीक्षा में कई हिंदू संघों और गाय समर्थकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, शिव कुमार ने कहा कि टीआरएस सरकार ने मुनवा फारूकी के शो की अनुमति दी, जिन्होंने हिंदू देवताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की, लेकिन उसी सरकार ने राजा सिंह को पीडी एक्ट लागू करके सलाखों के पीछे डाल दिया, जो हमेशा न्याय के लिए लड़ते थे, जो बिलकुल गलत है। शिव कुमार ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार राजा सिंह को एक सप्ताह के भीतर बिना शर्त जेल से रिहा करे, अन्यथा युग तुलसी फाउंडेशन बड़े पैमाने पर आंदोलन का सहारा लेगा। उन्होंने कहा कि वे पूरे देश में हिंदुओं की एकता के लिए शांतिपूर्ण तरीके से दीक्षा का आयोजन कर रहे हैं। इस अवसर पर जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, अविनाश देवडा के अलावा कई गो भक्तों ने जल्द से जल्द विधायक राजा सिंह को रिहा करने की मांग की ।

कुमरम भीम की 82वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम के लिए पुख्ता इंतजाम : जिला एसपी

आसिफाबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला एसपी के सुरेश कुमार ने बताया कि आदिवासियों की आराध्य देव कुमरम भीम के पुण्यतिथि कार्यक्रम के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं केरामेरी मंडल जोडेघाट गांव में रविवार को होने वाले इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री कल्वकुंतला तारकारा राव के आगमन को देखते हुए पुख्ता इंतजाम किया गया है। एसपी ने जिला पुलिस अधिकारियों से कहा कि चूंकि इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अन्य राज्यों के लोग शामिल होंगे, इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए कि यातायात की समस्या न हो। एसपी ने कहा कि 3 अतिरिक्त एसपी (आदिलाबाद जिले से एक), 02 डीएसपी, 12 सीआई और 27 एसएसआईएल कल की तैनाती में 477 पुलिस कर्मियों की ड्यूटी में भाग लेंगे।

फर्जी नौकरी रैकेट का भंडाफोड़, गिरोह के पास से 10 लाख रुपये जब्त

वारंगल, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्कफोर्स पुलिस ने एक फर्जी नौकरी रैकेट का भंडाफोड़ किया और शनिवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया। टास्क फोर्स के एसीपी डॉ. एम. जितेंद्र रेड्डी ने कहा कि पुलिस ने मुख्य संदिग्ध सलादी रामगोपाल के फर्जी कॉल लेटर और नियुक्ति आदेशों के अलावा 10 लाख रुपये भी जब्त किए। मुख्य संदिग्ध रामगोपाल आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम का रहने वाला है। अन्य संदिग्ध आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से अंकला सुभाष, धर्मावरम प्रसाद और रजनी हैं। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट और लैब टेक्निशियन जैसी नौकरी का वादा करने वाले बेरोजगार युवाओं को अखबारों में विज्ञापन देकर लालच देते थे। उन्होंने बड़ी मात्रा में धन इकट्ठा करके कई लोगों को धोखा दिया।

जब्त दस्तावेजों और नकदी के साथ संदिग्धों को मटवाड़ा थाने को सौंप दिया गया है। रामगोपाल दोनों तेलुगु राज्यों में धोखाधड़ी और अन्य के 20 मामलों में आरोपी है। उन्हें पहले रायदुर्गम पुलिस ने पीडी एक्ट के तहत हिरासत में लिया है। एसीपी ने बेरोजगार युवाओं से अनुरोध किया कि वे निजी एजेंसियों या ऐसे व्यक्तियों के विज्ञापनों के झांसे में न आएं जो बिना परीक्षा या परीक्षण के सरकारी नौकरी का वादा करते हैं। बेरोजगार युवाओं को सक्षम प्राधिकारी द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपस्थित होना चाहिए और नौकरी पाने के लिए रैंक प्राप्त करना चाहिए। झूठे दावे करने वाले किसी भी बिचौलिए या धोखेबाज को पैसे न दें।

मजलिस पार्टी को संरक्षण दे रहे हैं सीएम : बीजेपी सांसद

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री राज्य में मजलिस पार्टी को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मजलिस नेता सीएम के समर्थन पर बैंकिंग द्वारा हमलों का सहारा ले रहे हैं।

उन्होंने यह टिप्पणी मलकपेट विधानसभा क्षेत्र से सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के नेताओं के शामिल होने के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए की। लक्ष्मण ने सीएम और एमआईएम पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि टीआरएस और एमआईएम पार्टी की दोस्ती अविभाज्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि मजलिस पार्टी के नेता टीआरएस पार्टी के नेताओं पर हमले कर रहे हैं और दावा किया कि सीएम अपनी ही पार्टी के नेताओं पर हमलों की अनदेखी कर रहे हैं। नतीजतन, केसीआर की लापरवाही के कारण टीआरएस नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि केसीआर एमआईएम पार्टी से डरे हुए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर ने अपनी बीआरएस पार्टी के नाम पर देश को लूटने के लिए यात्रा शुरू की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अकेले भाजपा एमआईएम पार्टी का मुकाबला कर सकती है और उन्होंने कहा कि वे अपनी पार्टी के नेताओं के खिलाफ मजलिस पार्टी की किसी भी तरह की ज्यादती को बर्दाश्त नहीं करेंगे। राज्य के उद्योग मंत्री केटीआर पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मंत्री ने मीडियाकर्मियों के साथ अपने चिट चैट कार्यक्रम में आरएसएस के खिलाफ निराधार टिप्पणी की और कहा कि केटीआर और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बीच कोई तुलना नहीं है।

हट्टी से जोडेघाट के लिए निःशुल्क बस सुविधा

आसिफाबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद की क्षेत्रीय प्रबंधक सुधा परिमाला ने कहा कि कोमुराम भीम की 82वीं पुण्यतिथि मनाने के लिए रविवार को केरामेरी मंडल के हट्टी बेस कैंप से टीएसआरटीसी आसिफाबाद डिपो के तत्वावधान में मुफ्त बस सुविधा प्रदान की जा रही है। हर 20 मिनट में एक बस हट्टी से जोडेघाट के लिए रवाना होगी। इसी तरह कुमरम भीम की पुण्यतिथि कार्यक्रम के लिए दूर-दराज के स्थानों से आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए सुबह छह बजे हैदराबाद से हटी, सुबह चार बजे से चंद्रपुर से हट्टी, सुबह पांच बजे से कागजनगर से हट्टी, वांकिडी से हट्टी, आसिफाबाद से हट्टी सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक शाम 4 बजे स्पेशल बसों की व्यवस्था की गई है। इसी तरह आदिलाबाद की क्षेत्रीय प्रबंधक सुधा परिमाला ने कहा कि आदिलाबाद, मंचिरयाल और निर्मल क्षेत्रों से भी विशेष बसें चल रही हैं।

बीजेपी ने अपने अध्यक्ष पद के लिए कभी नहीं कराया चुनाव : मल्लिकार्जुन खड़गे

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वयोवृद्ध नेता और पार्टी के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज राज्य का दौरा किया और राष्ट्रपति पद के लिए अपने चुनाव के लिए पार्टी के सदस्यों का समर्थन मांगा।

बेगमपेट हवाई अड्डे पर पार्टी नेताओं द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बाद में खड़गे गांधी भवन पहुंचे और इंदिरा भवन में पार्टी नेताओं के साथ बैठक की. बैठक में टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी, पार्टी सांसद एन. उत्तम कुमार रेड्डी और पार्टी के अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि चुनाव दोनों पार्टी नेताओं के बीच है। उन्होंने कहा कि भाजपा के इतिहास में ऐसा कोई चुनाव नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी देश में बेरोजगारी की समस्या को हल करने के अपने वादे को निभाने में विफल रहे और कहा कि देश में घातक कोविड वायरस के हमले के बाद करोड़ों लोगों ने अपनी नौकरी खो दी है। उन्होंने कहा कि देश के लोगों द्वारा नौकरियों के नुकसान के कारण बेरोजगारी दर में भारी गिरावट आई है।

उन्होंने कहा कि एक अमेरिकी डॉलर के लिए भारतीय रुपये का मूल्य गिरकर 82 रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि देश में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ गई हैं और घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 1100 रुपये प्रति सिलेंडर को पार कर गई है। उन्होंने उपहास किया कि भाजपा शासन के तहत आवश्यक वस्तुओं पर कर लगाया जाता था।

भारत जोड़ो यात्रा के महत्व को कभी नहीं समझ सकते टीआरएस नेता : शब्बीर

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की आलोचना करने के लिए टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री के. तारकरमा राव की खिंचाई की और कहा कि केटीआर के पास एक ऐसे नेता के बारे में बोलने का कद नहीं है जो कोशिश कर रहा है देश को एकजुट करो। शनिवार को गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, शब्बीर अली ने कहा कि केटीआर या अन्य टीआरएस नेता भारत जोड़ो यात्रा के सार और महत्व को कभी नहीं समझ सकते हैं, जिसका उद्देश्य देश को नफरत और विभाजन की राजनीति के खतरों से बचाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि केटीआर न तो विभाजनकारी राजनीति के खतरों को भांपने में सक्षम हैं और न ही वह सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ एकता के महत्व को समझते हैं। टीआरएस नेता चुनाव और दलबदल से परे नहीं सोच सकते हैं। जब केटीआर के केंद्र में भाजपा सरकार के उनके फोन टैप करने के आरोप पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो शब्बीर अली ने कहा कि टीआरएस उसी दवा का स्वाद ले रही है जो उसने तेलंगाना में विपक्षी नेताओं को दी थी। टीआरएस सरकार ने अवैध फोन टैपिंग का सहारा लिया और विपक्षी नेताओं, विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी से जुड़े लोगों की गतिविधियों पर जासूसी की। स्थिति इतनी खराब थी कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कुछ मंत्रियों सहित टीआरएस नेताओं पर कड़ी नजर रखी। जब मैंने सार्वजनिक मुद्दों पर प्रतिनिधित्व करने के लिए कुछ मंत्रियों को बुलाने की कोशिश की। शब्बीर अली ने कहा कि यह हास्यास्पद लगता है जब केटीआर केंद्र में भाजपा सरकार द्वारा पेगासस सॉफ्टवेयर के माध्यम से फोन टैपिंग की शिकायत करते हैं। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस ने पेगासस मुद्दे पर केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया तो टीआरएस मूकदर्शक बनी रही।

पैसों के लिए बिक गए राजगोपाल : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी जगदीश रेड्डी ने आरोप लगाया कि पूर्व विधायक कोमातीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को पैसे के लिए बेचा गया है और उन्होंने लगभग 22,000 करोड़ रुपये का अनुबंध प्राप्त करने के बाद पार्टी को कांग्रेस से भाजपा में बदल दिया है।

शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री जगदीश रेड्डी ने कहा कि मुनुगोडे विधानसभा क्षेत्र के लोग उपचुनाव की इच्छा नहीं रखते हैं और चुनाव राजगोपाल रेड्डी के लालची स्वभाव के कारण आने के लिए मजबूर किया गया है, जिन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए थे।

जगदीश रेड्डी ने आरोप लगाया कि एक निजी साक्षात्कार में, राजगोपाल रेड्डी ने खुले तौर पर स्वीकार किया था कि वह पिछले तीन वर्षों से भाजपा के संपर्क में थे और उन्हें छह महीने पहले अनुबंध मिला था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते समय भाजपा के संपर्क में रहना बिलकुल गलत है, इसलिए राजगोपाल के पास कोई नैतिकता नहीं बची है। उनके पास निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए कोई प्यार और स्नेह नहीं है और पूरी तरह से धन इकट्ठा करने के लिए भाजपा में शामिल हो गए हैं। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) राजगोपाल रेड्डी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से संपर्क करने की योजना बना रही थी कि वह संपर्क प्राप्त करने के बाद भाजपा में शामिल हो गए हैं।

CLASSIFIEDS

WANTED

WANTED Physical, Maths, Deeniyath, Lady Teachers for High and Primary School. deserving Salary will be given. Contact : Anjuman High School (E/M), Musheerabad, Hyd. Ph : 9032643625, Email : atces1970@gmail.com (Ro. No. 2745335)

CHANGE OF NAME

I, SAFDAR ALI, R/o.H.No.9-8-109/A/4, Saleh Nagar, Golconda, Hyderabad, T.S.Have changed my Name as MOHAMMED SAFDAR ALI.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

आदमखोर बाघ को चार गोली मारी

अफसरों के सामने पोस्टमॉर्टम से लेकर अंतिम संस्कार शव का नामोनिशान नहीं छोड़ेगा प्रशासन

पटना, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। बगहा में 9 इंसानों की जान लेने वाले आदमखोर बाघ को मार गिराया गया है। उसकी 26 दिन से तलाश हो रही थी। शनिवार को उसे गोवर्धन थाना इलाके के बलुआ गांव के खेत में घेरा गया। इसके बाद शूटर्स ने उसे 4 गोलियां मारीं। अब बड़ा सवाल है कि बाघ की डेड बॉडी का क्या किया जाएगा। आदमखोर बाघों के लिए एनटीसीए ने एसओपी जारी किया है।

जानिए क्या है एसओपी और बाघ के अंतिम संस्कार के लिए क्या क्या बनाए गए हैं नियम

आदमखोर बाघ की मौत के बाद उसका नामोनिशान मिटा दिया जाता है। इसके लिए जो एसओपी बनाई गई है, उसमें बाघ का पहले पोस्टमॉर्टम कराया जाता है। इसके बाद पंचनामा की कार्रवाई होती है। फिर उसे अफसरों की मौजूदगी में जलाया जाता है। आग के हवाले तब तक किया जाता है जब तक उसका पूरा नामोनिशान नहीं मिट जाता है। पोस्टमॉर्टम के लिए पूरी टीम गठित की जाती है। इसके अलावा फील्ड निदेशक की उपस्थिति या एक प्राधिकृत अधिकारी जो उप वन संरक्षक के पद से नीचे का न हो उसकी मौजूदगी में ही अंतिम संस्कार किया जाता है।

शव को जलाने की होगी वीडियोग्राफी

बाघ के शव को जलाने के दौरान पूरी वीडियोग्राफी कराई जाती है। इस दौरान सामाजिक संस्था का प्रतिनिधित्व करने वालों को भी रखा जाता है। फोटोग्राफ और वीडियोग्राफी के साथ साइट छोड़ने से पहले यह सुनिश्चित करना होता है कि बाघ की हड्डियां सहित शव पूरी तरह से जल चुका है। बाघ के शव को जलने के बाद निपटान पर एक 'पंचनामा (मेमो) तैयार किया जाता है। इस पर पोस्टमॉर्टम करने वाली टीम और प्रभारी अधिकारी द्वारा विधिवत हस्ताक्षर किया जाता है। इसके बाद एक अंतिम रिपोर्ट को एनटीसीए को सूचित करते हुए सहायक तस्वीरों के साथ भेजा जाता है।

शव को जब्त करने के बाद जांच

बाघ के शव को जब्त करने के बाद उसकी पूरी तरह से जांच की जाती है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि वह बाघ वही है जो मानव जीवन के लिए खतरा बना था। शरीर के अंगों की जब्ती के बाद एनटीसीए द्वारा जारी एसओपी का पालन किया जाता है। बाघ के पैरों के निशाना के बाद एक्सपर्ट की टीम को यह यकीन हो गया कि वो गन्ने के खेत में छिपा है। इसके बाद उस खेत की चारों ओर से जाल के माध्यम से घेराबंदी की गई। इसके बाद राइफल से लैस टीम हाथी पर सवार होकर गन्ने के खेत के अंदर गई। वहां पहुंचते ही बाघ पर टीम की नजर गई और उस पर फायरिंग की गई। टीम ने बाघ को 4 गोली मारी। इसमें से दो गोली उसे लगी और बाघ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

पिता के डर से जंगल में नहीं जाता था आदमखोर

इसके बाद यह बाघ हड़नाटांड, चिउटाहा में गन्ने के खेतों के साथ-साथ वीटीआर डिवीजन के राघिया और गोबरधना वन रेंज में लगातार मूवमेंट कर रहा है। हालांकि, इसने कई दफा जंगल में जाना चाहा, लेकिन पिता के डर से अंदर नहीं गया। इसके बाद बाहर ही भोजन की तलाश करने लगा। इसी दरमियान आदमी को पहला शिकार बनाया। इसके बाद एक के बाद एक आदमी का शिकार शुरू कर दिया।

ललन सिंह लड़ेंगे मोकामा में अनंत सिंह की पत्नी से चुनाव

जेडीयू से बीजेपी में जाने की अटकल!

पटना, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियाज मोस्ट वांटेड टीवी सीरीज में दिखने से चर्चा में आए बाहुबली ललन सिंह मोकामा में अनंत सिंह की पत्नी के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले हैं। कभी लोजपा नेता सूरजभान सिंह के साथ साए की तरह रहने वाले ललन सिंह अभी जेडीयू में हैं और चर्चा है कि वो नीतीश कुमार की पार्टी से इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। मोकामा सीट पर अनंत सिंह के बाहुबल से लड़ने के लिए बीजेपी भी एक दबंग नेता खोज रही थी जो उसे भाजपा में मिल नहीं रहा। कहा जा रहा है कि बीजेपी ललन सिंह को अपना कैंडिडेट बनाकर अनंत सिंह और आरजेडी जेडीयू के महागठबंधन को कड़ा चुनावी मुकाबला देने के मूड में हैं। ललन सिंह अंडरवर्ल्ड से लेकर राजनीति के मैदान में अनंत सिंह के खिलाफ लगातार लड़ते रहे हैं। चर्चा है कि ललन सिंह शनिवार को ही जेडीयू छोड़कर बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। महागठबंधन ने जहां अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी को मोकामा सीट पर उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया है, वहीं बीजेपी ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। बीजेपी को मोकामा में किसी मजबूत उम्मीदवार की जरूरत है, वो ललन सिंह हो सकते हैं।

अनंत सिंह को टक्कर दे चुके हैं ललन सिंह

मोकामा विधानसभा सीट पर ललन सिंह उर्फ नलिनी रंजन शर्मा पहले अनंत सिंह को टक्कर दे चुके हैं।

2005 में उन्होंने अनंत सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ा था। ये मुकाबला कांटे का रहा था, लेकिन ललन सिंह को महज 2 हजार वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। 2010 के चुनाव में ललन सिंह की पत्नी सोनम देवी ने अनंत सिंह के खिलाफ ताल ठोकी थी।

सपा संरक्षक के लिए शुरू की दंडवत प्रणाम यात्रा

वाराणसी में सपा कार्यकर्ता बोले- जब तक नेताजी स्वस्थ नहीं होंगे, रोजाना ऐसे ही जाऊंगा मंदिर

वाराणसी, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव एक हफ्ते से आईसीयू में वेंटिलेटर पर हैं। उनके स्वास्थ्य में जल्द सुधार हो और वह फिर अपने कार्यकर्ताओं के बीच हों, इसके लिए जगह-जगह पूजा-पाठ और दुआओं का सिलसिला जारी है। वाराणसी के सीरगोवर्धनपुर गांव निवासी सपा कार्यकर्ता अजय फौजी ने शनिवार से दंडवत प्रणाम यात्रा शुरू की है।

अजय फौजी ने कहा, हमारे घर से चौरा माता का प्राचीन मंदिर लगभग दो किलोमीटर दूर है। हमने संकल्प लिया है कि जब तक हमारे नेताजी स्वस्थ नहीं हो जाते हैं, तब तक रोजाना घर से दंडवत प्रणाम करते हुए चौरा माता मंदिर तक जाऊंगा।

मैं छोटा था तो गोद में बैठाए थे

अजय फौजी ने कहा कि वह समाजवादी पार्टी के छोटे से सिपाही हैं। बताया, मैं जब बच्चा था तो नेताजी खिड़किया घाट पर आए थे। उस दौरान उन्होंने हमें अपनी गोद में बैठा कर सपा का सदस्य बनाया था। उसी दिन से उनके प्रति मेरे मन में अगाध प्रेम और सम्मान है।

उन्होंने कहा, नेताजी ऐसी शख्सियत हैं जो कभी छोटे-बड़े का भेद नहीं करते हैं। वह सबसे एकसमान प्रेम करते हैं। अभिभावक के जैसे ऐसे मार्गदर्शक के लिए जो कुछ भी हमसे हो सकता है वह हम करेंगे।

अजय फौजी ने कहा कि मैं नेताजी के लिए जीता हूं और उनके लिए मैं मर भी सकता हूं। अगर पार्टी का शीर्ष नेतृत्व चाहे तो मैं लिखित देने को तैयार हूं कि मेरा शरीर नेताजी को समर्पित कर दिया जाए। नेताजी का जल्द स्वस्थ होना बहुत जरूरी है।

वह हम जैसे लाखों युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत और आदर्श हैं। पूरी उम्मीद है कि चौरा माता हमारी प्रार्थना पर ध्यान देंगी और हमारे नेताजी स्वस्थ होकर एक बार फिर हम सबके बीच होंगे।

भागलपुर के बटेश्वर स्थान में घूम रहा विशालकाय मगरमच्छ

गंगा घाट पर जाने से डर रहे लोग

भागलपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की नदियों में कई जगहों पर मगरमच्छ मिलने से लोगों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। भागलपुर में एकबार फिर से मगरमच्छ से लोगों के बीच खौफ है। पहले सुल्तानगंज के अजगैवीनाथ गंगा घाट पर मगरमच्छ घूमते रहे। अब कहलगांव के बटेश्वर स्थान के पास गंगा में मगरमच्छ को तैरते देख लोगों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। बटेश्वर स्थान गंगा घाट पर रोज भारी तादाद में लोग पहुंचते हैं और गंगा में डूबती लगाते हैं। मगरमच्छ मिलने की चर्चा सोशल मीडिया पर भी लोगों के बीच बनी हुई है।

शुक्रवार को बटेश्वर स्थान में पंजाबी घाट से सीढ़ी घाट के पास एक विशालकाय मगरमच्छ को पानी में तैरता देखा गया। गंगा की धार में शुक्रवार को स्थानीय मछुआरों ने देखा। मछुआरे फुचाय सहनी व उदय सहनी ने बताया कि उन लोगों ने मगरमच्छ को पकड़ने का काफी प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सीढ़ी घाट के पास मगरमच्छ को देखकर गंगा स्नान कर रहे श्रद्धालुओं में भी हड़कंप मच गया।

गंगा में उतरने से डर रहे लोग

मगरमच्छ ने सुल्तानगंज में एक व्यक्ति पर हमला बोल दिया था जब वो नदी में स्नान करने उतरा। इस वजह से लोग अब बटेश्वर स्थान में भी गंगा में उतरने से डर रहे हैं। लोग ना तो स्नान करने की हिम्मत लोग जुटा पा रहे हैं और ना ही जल भरने के लिए नजदीक जाने की हिम्मत लोगों में है। बटेश्वर स्थान स्थित पंजाबी घाट से सीढ़ी घाट तक वह दिनभर कई बार पानी की सतह से ऊपर आता फिर अंदर चला जाता। पिछले चार-पांच दिनों से वह यहां है।

क्या बिहार सीएम ने प्रशांत किशोर को बुलाया था?

नीतीश का जवाब-हम नहीं बुलाए, खुद ही आया था

पटना, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रशांत किशोर के दावे पर पलटवार किया है। नीतीश कुमार ने शनिवार को मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि प्रशांत किशोर को हमने मिलने के लिए नहीं बुलाया था, वह खुद ही आए थे। उन्होंने कहा, वो जो मर्जी करे बोलते रहें, हमसे मतलब नहीं। इन लोगों को कोई ठिकाना नहीं है। आज कल बीजेपी में गए हैं, उसी हिसाब से काम कर रहे हैं।

दरअसल, पिछले दिनों जन सुराज पदयात्रा के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा था कि 10-15 दिन पहले नीतीश कुमार ने मुझे अपने आवास पर बुलाया था और पार्टी का नेतृत्व करने के लिए कहा था, लेकिन मैंने इसके लिए मना कर दिया। प्रशांत के इस दावे के बाद बिहार की राजनीति में एक बार फिर से भूचाल आया गया था।

नीतीश बोले- कांग्रेस में विलय की कर रहे थे बात

इधर, नीतीश कुमार ने कहा कि एक समय था जब प्रशांत किशोर मेरे साथ, मेरे घर पर रहते थे। उनके बारे में हम अब क्या बालें, उनको जहां जाना है जाएं, हमसे मतलब नहीं। नीतीश ने कहा, एक बार प्रशांत मेरे पास आए थे और पार्टी को कांग्रेस में विलय के लिए कह रहे थे, मैंने मना कर दिया। उन्होंने कहा, इन लोगों को कोई ठिकाना नहीं। आज भाजपा के साथ हैं कि कहीं केंद्र में जगह मिल जाए। इसीलिए ये हम सब का विरोध कर रहे हैं।

2018 में जदयू के साथ थे प्रशांत

प्रशांत किशोर 2018 में जदयू में शामिल हुए थे। तब वह पार्टी नेतृत्व के साथ काम कर रहे थे। कुछ ही हफ्तों बाद उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया था। हालांकि, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को लेकर तकरार के कारण सालभर से भी कम समय में उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

चलती बाइक में लगी आग

80 फीसदी झुलसा युवक, झाड़ियों में जाकर बचाई जान

सीतापुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीतापुर में एक चलती बाइक में अचानक आग लग गई। हादसे में बाइक सवार युवक बुरी तरह से झुलस गया। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। उधर, घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी स्थिति गंभीर है। डॉक्टरों ने उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर के लिए रेफर किया है। चिकित्सकों ने बताया कि वह 80 फीसदी तक झुलसा है।

हादसा महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के पास हुआ है। तेतारपुर गांव के रहना वाला विनय कुमार (27) कल रात हादसे का शिकार हो गया। विनय के मामा का घर महमूदाबाद में है। कल रात वह मामा के घर से अपने घर तेतारपुर लौट रहा था। रात करीब 11 बजे वह सिधौली-महमूदाबाद मार्ग पर कासा मोड़ के निकट पहुंचा। तभी अचानक से उसकी बाइक में आग लग गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग लगते ही पेट्रोल की वजह से बाइक धू-धूकर जलने लगी। विनय को बाइक को रोकने का मौका नहीं मिला। आग ने उसे भी अपनी चपेट में ले लिया। जिससे वह झुलस गया। फिर उसने किसी तरह बाइक रोकी। बताया जा रहा है कि इस बीच करीब एक मिनट तक वह झुलसता रहा।

ट्रामा सेंटर में चल रहा इलाज

स्थानीय लोगों ने बताया, बाइक सवार युवक ने आग से छुटकारा पाने के लिए हरी झाड़ियों का सहारा लिया। उसने बाइक रोकी फिर झाड़ियों में चला गया। तब जाकर उसे आग से आराम मिला। उसके शरीर पर लगी आग बुझी। लोगों ने फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची ब्रिगेड की टीम ने बाइक में लगी आग को बुझाया। यहां सीएचसी में युवक का प्राथमिक उपचार हुआ, लेकिन वह बुरी तरह से झुलस गया था। डॉक्टरों ने विनय की हालत गंभीर देखते हुए उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। डॉक्टरों का कहना है कि युवक 80 फीसदी तक जल चुका है। उसकी हालत बेहद गंभीर है। फायर ब्रिगेड कर्मियों का कहना है कि बाइक में आग लगने का कारण संभवत शॉर्ट सर्किट होना है। सीओ रवि शंकर प्रसाद का कहना है कि युवक की बाइक में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगे होने की आशंका है। युवक की हालत बेहद गंभीर है।

लखनऊ ट्रामा सेंटर में उसका इलाज चल रहा है। परिजन भी लखनऊ ही पहुंचे हैं। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने संभाला कार्यभार

लखनऊ, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी समेत सभी प्रांतीय अध्यक्षों ने शनिवार को कार्यभार संभाल लिया। इस मौके पर यूपी कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। खाबरी ने कार्यभार संभालने से पूर्व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यभार संभालते ही पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष को गले लगाकर बधाई दी। इसके पहले कार्यभार ग्रहण करने को लेकर शुक्रवार को दिन भर पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर तैयारियां चलती रहीं। खाबरी के लखनऊ की सीमा में प्रवेश करने पर उनका जगह-जगह स्वागत किया गया।

बिजनेस के बहाने फोन कर लड़के को फंसा रही थी दो महिलाएं

हनी ट्रैप के डर से लड़के ने किया ये काम

रामपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद के एक युवक ने पिछले दिनों एसपी से शिकायत की थी कि रामपुर की दो महिलाओं ने फोन के जरिए बिजनेस करने के बहाने से उसे घर पर बुलाया। घर पर बुलाकर उसे ब्लैकमेल किया और रंगदारी मांगने लगे। इस बीच एक पुलिस की वर्दी पहने युवक ने धमकाया। इस मामले की शिकायत पर पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। तफ्तीश के बाद गंज व कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली दो महिलाओं को पकड़ लिया। गंज थाना प्रभारी सुरेंद्र पचौरी के मुताबिक आरोपी महिलाओं में एक महिला हाल निवासी थाना कोतवाली तथा दूसरी महिला थाना गंज क्षेत्र की रहने वाली है। उनके मुताबिक गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से आपराधिक घटनाओं में शामिल एक कार, आई-10 व दो मोबाइल एंड्रॉयड बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक इन लोगों ने साथियो को फर्जी पुलिस वाले बनाकर उसकेसाथ मारपीट, रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया है। उनके मुताबिक उपरोक्त महिलाएं एवं अन्य पुरुष अभियुक्त का एक संगठित गिरोह है जो नये-नये नवयुवकों को हनी ट्रैपिंग में फंसाकर अपने पास बुलाते है और उनकी विडियो आपत्तिजनक विडियो बनाकर एवं काल डिटेल के आधार पर प्रताड़ित कर रंगदारी मांगते है। हनीट्रैप एक ऐसी स्थिति है जिसमें किसी को अनैतिक या अवैध यौन व्यवहार में फंसाया जाता है ताकि उनके व्यवहार को सार्वजनिक रूप से उजागर किया जा सके। ऐसे में लड़के को डर था कि महिलाएं उसे हनी ट्रैप में फंसा देंगी। इसी डर में उसने पुलिस के पास जाकर शिकायत दर्ज करवाई और पुलिस ने सख्ती से कार्रवाई करते हुए महिलाओं को अरेस्ट किया।

फरार पूर्व मंत्री कार्तिक कुमार सिंह खुलेआम कर रहे अनंत सिंह की पत्नी का प्रचार

पटना, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मंत्री कार्तिक कुमार उर्फ कार्तिकेय सिंह के खिलाफ अपहरण केस में फरार हैं। पटना पुलिस को उनकी तलाश है। दूसरी ओर कार्तिक कुमार खुलेआम घूमते हुए नजर आ रहे हैं। हाल ही में उनकी कुछ तस्वीरें सामने आईं जिनमें वो दशहरा पर लोगों से मुलाकात करते हुए नजर आ रहे हैं। मोकामा उपचुनाव में आरजेडी उम्मीदवार और बाहुबली नेता अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी के प्रचार में भी कार्तिक कुमार नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में नीलम सिंह के काफिले में कार्तिक कुमार को देखा गया। बताया जा रहा है कि वे उपचुनाव में अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी के समर्थन में प्रचार भी कर रहे हैं। उनकी नीलम के साथ एक तस्वीर भी वायरल हो रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि कार्तिक कुमार सिंह की जमानत याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई होनी है। अगर उन्हें जमानत नहीं मिलती है, तो कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी होगा, इसके तुरंत बाद पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर लेगी। बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद कार्तिक कुमार सिंह को नीतीश कैबिनेट में कानून मंत्री बनाया गया था। अपहरण केस में उनके खिलाफ वारंट निकला हुआ था, इसके बावजूद उन्होंने मंत्री पद की शपथ ली। इस पर विवाद होने के बाद उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। पिछले महीने पटना पुलिस ने कार्तिक कुमार सिंह के पटना और मोकामा स्थित ठिकानों पर छापेमारी की थी।

शादी का झांसा देकर छात्रा का धर्म बदलवाया, बंधक बना एक महीने तक किया शारीरिक शोषण

लखनऊ, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। चारबाग इलाके में एक बैंक के चतुर्थश्रेणी कर्मचारी ने शादी का झांसा देकर छात्रा को जाल में फंसाया। फिर लखनऊ से कानपुर लेकर जाकर धर्म परिवर्तन कराया। विरोध पर बंधक बनाकर एक महीने तक शारीरिक शोषण किया। छात्रा के पिता ने नाका थाने में शिकायत की। इसके बाद कानपुर में दबिश देकर पुलिस ने छात्रा को मुक्त कराया, लेकिन आरोपी भाग निकला था। पुलिस ने लखनऊ से आरोपी जियाउद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा के मुताबिक, आरोपित जियाउद्दीन सिद्दीकी मूलरूप से बांदा का रहने वाला है। वह इस समय बेकनगंज में हलीम कंपाउंड परेड पर किराए पर रह रहा था। नाका के अतिरिक्त निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि एक साल पहले जियाउद्दीन चारबाग स्थित एक बैंक में तैनात था।

लगातार बारिश और नेपाल से आए सैलाब से सरयू में उफान

बहराइच के 30 गांव घिरे

बहराइच, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के तराई क्षेत्र में 48 घंटे लगातार हुई बारिश और नेपाल से आए सैलाब से सरयू उफान पर है। बहराइच की नानपारा तहसील के 30 गांव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। घरों में पानी घुस जाने से लोग छतों पर ठौर लिए हुए हैं। चूल्हा न जल पाने से लोग भूखे पेट प्रशासन से मदद की उम्मीद लगाए हुए हैं। खासकर छोटे बच्चों को लेकर प्रभावित लोग परेशान हैं। प्रभावित गांवों तक मदद पहुंचाने के लिए तहसील प्रशासन की ओर से सात नावें लगाई गई हैं। प्रधानों को भोजन के बंदोबस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

नानपारा तहसील में सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। देर रात तक जलस्तर बढ़ने को देखते हुए बाढ़ राहत चौकियों को अलर्ट कर दिया गया है। वर्तमान में सरैया, माघी, महोली शेर खां, नरायनपुर, मटिहा, बंजरिया, पतरहिया, वितनिया, सोहबतिया, नेवादा पूरेकस्बाती, रायगंज, रामपुर धोबियाहार पिपरिया, बलदूपुरवा, एकघरा गांव सरयू के बाढ़ का पानी घुस गया है। 36 घंटे से लोग घरों में कैद हैं। घर के अंदर बाढ़ का पानी भरा हुआ है, तो ऊपर से रुक-रुककर हो रही बारिश से प्रभावित गांव के लोग दोहरी मुसीबत झेल रहे हैं। कई गांवों का तहसील मुख्यालय से संपर्क कट गया है। इन गांवों तक पहुंचने के लिए प्रशासन की ओर से नावों का बंदोबस्त किया गया है। हालांकि पानी का तेज बहाव होने के कारण राहत व बचाव कार्य में देरी हो रही है। नेवादा पूरेकस्बाती के ग्राम प्रधान बुद्धि लाल वर्मा ने बताया कि गांव में पानी आ गया है। सरैय्या गांव के पूर्व जिला पंचायत सदस्य अमर नाथ ने बताया कि पानी की धारा चल रही है, जिससे गांव जलमग्न हैं।

छोटे पुरवा घुरहवा, लोधनपुरवा, तकिया गांव पानी से घिरा है, आवागमन बंद है।

बहराइच में एसडीएम ने लिया जायजा, सात नावें लगाईं

एसडीएम नानपारा अजीत परेश ने गांव पहुंच कर बाढ़ का जायजा लिया। सरयू नदी का जलस्तर 133.78 सेंटीमीटर है। पानी बढ़ रहा है। 135 तक पहुंच जायगा, तो स्थित भयावह हो सकती है। नायब तहसीलदार बलहा मनीष वर्मा को सरैया गांव में भेजा गया है। अब तक सात नावें लगाई गई हैं। तहसीलदार नानपारा पीयूष श्रीवास्तव ने बताया बाढ़ चौकी स्थापित कर दी गई है। लेखपालों को गांवों में प्रधानों के संपर्क में रहकर प्रभावित लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

दुराचारी की हालत ऐसी कर दो, किसी लायक न बचे

सीएम बोले- पुलिस अधिकारी के गलत काम की शिकायत मिली तो किसी को भी छोड़ूंगा नहीं

भोपाल, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान एक बार फिर एक्शन में दिखे। शनिवार को उन्होंने प्रदेश में कानून के हालातों पर मीटिंग की। पुलिस अफसरों को चेताया- प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार को ध्वस्त कर दें। ड्रग्स या अवैध शराब बिकी तो एसपी जिम्मेदार होंगे। प्रदेश में कहीं भी हुक्का लांज न चले। इनफार्मर को रिवॉर्ड देने की स्कीम भी शुरू होगी। उन्होंने डीजीपी, आईजी, एसपी और कलेक्टरों से कहा कि करप्शन के मामले में जीरो टॉलरेंस है। अपने भी लोग छांटे लें, जो गड़बड़ कर रहे हैं। इंदौर में मुझे शिकायत मिली है। किसी ने गलत काम किया तो उसे छोड़ूंगा नहीं। जरूरत पड़ी तो ईओडब्ल्यू के छापे भी पड़ेंगे। शिवराज ने एक बार फिर दोहराया कि प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार को पूरी तरह से ध्वस्त

करना है। स्कूल, कॉलेज के आसपास, छोटी-छोटी दुकानों पर ड्रग्स की शिकायत मिलती है। यह युवा पीढ़ी को खोखला करने का षड्यंत्र है। इससे हमें युवा पीढ़ी को बचाना है। इसलिए इनफॉर्मर एक्टिव करें। इन्हें संरक्षण देने वाले कौन हैं। इनके तार कहां जुड़े हैं। यह जानने के लिए इंटेलिजेंस का भी प्रयोग करें।

एमपी में फिर चलेगा अभियान

नशे के अवैध कारोबार को लेकर सीएम ने कहा कि पहले चरण में अभियान चलाए। एक से ज्यादा राज्यों से भी तार जुड़े हो सकते हैं। दूसरे चरण में कार्रवाई के बाद भी किसी जिले में ड्रग्स का, अवैध शराब की बिकवाली होगी तो सहन नहीं किया जाएगा। आरोपी पकड़े जाने पर एसपी, थानेदार और ऊपर के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। उन पर एक्शन लेंगे। हुक्का लाउंज कई तरह की ऐसी गतिविधियां कर रहे हैं, जो बच्चों को गलत दिशा में ले जा रहे हैं। हुक्का लाउंज के नाम पर कुछ भी गड़बड़ हो, ये हम होने नहीं देंगे। कहीं, हुक्का लाउंज न चले, तत्काल बंद हों।

गड़बड़ी करने वालों की लिस्ट बनेगी

सीएम ने डीजीपी से लेकर कलेक्टर-एसपी तक को उन अधिकारी-कर्मचारियों की लिस्ट बनाने को कहा, जो गड़बड़ कर रहे हैं। कहा कि कल इंदौर में शिकायत मिली। ये इजाजत नहीं दे सकते कि कोई पुलिस अधिकारी गलत काम करे। उन पर तत्काल कार्रवाई करें। हम इसलिए नहीं बैठे कि कोई डरा-धमकाकर गैरकानूनी काम करे। आप ऐसी लिस्ट बना लीजिए। यह एडीजी का काम है। मुझे रिपोर्ट कीजिए। जरूरत पड़ने पर ईओडब्ल्यू के छापे भी पड़ेंगे। वहीं, अच्छा काम करने वालों की पीठ थपथपाएंगे।

पुलिस बीट सिस्टम पर कहा- जल्दी इन्फॉर्मेशन मिले

सीएम ने पुलिस बीट सिस्टम को और भी एक्टिव करने को कहा। कहा कि बीट की व्यवस्था ऐसी हो कि जल्दी इन्फॉर्मेशन मिल जाए। स्कूल-कॉलेज के आसपास से लेकर आप इन्फॉर्मेशन जुटाइए और कार्रवाई कीजिए।

दुराचारी बख्शे नहीं जाएंगे

मीटिंग में शिवराज ने कहा कि दुराचारी किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। बुलडोजर चलने चाहिए, क्योंकि ऐसे लोगों को जब तक तबाह नहीं करेंगे, तब तक ये मानते नहीं हैं। अगर कोई बहन-बेटी के साथ दुराचार करें तो तबाह करना, छोड़ना नहीं। इस लायक भी नहीं रहने देना कि दोबारा वह इस बारे में सोचें। घर से निकलते हैं तो छेड़छाड़ की कई घटनाएं होती हैं। पीकर वाहन चलाना भी अपराध है। इन सबका पहले से प्रावधान है। इसका प्रभावी उपयोग करें।

एक दिन पहले ही उमा भारती ने घर छोड़ने की घोषणा की

एक दिन पहले ही प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने 7 नवंबर से घर छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि नई शराब नीति जब तक नहीं बन जाती, तब तक वे घर में नहीं रहेंगी। इसके एक दिन बाद ही मुख्यमंत्री चौहान ने बड़ी मीटिंग बुलाई।

केंद्र सरकार का दावा

न्यूमोकोकल वैक्सीन की कमी की खबर बिल्कुल झूठी और भ्रामक, हमारे पास पर्याप्त खुराक

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि हाल ही में न्यूमोकोकल वैक्सीन की कमी को लेकर मीडिया में जो खबरें चलाई गईं वे बिल्कुल झूठी और भ्रामक थीं। बिना किसी तथ्य के इस खबर को अभी भी परोसी जा रही है। सरकार ने कहा कि हमारे पास पर्याप्त खुराक उपलब्ध है। सरकार ने कहा कि सात अक्टूबर 2022 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पीसीवी वैक्सीन की पर्याप्त खुराक उपलब्ध है। पीसीवी (न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन) की कुल 70,18,817 (70,18 लाख) खुराक सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास उपलब्ध हैं। इसमें महाराष्ट्र के साथ पीसीवी की 3,01,794 (3,01 लाख) खुराक शामिल है। इसके अलावा, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य प्रबन्धन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2022 से सितंबर 2022 की अवधि में, केंद्र सरकार द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आपूर्ति की गई पीसीवी की कुल 3,27,67,028 (3,27 करोड़) खुराकों का उपयोग किया गया है। इसमें महाराष्ट्र राज्य में उपयोग की जाने वाली पीसीवी की 18,80,722 (18,80 लाख) खुराकें भी शामिल हैं।

क्या थी मीडिया रिपोर्ट

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि निविदा की प्रक्रिया में देरी के कारण देश भर में एक महीने से अधिक समय तक लाखों बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न हुई है। यह समाचार रिपोर्ट भ्रामक एवं असत्य होने के साथ ही गलत जानकारी भी प्रदान करती है।

वर्ष 2022-23 के लिए आपूर्ति भी शुरू कर दी गईः स्वास्थ्य मंत्रालय

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वर्ष 2022-23 के लिए पीसीवी की खरीद में से राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इसकी आपूर्ति भी शुरू कर दी गई है। निमोनिया रोग बाल मृत्यु दर के प्रमुख कारणों में से एक है और भारत सरकार ने इस समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सक्रियता से कदम उठाए हैं। न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी) को वर्ष 2017 में भारत के सबसे अधिक प्रभावित पांच राज्यों जैसे बिहार, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

इसके बाद से ही सार्वभौम प्रतिरक्षण कार्यक्रम (यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम–यूआईपी) के तहत पीसीवी का पूरे देश में विस्तार किया गया है। पीसीवी अब भारत के सार्वभौमिक प्रतिरक्षण कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग है और 02 करोड़ 71 लाख शिशुओं के पूरे जन्म समूह के लिए निशुल्क उपलब्ध है। इसे तीन खुराक के कार्यक्रम (6 सप्ताह,14 सप्ताह और 9-12 महीने में बूस्टर डोज) के रूप में दिया जाता है।

पंजाब में 29 साल का युवक बना खालिस्तानी समर्थक, कांग्रेस और बीजेपी ने जताई चिंता

चंडीगढ़, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब में 'वारिस पंजाब दे' संगठन की कमान एक 29 साल के युवा और जरनैल सिंह भिंडरांवाले का समर्थक अमृतपाल सिंह संधू द्वारा संभालने के बाद विवाद गहराता जा रहा है। यह संगठन अभिनेता संदीप सिंह उर्फ दीप सिद्धू का है, जिसकी कुछ महीने पहले रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। वह 26 जनवरी, 2021 को लालकिले पर हुए उपद्रव के मामले में प्रमुख आरोपी भी था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अमृतपाल की कथित संदिग्ध गतिविधियों पर चिंता व्यक्त करते हुए, जहां पंजाब सरकार को पत्र लिखकर सतर्क रहने को कहा है, वहीं अब राजनीतिक दलों ने भी इस पर चिंता व्यक्त की है। कांग्रेस ने सरकार को आगाह करते हुए कहा है कि पंजाब हिंसा और रक्तपात का एक और युग बर्दाश्त नहीं कर सकता। दरअसल अमृतपाल की राजनीति को खालिस्तान समर्थक कहा जा रहा है। हाल ही में उसकी गतिविधियों का देखते हुए सरकार ने उसके ट्विटर अकाउंट पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। 'वारिस पंजाब दे' संगठन की कमान संभालते हुए अमृपाल ने कहा था, 'हम सब पंजाबी अब भी गुलाम हैं। जो लोग सोचते हैं कि हम आजाद हैं, उन्हें डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। हमें आजादी के लिए लड़ना होगा। हमारा पानी लूटा जा रहा है। हमारे गुरु का अपमान किया जा रहा है। बेअदबी करने वालों को न तो पुलिस के हवाले किया जाएगा और न ही अदालतों में भेजा जाएगा। ओहदा सोदा लगुगा यानी हम उन्हें दंडित करेंगे।' इस बीच उसके समारोह में लगातार खालिस्तान समर्थक नारे लगते रहे। 29 सितंबर को अमृतपाल की माजूदगी में एक सभा में प्रस्ताव भी पारित किया गया था, जिसमें सरकार से भारत और विदेशों में खालिस्तान के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करने के लिए कहा गया था। यही वजह है कि पंजाब में एक बार फिर से खालिस्तानी आंदोलन तेज होने की आशंका जाहिर की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने आम आदमी पार्टी सरकार को ऐसी ताकतों के खिलाफ सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

आप लांघ रहे मर्यादा, केजरीवाल को 6 पन्नों का लेटर लिख बरसे एलजी; अरविंद का भी जवाब

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चिट्ठी लिखकर नाराजगी जाहिर की है। अपने खिलाफ इस्तेमाल किए जा रहे शब्दों को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए एलजी ने कहा है कि केजरीवाल और उनके मंत्री मर्यादा लांघ रहे हैं। 6 पेज के लेटर में एलजी ने कहा है कि मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी ना सिर्फ मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं, बल्कि संवैधानिक कर्तव्यों और शासन की जिम्मेदारियों से पीछे भाग रहे हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चिट्ठी को लेकर ट्वीट किया, "आज एक और लव लेटर आया है।" एलजी ने आप सरकार को विज्ञापन के सहारे चलने वाली सरकार बताते हुए कहा कि वह कमियों को उजागर करते हैं तो उनके खिलाफ झूठे और व्यक्तिगत आरोप लगाए जाते हैं। एलजी ने लिखा, "विज्ञापनों और भाषणों के बल पर चल रही आपकी शासन व्यवस्था जनहित के मौलिक कार्यों से पूरी तरह विमुख होती दिख रही है। अफसोस की बात यह है कि इन कमियों से अवगत कराते हुए इनके निवारण का अनुरोध किया तो आपने और आपके सहयोगियों ने उन विषयों पर जवाब न देकर न सिर्फ लोगों को गुमराह किया, बल्कि आदतन तथ्यहीन और व्यक्तिगत आक्षेप लगाए।" एलजी ने कहा है कि

जो भी मुद्दे उन्होंने उठाए हैं वे दिल्ली के आम नागरिकों की भलाई और सुशासन से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली के संवैधानिक अभिभावक के रूप में उनका यह कर्तव्य है। एलजी ने यह भी याद दिलाया कि संविधान और न्यायालयों की ओर से समय-समय पर दिए गए फैसले उन्हें इसके लिए सशक्त और बाध्य बनाते हैं। एलजी ने आबकारी नीति जांच के आदेश, फाइलों पर मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर की मांग से लेकर केजरीवाल के गांधी जयंती पर राजघाट नहीं पहुंचने समेत सभी मुद्दों का जिक्र करते हुए पूछा कि क्या ऐसा करने उन्होंने कोई अपराध किया है? एलजी ने कहा, "मालूम हो कि यह सारे कार्य प्रत्यक्ष रूप से आप और आपके अधीन विभागों के कार्यक्षेत्र से संबंधित हैं। अफसोस की बात यह है कि इन सभी मुद्दों पर संतोषजनक कार्रवाई करने या उचित जवाब देने के बजाय आप और आपके सहयोगियों ने ऐसे हर हथकंडे अपनाए जिससे गलतियां और कमियां सामने लाने वाले व्यक्ति पर बेहद आपत्तिजनक, अमर्मादित और झूठे आरोप लगा कर लोगों को मुद्दों से भटकाया जा सके। एलजी ने कहा है कि केजरीवाल और उनके सहयोगी सोची-समझी नीति के तहत बेबुनियाद और झूठे आरोप लगाते हैं। मीडिया के माध्यम से इन आरोपों को हवा देते हैं और फिर भाग खड़े होते हैं। जब तथ्य सामने आते हैं तो निर्लज्जता से माफी भी मांग लेते हैं। हालांकि, तब तक पब्लिक डोमेन में उस आरोपित व्यक्ति की अपूर्णीय क्षति और आपका राजनीतिक फायदा हो चुका होता है।

छेड़छाड़ करने वाले कांग्रेस विधायकों को पार्टी से बाहर करें

ऐसे नेता राजनीति को करते हैं बदनाम, विश्वास सारंग ने दिया ये बयान

भोपाल, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर में महिला के साथ ट्रेन में कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा और सुनील सराफ द्वारा किए गए छेड़छाड़ को लेकर सियासत तेज हो गई है। इसे लेकर मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने बड़ा बयान सामने आया है। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा छेड़खानी करने वाले दोनों विधायकों को कांग्रेस पार्टी से बाहर करे। ऐसे लोग प्रदेश की राजनीति को देश भर में बदनाम करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं कांग्रेस की संस्कृति को दर्शाती है। कांग्रेस ने खुद ही जांच दल का गठन कर लिया, जिसकी रिपोर्ट में क्या आएगा सब जानते हैं। और जांच करवाने का इतना ही दम है तो किसी सरकार की एजेंसी से जांच करवाए। कांग्रेस की मानसिकता इस कृत्य से साफ झलकती है। और कांग्रेस के किसी नेता ने इस घटना की निंदा नहीं की जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण

है। दरअसल यह घटना बीते शुक्रवार की बताई जा रही है। जहां आरोपी सिद्धार्थ कुशवाहा और सुनील सराफ ने इस घटना को अंजाम दिया। सिद्धार्थ और सुनील दोनों ही मध्य प्रदेश से कांग्रेस विधायक है। इस बात की पुष्टि सागर जिले के जीआरपी थाना प्रभारी पीके अहिरवार द्वारा की गई। पीड़ित महिला ने घटने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा और सुनील सर्राफा ने महिला के आरोप को गलत बताते हुए कहा कि उन्होंने महिला की मदद की थी और वह किसी भी जांच के लिए तैयार है। कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने कहा कि आरोप लगाने वाली महिला उनकी बर्थ पर सफर कर रही थी और उन्होंने महिला के नाते अपनी सीट महिला को दी थी। वहीं विवाद होने पर उन्होंने महिला को अपनी सीट पर जाने को कहा था। कांग्रेस विधायकों पर छेड़छाड़ का आरोप लगने के बाद अब भाजपा लगातार हमलावर नजर आ रही है।

भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भी घटना को दुर्भाग्यजनक बताते हुए कहा कि कांग्रेस विधायक शराब के नशे में जिस तरह महिला के छेड़छाड़ की इस पर कमलनाथ को जवाब देना चाहिए। भाजपा की सरकार में कानून का राज है और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। इधर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पार्टी के सबसे बड़े चुनाव से कोई मतलब नहीं है।

प्रेमी युगल ने किया सुसाइड,दोनों एमपी रोही गांव में पड़ोसी थे

फतेहाबाद, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद जिले के गांव एमपी रोही में शनिवार सुबह एक युवक और युवती एक प्लाट में फंदे पर लटके मिले। दोनों पड़ोसी थे और काफी समय से उनके बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक की शादी हो चुकी थी, लेकिन विवाद के बाद पत्नी ने उसे छोड़ कर दूसरी शादी कर ली थी, जहां उसकी मौत हो गई। अब युवती का रिश्ता भी परिवार ने तय कर दिया था। दोनों शादी करना चाहते थे और ऐसा होते न देख कर दोनों ने रात को घर से निकल कर ताऊ के कोठे में फंदा लगा लिया। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के बाद वारिसों को सौंप दिया गया है। बताया गया है कि गांव एमपी रोही में सुबह एक व्यक्ति अपने प्लाट में बने तूड़े के कोठे में गया तो वहां पर एक युवक और युवती का शव फंदे से लटक रहा था और उनकी मौत हो चुकी थी। उसने शोर मचाया तो ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। मृतकों की पहचान गांव की ही सरोज (24) और शंटी (25) के रूप में हुई।

शराब के नशे में छोटे भाई ने बड़े भाई की कुल्हाड़ी मारकर की हत्या

शहडोल, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के कोयलांचल नगरी धनपुरी में शराब के नशे में रिश्तों के कत्ल का मामला सामने आया है। यहां शराब के नशे में धुत्त छोटे भाई ने बड़े भाई को कुल्हाड़ी मारकर उसकी हत्या कर दी। दरअसल शराब नशे में दो भाइयों के बीच किसी बात को लेकर गाली-गलौच हो गई, विवाद इतना ज्यादा गहरा गया कि वहीं पास में रखी कुल्हाड़ी से छोटे भाई बड़े भाई की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्यारे भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला शहडोल के धनपुरी थाना क्षेत्र के कोयलांचल नगरी धनपुरी वार्ड नं 24 सरकारी टोला का है। जहां बड़े भाई जीवन की देर रात उसके छोटे भाई गनेषु ने कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी जैसे ही परिजनों को जानकारी हुई तो उन्होंने धनपुरी पुलिस को इसकी सूचना दी। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हत्यारे भाई के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ला (टीआई धनपुरी) ने बताया कि बीती रात 10 बजकर 30 मिनट पर सूचना मिली थी कि एक हत्या हो गई है। सूचना मिलने पर हम घटनास्थल पर पहुंचे, प्रथम दृष्टया दोनों भाइयों के बीच शराब के नशे में किसी बात को लेकर विवाद का मामला लग रहा है। किन कारणों से हत्या हुई है, इसका अभी पता नहीं चला है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है, शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

इलाज कराने आई थी महिला, कंपाउंडर संग मिल डॉक्टर ने किया गैंगरेप

ग्वालियर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक महिला के साथ डॉक्टर और कंपाउंडर के द्वारा गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने पुलिस से शिकायत की है कि इलाज के बहाने डॉक्टर ने उसे अपने निजी क्लीनिक पर बुलाया था। जब इलाज कराने के लिए महिला वहां पहुंची तो डॉक्टर और एक साथी ने मौके का फायदा उठाकर उसके साथ जबरदस्ती की और धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर और एक अन्य साथी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है डॉक्टर राजस्थान में पदस्थ है। पुलिस आरोपी डॉक्टर और एक अन्य साथी की तलाश कर रही है। ग्वालियर की रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि डॉ पृथ्वीराज गोस्वामी के यहां उसका थायराइड का इलाज चल रहा था। वह कई बार डॉक्टर को दिखा चुकी है। पीड़ित महिला ने बताया कि डॉ पृथ्वी राज गोस्वामी ने उसे इलाज के लिए घर पर बुलाया था। पीड़ित महिला जब इलाज के लिए डॉक्टर के घर पहुंची तो घर पर सिर्फ डॉक्टर और उसका एक साथी कंपाउडर राजू मौजूद था। थोड़ी देर बाद डॉक्टर और उसका कंपाउंडर साथी उसके साथ जबरदस्ती करने लगा और धमकी देकर उसके साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित महिला ने बताया कि पहले डॉक्टर ने उसके साथ हैवानियत की और फिर उसके बाद उसके साथी ने दुष्कर्म किया। पीड़ित महिला ने झांसी रोड थाना में शिकायत की।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	में	कन्या...	04-41 बजे
चंद्र-	मीन	में	तुला-	06-45 बजे
मंगल	वृष	में	वृश्चिक	08-56 बजे
बुध-	कन्या	में	धनु---	11-09 बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	13-15 बजे
शुक्र-	कन्या	में	कुंभ-	15-05 बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	16-44 बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	18-40 बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	20-04 बजे
			मिथुन..	22-05 बजे
			कर्क...	00-17 बजे
			सिंह...	02-29 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल-पश्चिम -पान खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा - **02-24** राततक उपरान्त, प्रतिपदा
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष ,रविवार, **09 Oct**
नक्षत्र -उत्तराभाद्रपद - **16 -20** - तक,उपरान्त रेवती
योग - ध्रुव - **18 - 35** - तक उप- व्याघात
करण- विष्टि - **14 - 59** - तक,उप- बव
विशेष:- शरदपूर्णिमा व्रत,कोजागरि व्रत,पराशरऋषि ज.
व्रत -त्योहार - कार्तिक स्नान प्रा:,वाल्मिकी ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
16:29 से
17:58 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:07 - 07:37	अशुभ	शुभ	17:58 - 19:29	शुभ
चंचल	07:37 - 09:06	शुभ	अमृत	19:29 - 21:01	शुभ
लाभ	09:06 - 10:35	शुभ	चंचल	21:01 - 22:32	शुभ
अमृत	10:35 - 12:03	शुभ	रोग	22:32 - 00:03	अशुभ
काल.	12:03 - 13:32	अशुभ	काल	00:03 - 01:35	अशुभ
शुभ.	13:32 - 15:00	शुभ	लाभ	01:35 - 03:06	शुभ
रोग	15:00 - 16:29	अशुभ	उत्पात	03:06 - 04:38	अशुभ
उत्पात	16:29 - 17:55	अशुभ	शुभ	04:38 - 06:07	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे।आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं।आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज ग्रहों की दशा आपको शांत तरीके से अपने बारे में सोचने का मौका देगी।आपने पिछले समय में कई मौकों पर काफी कठोर ढंग से अपनी प्रतिक्रिया दी है लेकिन अब आप मानसिक रूप से काफी शांत स्थिति में हैं।सुलह करने और सम्बन्ध सुधरने के लिए बहुत अच्छा समय है।खुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे।लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें। आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए।

कर्क डी डू डे डो डा डी डू डे डो

आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे।फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे।जब आप सहज रूप से वर्त्तमान भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे।आपकी शारीरिक सेहत तो अच्छी ही है

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांछित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे।आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है।आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं।फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे।जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है।

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा।इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा। अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें। आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा।अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे।आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें। कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है। अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें। आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं।

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा।सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे।खूब प्रशंसा मिलेगी।इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें।इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे।इसके अलावा ,आपकी सेहत भी अच्छी है।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

दिन की शुरुआत उलझन से होगी। आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा। आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं। आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं। दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा।

मीन दी दू थ झ ञ के झो चा ची

अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते।आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर खुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब खुशी और प्यार मिलेगा।अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

ले गयी दिल गुडिया जापान की : आशा पारेख

अतुल कुमार

पिछले दिनों गुज़रे ज़माने की बेहतरीन अदाकारा आशा पारेख को भारतीय सिनेमा के सबसे बडे सम्मान " दादा साहेब फालके पुरस्कार " से सम्मानित किया गया .अपनी उम्र के 80 वें जन्म दिन के एक दिन पहले यह पुरस्कार पा कहा कि इस अवार्ड को पाने के बाद ज़िंदगी की कोई तमन्ना बाकी नहीं रही .यह मेरे जीवन का सबसे बडा सम्मान है . 60 वर्षों से फिल्मों से जुडी हैं .कई सालों तक केवल भारतीय बल्कि ग्लोबल दर्शकों को इंटरटेन किया .अपने फिल्म जीवन में अधिकतर ऐसी फिल्मों में काम किया जो उस समय के लिहाज़ से नयी शैली की इंटरटेनर थीं . सन 1952 में बतौर बाल कलाकार फिल्म उद्योग में कदम रखा हांलाकि शुरुआत में मिली असफलता के बाद भी हार नहीं मानी और अपनी प्रतिभा के दम पर उद्योग में अलग पहचान बनायीं . यही कारण है कि उन्हें हिट गर्ल के नाम से भी जाना जाता है . अपने कैरीयर में ज़बर्दस्त हिट फिल्में दीं उनके द्वारा निभाये किरदार आज भी याद किये जाते हैं . फिल्म " दिल देके देखो " से अपने फिल्मी जीवन की शुरुआत की .फिल्म के नायक उस वक्त के प्रसिद्ध अभिनेता शम्मी कपूर थे , जो अपनी फिल्म की नायिकाओं के मामले में बडे चूज़ी थे .आशा पारेख के साथ उनकी जोडी ऐसी जमी कि कई फिल्मो में साथ काम किया . उदाहरण के लिये " दिल देके देखो " " तीसरी मंज़िल " " जवां मोहब्बत " और " पगला कहीं का " आदि .

दरअसल लीजेंड नायिका आशा पारेख की टावरिंग शख्सियत और आल राउंड पर्फार्मेंस का तिलिस्म ही ऐसा है कि परदे पर उन्हीं के गाये गाने " जाइये आप कहां जाएंगे ये नज़र लौट के फिर आयेगी " सरीका है जो उन पर फिट बैठती है .क्यों कि आज भी वह डायरेक्टली और इन डायरेक्टली सिनेमा या छोटे पर्दे पर दीख जाती हैं तो मिडिल एज व सीनीयर सिटिज़ंस को बच्चे कहते हैं आपके यंग एज की हीरोईन तो पोते पोती कहते हैं " ओ मेरे सोना रे सोना रे दे दूंगी जान जुदा मत होना रे " की आंटी . गाना अभी भी इतना लोकप्रिय है कि इसके रिमिक्स धडल्ले से चलते और बिकते हैं . आशा पारेख ने अपनी अदाकारी से हिंदी सिनेमा को गुलज़ार किया सन 1963 में प्रदर्शित फिल्म " भरोसा "' में उनकी खेली गयी "गोमती " की भूमिका को दर्शक भूले नहीं इसमें नायक गुरुदत्त थे जिन्होंने "बंसी " का यादगार रोल निभाया ."कटी पतंग " म्यूसिकल ड्रामा थी जिसमें राजेश खन्ना हीरो थे इसमें विधवा स्त्री की भूमिका को साकार किया ." "लव इन टोक्यो " रोमांटीक कामेडी ड्रामा थी जिसने टिकट खिडकी पर रिकार्ड कायम किये .

"तीसरी मंज़िल " म्यूसिकल थ्रिलर थी जिसमें शम्मी कपूर नायक थे फिल्म ने शोहरत की धूम मचायी . और " आये दिन बहार के " में सदाबहार हीरो धर्मेंद्र के साथ गाया "सुनो सजाना पपीहे ने कहा पुकार के " आदि . आशा पारेख ने सफलता की उंचाइयों को इस हद तक छूआ कि वह जुबली गर्ल के नाम से प्रसिद्ध हुईं .अपनी खूबसूरती के साथ दमदार किरदारों से ऐकटिंग का लोहा मनवाया .दस साल की छोटी उम्र में अभिनय की शुरुआत की .एक बार जानेमाने फिल्म निर्देशक विमल राय ने एक प्रोग्राम में उन्हें नृत्य करते देखा और प्रभावित हो अपनी फिल्म " बाप बेटी "में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर साइन किया .इसके बाद उन्हें बेबी आशा पारेख के नाम से जाना गया .छोटी उम्र में मां बाप के असमय निधन के बाद अकेली हो बडे बंगले से निकल अपार्टमेंट में आ गयीं .मां बाप की इकलौती संतान थीं .मां से बहुत अटैच्ड थीं इस सदमे से कई दिनों तक डिप्रेशन में रहीं . पर्दे पर गाया भी " लो आ गयी उनकी याद वो नहीं आये ,दिल उनको ढूंढता है गम का सिंगार कर के आंखें भी थक गयीं हैं अब इंतज़ार कर के "(फिल्म : दो बदन) लेकिन जीवन के लेसंस को जल्दी सीख समझ अकेले खुद के बूते ऐसा साम्राज्य स्थापित किया कि उसे निहार दुनिया उन पर लट्टू हुई .ज़िंदगी के तूफानों का सामना कर जिस शिखर को हासिल किया वह आत्म विश्वास की नायाब मिसाल है.

एक समय ऐसा था जब सभी उनके दीवाने थे सन 1959 से 1974 तक बालीवुड की टाप अभिनेत्री रहीं जिनकी सबसे अधिक फीस थी .उनके आदर्श वैजयंती माला और दिलीप कुमार थे .फिल्मों से खूब ख्याति पायी आज चौथी जेनेरेशन भी सम्मान से उन्हें कहती है बेस्ट ऐक्ट्रेस तो यह उनके जादुई अभिनय का ही कमाल है . अफलातून नृत्यांगना रहीं .कभी फुर्सत मिले तो फिल्म " समाधि " के गीत " बंगले के पीछे तेरी बेरी के नीचे कांटा लगा हाय लगा ' को ज़ेवरों से लद जिस झुमावदार नृत्य को पेश किया उसे देखिये .आज की फिल्मों में वह कला कहां है ? उस समय न कोई कोरियोग्राफर , न कोई तकनालाजी सिर्फ दिल से काम होता जो दिलों में बसा .उनकी फिल्मों में क्लासिकल डांस रखने का ट्रेडीशन बना जो दर्शकों को खूब भाया कुशल नृत्यांगना रहीं ,याद कीजीए उनके कुछ बेहतरीन नृत्यों को " रात का समा झूमे चंद्रमा " (फिल्म : ज़िद्दी) " परदे में रहने दो परदा न हटाओ " (फिल्म :शिकार) और " खत लिख दे संवरिया के नाम बाबू " (फिल्म : आये दिन बहार के) " इत्यादि .फिल्मों में उनके नृत्य इतने मशहूर हुए कि फिल्म " आन मिलो सजना " के गीत " तेरे कारण तेरे कारण मेरे साजन- मेरे साजन " को नृत्य के अंदाज़ में फिल्माया गया .

ऐसा नहीं कि उनके कैरीयर में धूप छांव का दौर न आया हो . वह भी था, फिल्म "गूंज उठी शहनाई" के लिये बतौर हीरोइन साइन किया गया कुछ दिन शूटिंग भी हुई .सपने देखने लगीं कि हीरोइन बन फिल्मों में दिखूंगी लेकिन कुछ दिन के बाद यह कह फिल्म से निकाल दिया गया कि स्टार बनने लायक नहीं है एक फिल्म से रिजेक्ट हो नर्वस हुईं फिर स्ट्रगल कर जिन बुलंदियों को पाया वह सुनहरा इतिहास है . डांसर ,हीरोइन ,चरित्र अभिनेत्री ,निर्मात्री , निर्देशिका , लेखिका , सेंसर बोर्ड की अध्यक्षा टी वी शोज़ की जज ,और समाज सेवी जैसे कई विविध रूपों को साकार किया .बचपन में पेंटिंग की शौकीन थीं उनकी बनायी हाथी की सवारी वाली पेंटिंग को यूनिसेफ का अवार्ड मिला .

नृत्यों में कत्थक और भरत नाट्यम में पारांगत हैं . पिछले दस वर्षों में बने रिमिक्स को देखें तो उनमें " बंगले के पीछे तेरी बेरी के नीचे कांटा लगा " ने बाज़ी मारी और जम कर बिज़नेस किया . यही स्थिती उनके गीत " आजा पिया तोहे प्यार दूं गोरी बैंया तो पे वार दूं "(फिल्म ;बहारों के सपने) की है जो गाना रसिकों के ज़ेहन में उतरा .

प्रसंगानुसार जब 8 वर्ष की थीं तब उनके स्कूल फंक्शन में चीफ गेस्ट के रूप में आमंत्रित करने के लिये प्रिंसिपल अभिनेता प्रेम नाथ के पास गयीं .उस समय वह आशा पारेख के पडौस में रहते उन्होंने ने शर्त रखी कि उसमें यदि आशा का नृत्य होगा तो अवश्य आयेंगे . प्रिंसिपल को सहमति देनी पडी . नृत्य उनकी अदाकारी से जुड उनको ख्याति की नयी बुलंदियों पर ले गया .फिल्म "मेरा गांव मेरा देश ' की वह नायिका थीं जिसके गानों तथा मज़बूत अदाकारी को आज भी पसंद किया जाता है .

अमिताभ बच्चन की फिल्म "कालिया "में उनकी भाभी का रोल किया फिल्म में एक बेटी की मां के रूप में नज़र आयीं फैशन के मामले में उनकी हर नयी स्टाइल फैशन स्टेटमेंट बनी .जिसे उनके प्रशंसक फालो करते .

अभिनय में उनकी बडी आंखों से उभरते एक्सप्रेसिव इमोशंस फिल्म को असरदार बनाते .फिल्मी पर्दे पर राज किया. उस दौर में उनके चुलबुले अंदाज़ और मोहक रूप ने प्रशंसकों का दिल खूब जीता .उनकी सबसे चर्चित फिल्मों में " दो बदन " " उपकार " " मैं तुलसी तेरे आंगन की " और " मेरे सनम " जैसी कई उम्दा फिल्में हैं .

मूलत; गुजराती भाषी इस अभिनेत्री ने गुजराती फिल्मों में भी काम किया . इनमें " अखंड सौभाग्यवती " काफी हिट हुई जिसके लिये श्रेष्ठ अभिनेत्री का गुजरात सरकार का पुरस्कार मिला .इसके अलावा " कुल वधू " व " मां न आंसू " में अभिनय किया .पंजाबी फिल्म "कंकन दे ओहले " (1971) में काम किया जिसमें उनके नायक धर्मेंद्र थे .कन्नड फिल्म "शारवेगडा सारदरा (1989) में भी अभिनय किया .अपने समय की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक रहीं आज भी उनकी एक मज़बूत फैन फालोइंग है .2अक्तूबर 1942 को मुंबई में गुजराती जैन परिवार में जन्मीं इस नायिका को सन 1971 में फिल्म " कटी पतंग " के लिये फिल्म फेयर का सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवार्ड मिला .नृत्य कला के विकास हेतु सदा समर्पित रहीं इसके लिये " करा भवन " नामक नृत्य अकादमी शुरु की जिसमें नृत्य का प्रशिक्षण दिया जाता है मुंबई में निर्धनों के लिये आशा पारेख अस्पताल कार्यरत है .

मेल डोमिनेटेड सोसायटी में एक सिंगल वूमेन ने किस तरह अपने हुनर के दम पर कई भूमिकाओं को साकार और सफल किया इसकी उत्तम मिसाल बनीं . फिल्म " मैं तुलसी तेरे आंगन की " में दिग्गज अभिनेत्री नूतन उनके सामने थीं कहना कठिन है कि दोनों में उन्नीस - बीस कौन हैं ! अपने प्रभावी अभिनय से दर्शकों की यादों में बसीं .लगभग 90 फिल्मों में काम किया सभी साफ सुथरी फिल्में थीं जिनमें से अधिकतर को दर्शक आज भी रिपीट कर उनका आनंद लेते हैं. क्योंकि यह सभी फिल्में उनकी आत्म कथा के टाइटल " हिट गर्ल " को सार्थक करती हैं .

सुंदर गुडिया तब भी जापान की मानी जाती और आज भी इसलिये उनके सुनहरे योगदानों तथा पूरे फिल्मी जीवन को देख उन्हीं की फिल्म के गीत की पंक्ति उन पर सटीक लगती है . ले गयी दिल गुडिया जापान की।

काव्य कुंज

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

तू चला चल

जिंदगी एक मुसलसल सिलसिला है
बस तू चला चल चला चल चला चल
रुकेगा तो कयामत ढह जाएगी
एक दर्द पैदा होगा
आंखें नम हो जाएंगी
जिंदगी मुसलसल सिलसिला है
तू तेग उठा रुकावटों का दामन चीर दे
मर्द बन अपनी लकीरें खींच दे
कोई सिकंदर और पौरुस इसे बढ़कर नहीं हुआ
जिंदगी एक मुसलसल आर यू ही चलता रहा
तू अपने दामन में शोले लपेट ले
शबनम छोड़ दे मुश्किलों को घेर में
कोई ताकत शह सवार को रोकती नहीं
कोई मुश्किल हिम्मत से लड़ती नहीं
जिंदगी एक मुसलसल सिलसिला बस तू।।

बेड़ियाँ

हेमंत सुराना

इरादा था वो ना बहके,
क्रमबद्ध चलता रहे
संस्कारो को पकडे वो,
हाथो में माला लिये
वेदशास्त्र को पढ़कर,
आचरण में ढलता रहे
संस्कारो से संसार जीते,
चरित्र और बेहतर बने
नर हो या नारी ,
लगा उनको ये भारी
सीमाओं की बेड़ियाँ,
धर्म की हथकड़ियाँ
छोड़ना चाहा कई बार,
तोड़ना चाहा कई बार
ख्वाहिशों का कैदी था,
ख़्वाबो के नगर में था
अंत में अहसास हुआ,
मर्यादाओ में रहना था,
मर्यादाओ में रहना था ।

हम बड़भागी भारत के वासी

प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

परम पुनीत कारज जनजाता,
तनय भये पितर मोक्षदाता ।
वेद पुराण उपनिषद के ज्ञाता,
नीति- रीति व्यवहार बतावा,
पितरपक्ष का महत समझावा,
दान-पुण्य कर पुण्य कमावा,
आश्विन कृष्ण पक्ष पित्रृपक्ष कहावा ।
हम बड़भागी भारत के वासी
समृद्ध संस्कृति धरोहर हमारी,
धर्म सम्मत कारज सब कीन्हीं,
अटल अटूट आस्था लीन्हीं।
परिजन पितृपक्ष पूर्वज बुलावा
अर्पण तर्पण कर सुख पावा,
पितरों से आशीष पावा पुण्यलोक
यह देश कहावा,
मृत्यु पर्यंत सम्मान है पावा
हम बड़भागी भारत के वासी
जहाँ की है यह रीति निराली ।
प्रतिमा सिंह

ऐसा हमारा जीवन हो

-डॉ. माध्वी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

संतुष्टि और सहनशीलता हो,
इंसान इंसानियत से मिलता हो,
तकलीफ और कांटों के साथ साथ,
सुगंधित पुष्प भी खिलता हो।
जीवन में संघर्ष कितने भी आए,
हर एक से वक्त के साथ जीतते जाए,
हर पथ पर नकारात्मकता को त्यागते हुए,
सकारात्मकता की गीत एकता से गाए।

स्वयं में आत्मविश्वास भरकर,
लाए शांति और प्रसन्नता की लहर,
हम सब एकता का प्रतीक हो,
करें हर आवश्यक कार्य मिलकर।
हो हृदय में करुणा,
ना करे किसी से घृणा,
छोटी छोटी बात पर बिखर ना जाए,
स्वभाव में हो हमारा निखरना।
संतुष्टि और सहनशीलता हो,
इंसान इंसानियत से मिलता हो,
तकलीफ और कांटों के साथ साथ,
सुगंधित पुष्प भी खिलता हो।

रुपया

टी तारासिंह
हैदराबाद

रास्ते वही है मंजिलें वही है
राही बदल जाता राह ढुढता रहता
सपने देखे वो भी पूरे ना हुये
ऊची है मंजिलें बडे है सपने
राह ढुढते रहे सपने उलझते रहे
किस्मत बदले मगर मंजिल ना बदले
वही है राहे वही है चौराहे
आदमी देखता रहा राह को चौराह को
वो तो बढते गए फैलते गए
जमी कहीं भी खाली नहीं बची
खाली जमीन को कर देते कब्जा
बढती रहती है जमीन की किमते
पर इंसान की तनखा आमदनी नही बढती
इंसान पिछे रहा रूपया आगे बढ़ गया ।।

गजब की संरचना..

दर्शन सिंह
हैदराबाद

गज़ब की संरचना
कनवास पर उतारता हूँ
अधबुझे दीपों से मुंडेरा संवारता हूँ
था मान्यवर
खाट से लगा हुआ
हांफता कांपता
पहेलियों से भरा हुआ
हालचाल पूछने वाले घँटों खड़े हुए
आंधी तूफान आए,पंक्तिबद्ध अड़े हुए
जैसे ही नेगेटिव टॉपिक कोई निकालता
भला चंगा हूँ, उठ कर बैठ जाता
पूछो तो कहता
बहुत मजा आ रहा
आग में घी डालता
फुला नहीं समा रहा
कथा अनवरत चलनी चाहिए
भींगी लकड़ियां झुलसनी चाहिए
चलूँ या रुकूँ समझ नहीं पाता हूँ
गज़ब की संरचना..

फिर भी सृजन करती तू

संगीता व्यास,
हावडा

नारी तेरी कोख से जने पुरुषों ने ही
तुझे प्रताडा है उजाडा है
निर्वस्त्र कर भरी सभा में
पुरुषत्व अपना झाड़ा है
निर्णय तुझे पुकारा है
ले अग्नि परीक्षा तेरी
भूगर्भ में तुझे ढकेला है
तू तपती रही तो मिट्टी रही
सृजन तू फिर भी करती रही ।
कांता तू ममत्व है सतीत्व है
अपनत्व है पुरुष की तू जन्मत्व है
फिर भी सताई गई मिटाई गई
अहम तले रौंदी गई तू
कुचलित दमनित
सृजन फिर भी तू करती रही
कामिनी, सरल तू तरल तू
फिर पिया तूने अपमान का गरल क्यों
तू शक्ति है तू भक्ति है
आराध्य तू असाध्य तू
फिर धृणित, पतित क्यों कर हुई तू
लोहित, रुधिर आत्मा लिए
सुधीर धर
सृजन तू फिर भी करती रही
वनिता, तनाया एवं तनुजा तू
अभया और अनाया तू
कुल की मर्यादा भी तू
अस्मिता तेरी फिर क्यों तार-तार हुई
शोणित और शोषित तू क्यों बार-बार हुई
क्रंदन, रुदन करती
सृजन तू फिर भी करती रही
सृजन तू फिर भी करती रही

गौ माता

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

गौ माता में बसे सारे भगवान,
हमेशा करो इनका सम्मान,
दूध मिले इनसे जो,
वो होता अमृत समान,
घी, मिठाई ,दही ,
पनीर,छांछ,लस्सी,
ये सब दूध से ही बनते,
पूजा में उपयोग होता,
कच्चा दूध गौ माता का,
गोबर भी पूजा में होता सदुपयोगी,
रोग भी कई दूर होते,
गौ माता के सानिध्य से,
यूं ही नहीं मिला गौ को ,
माता का दर्जा,
ये है साक्षात ईश्वर का स्वरूप।

चलो थोडा मुस्कुराते है

संजीव ठाकुर,
रायपुर

चलो थोडा मुस्कुराते है
इस दवा को आजमाते है.
कठिनाई में खिलखिलाते है,
मुसीबत में भी मुस्कुराते हैं।
जिसकी आदत है मुस्कुराना,
वो ही ज़माने को झुकाते है।
मायुसी विषाद की जड़ होती है,
उदासी को मुस्कुराहट से मिटाते है।
मुस्कुराना औषधि है बेहतरीन,
चलो दवा को भी आजमाते है।
खरीदी न बेचीं जाती मुस्कुराहट,
अनमोल है ये चलो मुस्कुराते है।
बेहतरी के नाम मुस्कुराते है,
सुनहरे कल के लिए मुस्कुरातें है।

ऐसा क्यों?

डॉ. डी. डी.
देसाई

दिन भर की थकान
मिटाने बिस्तर पर लेटा था,
काम के टेंशन से फुर्सत चाहता था।
इतने में कानों पर आघात सा हुआ..
सुनिए जी...मुझसे ये साब नहीं होगा।
आपका टिफिन.. चिंटू का टिफिन..
झाड़ू पोछा.. कपडे बर्तन.. दिन भर
काम ही काम.. बदन टूट जाता हैं मेरा।
ये सब कम था.. जो आपकी माँ आयी हैं,
बहाना तो चिंटू से मिलने का हैं,
पर असल में मुझे सताने आयी हैं,
मेरी छाती पर मुँग दलने आयी हैं।
सुनिए जी..इतने लोगों की रोटियाँ बनाना,
झाड़ू -पोछा मुझसे ये साब नहीं होगा।
कल ही माँ को गाँव भेज देना।
जिस शांति की चाहत में लेटा था...
टूट कर चूर चूर हो गयी थी।
उठ कर छत पर सैर करने लगा,
रोज की खिट -पिट से ऊब गया था।
न माँ को गाँव भेज सकता हूँ..
न ही इसे समझा सकता हूँ।

दूसरे दिन माँ ने अपनी अटैची बाँधी थी।
शायद रात की बातें माँ ने सुनी थी।
वापस न लौटने की ठान कर घर से निकली।
अपराध भाव से मैं दिन गुज़ार रहा था।
कुछ दिन बीत गये, माहौल बदल गया।
आज घर में छप्पन भोग बने थे।
पूरी सब्जी, बिर्यानी रायता,
काजू बादाम, डबल का मीठा,
और भी न जाने क्या क्या बना था।
सोचा.. मेरी माँ के रहते इसका आधा भी बनता,
तो हँसी -खुशी साधुवाद देकर चली गयी होती।
पर आज न कोई तीज न त्यौहार,
मैं अचंभित भयभीत सोच में डूबा।
सुनिए जी.... आज घर जल्दी आना।
आठ दस दिनों की छुट्टी लगाना।
मेरी माँ -बापू, और बहन आ रही हैं,
उन्हें लेकर हम घूमने जायेंगे।
छप्पन भोग का राज मैं अब समझा।
रात भर सोचा.. माँ तो माँ होती हैं।
चाहे वह मेरी हो या उसकी हो।
जन्म तो दोनों ने भी दिया हैं।
पालन -पोषण, प्यार -दुलार दोनों ने किया हैं।
फिर एक माँ का दामन खुशियों से भरा,
और दूसरी माँ के दामन में द्वेष क्यों?
संसार का अनसुलझा सवाल –
"आख़िर ऐसा क्यों"...?

शरद पूर्णिमा

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

शरद पूर्णिमा आ गई देखो
अमृत का सेवन करवाने।
खास दिन की खास चांदनी
देखो आई है रिझाने।।
चिपचिपाहट से निजात,
वर्षा ऋतु की हो रही विदाई,
दशहरा के बाद भीनी भीनी शरद ऋतु है आई ,
दादी माँ ने अमृत मंथन की अद्भुत कहानी सुनाई
प्रकट हुई महा देवी दानी,धन संपन्नता की अगुवाई।
महालक्ष्मी का हुआ अवतरण,
धन से भरने लगे खजाने।
शरद पूर्णिमा आ गई देखो
अमृत का सेवन करवाने।।
श्रीकृष्णा ने महारास रचाई,
शरद पूर्णिमा में करो भजन,
कौमुदी की अनुपम किरणे से
तीव्र ज्योति पाए नयन,
मेवा मिश्रित स्वादिष्ट खीर,
शरद पूर्णिमा के कर लो दर्शन
प्रसाद रुपेण खाएं खीर,
रोग भगा,स्वस्थ कर लो तन,मन।
16 कला परिपूर्ण चंद्रमा,
आया मेहमान नवाजी निभाने।।
शरद पूर्णिमा आ गई देखो
अमृत का सेवन करवाने।।
खास दिन की खास चांदनी देखो आई है रिझाने।।
शरद पूर्णिमा आ गई देखो
अमृत का सेवन करवाने।।
***

आरती राम जी की, जीवन की

रेणुका अग्रवाल

रात नींद में गुजर गई।
सुबह फ़िर सपने बुनने लगी।
दिन भर काम करके भी
दिया आरती का जलाने लगी।
घर में भी काम किया।
बाहर भी काम किया।
शाम बच्चों को पढ़ा कर।
दिया आरती का जलाने लगी।
मैं हूँ घर की लक्ष्मी।
मैं ही सबकी माँ हूँ।

बहु हूँ तो क्या हुआ,
सास ससुर की जान हूँ।
दिया सुबह का जलाया,
शाम आरती सजाने लगी।
आरती बिन,
कोई पूजा सम्पन्न नहीं होती।
कितने भी भजन करो,
पूजा हवन करो।
आरती ज़रूरी है ,
आरती से ही पूजा पूरी है।
राम लंका जीत,
सीता वापस लाये।
रावण के दस सर थे,
इसलिये,आज का दिन,
दशहरा कहलाये।
चाहते तो माया से भी,
सीता का पता लगा लेते,
उसी माया से सीता को
वापस भी ला लेते
पर राम तो राम थे।
मर्यादा के प्रतीक थे।
मर्यादा में जीवन जिया तभी,
मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाये।

गुरुवर जलते दीप से

सत्यवान सौरभ

दूर तिमिर को जो करें,
बांटे सच्चा ज्ञान।
मिट्टी को जीवित करें,
गुरुवर वो भगवान।।
जब रिश्ते हैं टूटते,
होते विफल विधान।
गुरुवर तब सम्बल बने,
होते बड़े महान।।
नानक, गौतम, द्रोण सँग, कौटिल्या, संदीप।
अपने- अपने दौर के, मानवता के दीप।।
चाहत को पर दे यही, स्वप्न करे साकार।
शिक्षक अपने ज्ञान से, जीवन देत निखार।।
शिक्षक तो अनमोल है, इसको कम मत तोल।
सच्ची इसकी साधना, कड़वे इसके बोल।।
गागर में सागर भरें, बिखराये मुस्कान।
सौरभ जिसे गुरू मिले, ईश्वर का वरदान।।
शिक्षा गुरुवर बांटते, जैसे तरुवर छाँव।
तभी कहे हर धाम से, पावन इनके पाँव।।
अंधियारे, अज्ञान को, करे ज्ञान से दूर।
गुरुवर जलते दीप से, शिक्षा इनका नूर।।

गूंगा बनाना जारी है

डॉ टी महादेव राव

सारे कौम को गूंगा बनाना जारी है
कल तुम्हारी और आज मेरी बारी है
शब्दों की सचाई से डर जाते हैं वे
उन्हें लगे दुश्मन कायनात सारी है
उनके मुंह में राम बगल में छुरी है
हंसी के पीछे सियासती पर्देदारी है
बातों की चाशनी है हाथ मगर खाली
अगले दौर में कब्जे की पूरी तैयारी है
उसूल है उनका कि कोई उसूल नहीं
सत्ता पर काबिज सभी की बीमारी है
सफेद तन उजला काला मन मैला
जैसे कि रात पे दिन की पहरेदारी है
बदल गई सोच फितरत भी बदल गई
कबूतर की जगह चीते की तीमारदारी है

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

कितनी पुरानी है देवी दुर्गा की कहानी?

तमिलनाडु के मामल्लापुरम में दुर्गा की करीब 1300 साल पुरानी प्रतिमा। इसे दुर्गा की प्राचीन प्रतिमाओं में से एक माना जाता है।

भैंस का वध करने वाली शेर पर सवार दुर्गा की प्रतिमाएं लगभग 1,500 साल पहले गुप्त काल के बाद ही हिंदू पुराणशास्त्रों में दिखाई देने लगी थीं। आज जिन प्रतिमाओं के बारे में हम जानते हैं, उनमें से सबसे प्राचीन प्रतिमाएं महाराष्ट्र की अजंता एवं एल्लोरा गुफाओं और तमिलनाडु के मामल्लापुरम में हैं। ये प्रतिमाएं 7वीं सदी से पहले की हैं।

इनसे भी पुरानी प्रतिमाएं आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में खोजी गई हैं। इसके बाद देवी की प्रतिमा हिंदू मंदिरों में लोकप्रिय बन गई। इसलिए इस बात पर विश्वास करना मुश्किल होता है कि एक काल ऐसा भी हुआ करता था जब हिंदू धर्म में महिषासुरमर्दिनि की कहानी नहीं होती थी।

देवी की पूजा वैदिक काल से होती आई है। ऋग्वेद के देवी सूक्तम में सभी देवताओं की 'शक्ति' की बात की गई है। वेदों में दुर्गा शब्द केवल एक किले या एक ऐसी जगह को संदर्भित करता है, जहां पहुंचना कठिन है।

वैदिक काल में सबसे लोकप्रिय देवी भाग्य की देवी 'श्री' थी। उन्हें बौद्ध और जैन धर्म में भी पूजा जाता था। उन्हें असुरों की पुत्री और देवों की चहेती के रूप में वर्णित किया जाता था। वे चंचल थीं, जैसा कि भाग्य कथित रूप से होता है। वे कमल के फूल, हाथियों और घड़ों से जुड़ी हुई हैं और उनके बारे में हिंसक कुछ भी नहीं है। पुराणों से पहले रचे गए रामायण और महाभारत के महाकाव्यों में हमें बताया जाता है कि राम व पांडवों ने राजाओं और युद्ध की देवी 'दुर्गा' की मदद मांगी। इस तरह दुर्गा हथियारों से जुड़ी हैं, लेकिन हम उन्हें देख नहीं सकते हैं।

महाभारत के परिशिष्ट 'हरिवंश' में कालरात्रि या निद्रा या योगमाया के बारे में बताया गया है। जब विष्णु नींद में होते हैं, तब वहीं विश्व को सुरक्षित रखती हैं। इतना ही नहीं, एक बच्ची का रूप लेकर उन्होंने पृथ्वी पर कृष्ण का सुरक्षित जन्म सुनिश्चित किया। इस बाल रूप में वे कंस के हाथों से फिसल गईं और उसकी मृत्यु की भविष्यवाणी करते हुए उसे अपनी हंसी से डराया। वे वैष्णव संप्रदाय की आदि-दुर्गा हैं। महाकाव्यों में हम पहली बार सीखते हैं कि कैसे परालौकिक शिव देवी से विवाह कर एक गृहस्थ में बदल गए। लेकिन ये देवी स्पष्ट रूप से दुर्गा से जुड़ी नहीं हैं।

1900 साल पहले कुषाणों के शासनकाल के बाद दुर्गा और उनकी छवियों की कहानी लोकप्रिय हो गई। कुषाणों ने एक ऐसे साम्राज्य पर शासन किया, जो आधुनिक ईरान से लेकर अफगानिस्तान, पाकिस्तान और उत्तर भारत तक फैला हुआ था और जिसकी पूर्वी सीमा मथुरा में थी। वे अपनी धर्मनिरपेक्षता के लिए प्रसिद्ध थे। उनके सिक्कों और शिलालेखों से स्पष्ट है कि वे यूनानी, ईरानी और बौद्ध देवताओं का सम्मान करते थे। उन्होंने शहरों की रक्षा करने वाली यूनानी देवी 'टाइकी,' शेर पर बैठने वाली ईरानी देवी 'नाना' और स्थानीय गांव की देवी, जिन्हें भक्त बलिदान के रूप में भैंस की पेशकश करते थे, तीनों को एक समान माना।

कुषाणों ने स्थानीय राजाओं और जनजातियों के गांव या कबीले की देवी को राजाओं की संरक्षिका देवी और किलों की संरक्षिका में बदल दिया। इस प्रकार दुर्गा का महत्त्व बढ़ा।

उन्हें राजत्व के प्रतीक शेर पर सवार दिखाया जाता था। वे अपनी कई भुजाओं में हथियार धारण करती थीं, जो राजसी शक्ति के प्रतीक थे। उनके बाल खुले छोड़ दिखाए जाते थे, जो प्रभुत्व के प्रतीक थे और उन्हें महिषासुर का वध करते हुए दिखाया जाता था, जिसे मृत्यु अर्थात यमदेव को वश में करने के समकक्ष माना जाता था।

दुर्गा ने सेनापति-देवता कार्तिकेय की जगह ले ली। कार्तिकेय की सात मातृका माताएं दुर्गा की सेना बन गईं। विभिन्न देवताओं की व्यक्तिगत शक्तियों के मिलन से दुर्गा के जन्म की कहानी देवी माहात्म्य में बताई गई, जो कि लगभग 600 ईस्वी में रचा गया। उन्हें गौरी की युद्ध समपूरक माना जाता था, जो शिव की लज्जाशील पत्नी थीं और कई लोककथाओं में विष्णु की बहन मानी जाती थीं। इस प्रकार दुर्गा ने हिंदू पुराणशास्त्र में अपनी जगह बना ली।

मौत के खतरे में चंगेज खान के वंशज

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बीते जुमे के दिन एजुकेशन सेंटर में बम ब्लास्ट हुआ। हमलावरों के निशाने पर हजारा समुदाय के बच्चे थे, जो यहां एग्जाम दे रहे थे। यूनाइटेड नेशंस के मुताबिक, धमाके में 53 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 46 लड़कियां थीं। 110 घायल भी हुए हैं।

पहले भी अल्पसंख्यक हजारा समुदाय पर हमले होते रहे हैं। 15 अगस्त 2021 को तालिबान का राज आने के बाद इस समुदाय को निशाना बनाकर कई हमले हुए हैं। इनमें 700 से ज्यादा लोग मारे गए। ज्यादातर हमले धार्मिक स्थलों, स्कूल और अस्पतालों पर हुए। अफगानिस्तान की आबादी करीब 4 करोड़ है। इनमें 40 लाख, यानी कुल आबादी के 10% हजारा हैं।

शुक्रवार को हुए हमले के विरोध में लोगों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे से पहले सेना में रहीं जाहिरा शनिवार को हुए प्रोटेस्ट में शामिल थीं। तालिबान लड़ाकों ने उन्हें पकड़ लिया और बहुत पीटा। हमले में मारी गई एक लड़की के भाई को भी बुरी तरह पीटा गया।

जाहिरा को इसका अफसोस नहीं है, बल्कि इस बात का सुकून है कि तालिबान लड़ाकों ने उन्हें पहचाना नहीं। अगर पहचान लेते तो शायद वे गिरफ्तार कर ली जातीं या मार दी जातीं।

24 साल की जाहिरा हजारा समुदाय से हैं और सेना में रहने की वजह से अब काबुल में छिपकर रहती हैं। जान के खतरे के बावजूद वे हजारा समुदाय पर हो रहे जुल्म के खिलाफ प्रोटेस्ट में हिस्सा लेने गई थीं। हमले के बाद काज एजुकेशन सेंटर गईं जाहिरा ने बताया कि वहां का मंजर इतना खौफनाक था कि देखकर मेरा दिल दहल गया। चारों तरफ लाशें बिखरी थीं। किसी को भी पहचानना मुश्किल था। बोरियों में मांस भरकर ले जाया जा रहा था। ये भी नहीं पता चला कि कौन सा हाथ या पैर किसका है।

जाहिरा के मंगेतर बोले- हमारी जिंदगी ही खत्म हो गई

जाहिरा के मंगेतर भी अफगान सेना में थे और इन दिनों छिपकर रह रहे हैं। वे बताते हैं- हमारी जिंदगी खत्म हो गई है। मैं घर से बाहर नहीं निकल सकता। पूरे दिन खबरें पढ़ता रहता हूं। इस इंतजार में कि कभी कोई अच्छी खबर मिले, लेकिन हजारा के बारे में सिर्फ बुरी खबरें ही आती हैं।

तालिबान लड़ाकों ने घायलों के लिए खून देने से रोका

ह्यूमन राइट्स वॉच से जुड़ीं फेरेश्ता अब्बासी के मुताबिक, हमले के बाद तालिबान लड़ाकों ने बहुत बुरा सलूक किया। घायलों के लिए खून की जरूरत थी, लेकिन लोगों को ब्लड डोनेट करने से रोक दिया गया। हालांकि, तालिबान ने बयान जारी कर हमले की आलोचना की और हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई करने का भरोसा दिया। उसने इस हमले को अफगानिस्तान के दुश्मनों की साजिश बताया। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमारी सरकार धर्म, नस्ल या राजनीति के आधार पर नागरिकों में भेदभाव नहीं करती। हम सभी की रक्षा के लिए जिम्मेदार हैं।

हमलों में कितने लोग मारे गए, पता नहीं चलता

पेशे से डॉक्टर सलीम जावेद स्वीडन में रहते हैं और लंबे समय से हजारा समुदाय के मुद्दों पर लिखते रहे हैं। उनके मुताबिक, तालिबान के राज में काबुल, मजार-ए-शरीफ, कंधार और हेरात में हजारा लोगों के खिलाफ छह बड़े हमले हो चुके हैं। तालिबान सरकार इंडिपेंडेंट मीडिया या एक्टिविस्ट को हमलों के बारे में रिपोर्ट नहीं करने देती। इसकी वजह से मरने वालों की सही संख्या पता नहीं चल पाती। शुक्रवार को काबुल के एजुकेशन सेंटर पर आत्मघाती हमले के वक्त वहां 300 से ज्यादा हाई स्कूल पास स्टूडेंट प्रैक्टिस एग्जाम दे रहे थे। तालिबान ने कहा कि हमले में 25 लोग मारे गए हैं, लेकिन सही संख्या इससे कहीं ज्यादा निकली।

सलीम जावेद कहते हैं- हजारा समुदाय सरकारी नौकरियों में कहीं नहीं है।

उन्हें भेदभाव झेलना पड़ता है। उनका अपहरण कर लिया जाता है। घरों से निकाल दिया जाता है और नवरोज जैसे उनके त्यौहार पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। इस बार एक नई बात ये हुई कि मानवाधिकार के मामलों पर अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र ने नया दूत नियुक्त किया है। उम्मीद है कि वे मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच करेंगे।

तालिबान राज आते ही देश छोड़ा

तालिबान के दमन की वजह से बड़ी तादाद में हजारा लोग देश छोड़कर चले गए। 37 साल की समीना भी उनमें से एक हैं। वे बगराम एयरबेस पर काम करती थीं। 2020 में समीना को देश छोड़ना पड़ा। इस समय वे अमेरिका में रहती हैं।

समीना कहती हैं-मेरी जान खतरे में थी। मैं किसी भी तरह अफगानिस्तान से भागना चाहती थी। तालिबान लड़ाके मेरे पीछे पड़े थे। मैं वहां से अमेरिका आ गई और यहीं रह रही हूं। मेरा परिवार अब भी अफगानिस्तान में है और खतरे में है।

हिंसा की वजह से हजारों लोग घर से दूर

1980 के दशक में सोवियत संघ के खिलाफ हथियार उठाने वाले अकरम गिजाबी भागकर अमेरिका चले गए थे। वे अब वर्ल्ड हजारा काउंसिल के चेयरमैन हैं। उन्हें तालिबान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। गिजाबी कहते हैं- तालिबान बिल्कुल नहीं बदला है। वे लड़कियों और उनकी पढ़ाई के खिलाफ हैं। हजारा लड़कियां पढ़ने में आगे हैं, इसलिए सबसे ज्यादा दमन उन्हीं का हो रहा है।

हजारा लोगों के लिए मौजूदा हालात बेहद मुश्किल हैं। सर्दियां आ रही हैं और लाखों लोग भुखमरी की कगार पर हैं। हिंसा की वजह से हजारों लोगों को घर छोड़ना पड़ा। कुछ लोग घाटियों में रह रहे हैं और कुछ रिश्तेदारों के पास चले गए हैं। किसी भी तरह की मदद उन तक नहीं पहुंच रही हैं। अंतरराष्ट्रीय जगत भी हजारा लोगों की मदद नहीं कर रहा है।

गिजाबी के मुताबिक, काबुल में हजारा जिस इलाके में रहते हैं, वह काफी बड़ा है। तालिबान सरकार चाहे तो उन्हें सुरक्षा दे सकती है। अब तो उसके पास खुफिया सिस्टम भी है, लेकिन वह जानबूझकर ऐसा नहीं कर रही है। लोगों के मरने से किसी को फर्क नहीं पड़ रहा।

ज्यादातर हमले इस्लामिक स्टेट ने किए, पीड़ितों को मदद नहीं

ह्यूमन राइट्स वॉच से जुड़ी ब्रिजिट स्वार्ज कहती हैं- इस्लामिक स्टेट ने बीते एक साल में हजारा लोगों के स्कूलों, धर्मस्थलों और अस्पतालों को निशाना बनाया है। तालिबान ने इन हमलों को रोकने के लिए कुछ खास नहीं किया। न ही पीड़ितों को किसी तरह की मदद दी गई।

हजारा अफगानिस्तान में पठान, ताजिक और उजबेक के बाद चौथा बड़ा समुदाय है। इन्हें मंगोलों का वंशज माना जाता है। मंगोल शासक चंगेज खान के वंशज बौद्ध धर्म को मानते थे, लेकिन हजारा बौद्ध की बजाय शिया मुस्लिम हो गए।

ये अफगानिस्तान और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हैं।

शिया होने की वजह से उनके ईरान से भी संबंध हैं। अलग मजहब और मान्यताओं की वजह से सुन्नी मुसलमान हजारा समुदाय के खिलाफ रहते हैं। यही वजह है कि हजारा आतंकी संगठन IS और तालिबान के निशाने पर रहे हैं।

सड़क सुरक्षा एजेंडे में क्यों नहीं?

बीते पंद्रह दिनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में हुए भयानक सड़क हादसों में करीब सौ लोगों की जान चली गई। तीन राज्यों की ये चुनिंदा घटनाएं हमारी परिवहन व्यवस्था और दुर्घटनाओं से निपटने की रणनीति पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। लखीमपुर की जिस बस दुर्घटना में 10 लोगों की मौत हुई, उसका आसपास के जिलों में कुल 25 बार चालान कटा था, लेकिन लखीमपुर में उसका एक भी चालान नहीं कटा।

कोई निष्कर्ष निकाल सकता है कि शक्तिशाली लोगों से आपकी करीबी है, तो आपके पास लोगों की जान लेने का लाइसेंस है। कानपुर सड़क हादसे के वायरल वीडियों में दिखता है कि शवों को घसीट-घसीट कर पानी से निकाला जा रहा है। यह हमारे तंत्र और समाज, दोनों की विफलता है। सड़क पर सुरक्षा हमारा राष्ट्रीय राजनीतिक एजेंडा क्यों नहीं है? सड़कों पर लाखों लोगों की मौत हमें क्यों विचलित नहीं कर रही?

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक, वर्ष 2021 में देश भर में 4.03 लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 1.55 लाख से ज्यादा लोगों की मौतें हुईं और 3.71 लाख लोग घायल हुए। देश में हर घंटे करीब 18 और हर दिन 426 लोग सड़क दुर्घटना में जान गंवा रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आम तौर पर सड़क दुर्घटनाओं में लोग घायल अधिक होते हैं, किंतु उत्तर प्रदेश, मिजोरम, पंजाब और झारखंड में घायलों की तुलना में मौतें अधिक होती हैं।

सरकार का दावा है कि इन हादसों को रोकने के लिए नई सड़कों के निर्माण के साथ ट्रैफिक नियमों के पालन में सख्ती बरती जा रही है, लेकिन ये उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं। वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया में कोरोना महामारी पर चर्चा हो रही थी, उसी दौरान केंद्रीय यातायात मंत्री नितिन गडकरी ने स्वीकार किया कि भारत में सड़क हादसे कोरोना महामारी से भी खतरनाक हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में वाहनों की संख्या दुनिया के कुल वाहनों का सिर्फ तीन फीसदी है, पर दुनिया भर में सड़क हादसों में जितनी मौतें होती हैं, उसका 12.06 फीसदी भारत में है। दिल्ली पुलिस की 'दिल्ली रोड क्रैश रिपोर्ट- 2021' कहती है कि भारत की राजधानी पैदल और विकलांग यात्रियों के लिए सुरक्षित नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, अलग-अलग वाहनों की चपेट में आने से सर्वाधिक (41.15 फीसदी) मौतें पैदल चलने वालों की हुई हैं। अन्य देशों से तुलना करें, तो अमेरिका का परिवहन विभाग पैदल यात्रियों का संरक्षक माना जाता है, जो पैदल, विकलांग और साइकिल यात्रियों के लिए अलग से सुरक्षा उपाय करता है।

ब्रिटेन और बाकी यूरोपीय देशों ने भी पैदल, विकलांग और साइकिल यात्रियों की सुरक्षा के लिए बेहतर यातायात नियम बनाए हैं। हमारी गलत प्राथमिकताओं को समझने का एक जरिया तथाकथित एक्सप्रेस-वे जैसे प्रोजेक्ट भी हैं। उत्तर प्रदेश की पिछली चार सरकारों ने हजारों करोड़ रुपये ऐसी परियोजनाओं में लगाए, वह पैसा सड़क सुरक्षा व सार्वजनिक यातायात को सुदृढ़ करने पर लगाया जा सकता था। आज लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर पसरा सन्नाटा और लखनऊ मेट्रो की वीरानी इसका सबूत है।

सड़क दुर्घटनाएं रोकने की व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार को राज्यों और शहरों में प्रतियोगी भावनाएं पैदा करनी चाहिए। जैसे सफाई के मामले में केंद्र सरकार हर साल महानगरों और शहरों की रैंकिंग करती है, उसी तरह सुरक्षित सड़कों को लेकर राज्यवार रैंकिंग हो और उसी के आधार पर अनुदान दिए जाएं, तो काफी फर्क पड़ सकता है। इसके साथ ही सार्वजनिक यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने पर जोर होना चाहिए।

सरकार और नौकरशाही के अलावा इसमें समाज की भी भूमिका है। हम सभी को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए और सड़क हादसे में घायल लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाना चाहिए। भारतीय रोड कांग्रेस (आईआरसी) का 81वां वार्षिक अधिवेशन आज से 11 अक्तूबर तक लखनऊ में हो रहा है। उम्मीद है कि सरकार और रोड कांग्रेस सालाना डेढ़ लाख मौतों को लेकर गंभीरता से विचार करेंगी और ठोस कदम उठाएंगी।

गलती करने से डरें नहीं, बचने के उपाय करें

गलती करने से डरें नहीं, बचने के उपाय करें

आप इंसान हैं तो गलती भी होगी। कई बार हम परिस्थितियों से परिचित नहीं होते और डर जाते हैं। डर की वजह से गलती कर बैठते हैं। गलतियां न हों, यह संभव नहीं। लेकिन हम गलती करने से बच जरूर सकते हैं। जानिए गलतियों से बचने के लिए क्या करें?

गलती हो तो खुद को नाकाबिल न मानें

एक लीडर की पारंपरिक छवि होती है कि उसे बुद्धिमान और निडर होना चाहिए। किसी भी अन्य भावना की तरह डर के भी विकासवादी पहलू और फायदे हैं। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में गलती से बचने की चिंता रहेगी। ऐसी परिस्थितियों में एक सतर्क लीडर की अहमियत बढ़ जाती है। गलतियां करने से डरें नहीं, न ही गलतियों की वजह से खुद को नाकाबिल लीडर मानें।

अपने भावनात्मक कौशल को बढ़ाएं

गलतियां करने का डर लोगों को अपाहिज बनाता है। इससे बचने के लिए 'इमोशनल एजिलिटी' का सहारा लें। इसमें आपके विचार और भावनाओं को लेबल किया जाता है। डर को बोलकर खत्म किया जाता है। सच्चाई स्वीकारें। अपने मूल्यों पर चलें। किस स्थिति में कौन-से मूल्य काम आएंगे, यह देखें। अपने सबसे अहम पांच मूल्य पहचानें जो निर्णय लेने में मदद दे सकें।

समस्या पहचानकर तुरंत सतर्क हो जाएं

चिंता कई बार बेहतर निर्णय लेने में मददगार होती है। लेकिन सोल्यूशन-फोकस्ड होनी चाहिए। ऐसी चिंता से असफल होने की संभावना कम होती है। हम व्यवस्था नियंत्रित कर सकते हैं, नतीजे नहीं। गलतियां न हों इसके लिए क्या व्यवस्था करें? अपनी चिंता को ऐसे प्रश्नों के दम पर दिशा दें। समस्या को पहचानकर तुरंत सतर्क हो जाएं और उन्हें सुधारने की कोशिश करें।

अपनी सोच का दायरा बढ़ाएं

जब आप गलती करने से डरते हैं तो आपकी सोच एक परिदृश्य पर सीमित होती है। मान लें आप शाम को टहल रहे हैं और फिसलने के डर से अपने पैरों को देख रहे हैं। ऐसे में अचानक एक खम्भे से टकरा जाते हैं। ऐसे ही कोई उड़ने से डरता है और ड्राइव करना चाहता है जबकि सड़क पर ड्राइविंग भी खतरनाक हो सकती है। अपने डर को नया दृष्टिकोण देने की कोशिश करें।

देवी लक्ष्मी करती हैं पृथ्वी का भ्रमण

शरद पूर्णिमा धर्म-कर्म के साथ ही आयुर्वेद के नजरिए से भी खास है इस पूर्णिमा की रात

शरद पूर्णिमा तिथि और शुभ मुहूर्त
पूर्णिमा तिथि आरंभ- 9 अक्टूबर सुबह 3 बजकर 41 मिनट से शुरू
पूर्णिमा तिथि समाप्त- 10 अक्टूबर सुबह 2 बजकर 25 मिनट तक
चंद्रोदय का समय- 9 अक्टूबर शाम 5 बजकर 58 मिनट

रविवार, 9 अक्टूबर को आश्विन मास की पूर्णिमा है। इसे शरद पूर्णिमा कहा जाता है। धर्म-कर्म के साथ ही आयुर्वेद में भी शरद पूर्णिमा का महत्व बताया गया है। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात देवी लक्ष्मी पृथ्वी का भ्रमण करती हैं। इस दौरान देवी सभी से पूछती हैं को जागृति यानी कौन जाग रहा है? इस वजह से शरद पूर्णिमा को कोजागर पूर्णिमा भी कहते हैं।

शरद पूर्णिमा की रात चंद्र की रोशनी औषधीय गुणों से भरपूर रहती हैं। चंद्र की रोशनी हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसी वजह से इस पूर्णिमा की रात में घर के बाहर चंद्र की रोशनी में खीर पकाने की परंपरा है। घर के बाहर खीर पकाने से चंद्र की किरणें खीर पड़ती हैं, जिससे खीर में औषधीय गुण आ जाते हैं।

खीर से मिलती एनर्जी और मन होता है शांत

खीर की मिठास से हमें ग्लूकोस मिलता है, जिससे तुरंत एनर्जी मिलती है, लेकिन जिन लोगों को शुगर संबंधी बीमारी है, उन्हें खीर का सेवन करने से बचना चाहिए। खीर में दूध, चावल के साथ सूखे मेवे, केसर डाले जाते हैं, ये सभी चीजें हमें ऊर्जा देती हैं और भूख शांत करती हैं। खीर के सेवन से मन शांत होता है और सकारात्मकता बढ़ती है।

शरद पूर्णिमा पर खीर का सेवन करने की परंपरा क्यों है?

दरअसल ये शीत ऋतु के आगमन का समय है। वर्षा ऋतु जा रही है। दो ऋतुओं का संधिकाल होने से इस समय खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। शरद पूर्णिमा से मौसम में ठंडक बढ़ने लगती है। इस रात में खीर का सेवन करना इस बात का प्रतीक है कि अब शीत ऋतु में हमें गर्म और ऊर्जा देने वाली चीजों का सेवन करना चाहिए।

ऐसे कर सकते हैं महालक्ष्मी की पूजा

शरद पूर्णिमा रात में देवी लक्ष्मी की पूजा करने की परंपरा है, क्योंकि देवी पृथ्वी का भ्रमण करती हैं। रातभर जागकर पूजा-पाठ और मंत्र जप करते रहना चाहिए। घर के अंदर और बाहर दीपक जलाना चाहिए। मंत्र जप कम से कम 108 बार करना चाहिए। जप के लिए कमल के गट्टे की माला का उपयोग करना चाहिए। मंत्र- ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मयै नमः।

शरद पूर्णिमा पर क्यों खुले आसमान के नीचे रखी जाती है खीर, क्या है इसका महत्व ?

हिंदू धर्म में सभी पूर्णिमा तिथियों में अश्विन माह की शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है। शारदीय नवरात्रि के खत्म होने के बाद अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर शरद पूर्णिमा या कोजागर पूर्णिमा मनाई जाती है। इस वर्ष शरद पूर्णिमा 09 अक्तूबर, रविवार को है। शरद पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस रात को सुख और समृद्धि प्रदान करने वाली रात माना जाता है, क्योंकि कोजागरी पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी पृथ्वी पर आती हैं और घर-घर भ्रमण करती हैं। शरद पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है और इस दिन घर की साफ-सफाई करते हुए मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप किया जाता है। मान्यता है कि जिन घरों में सजावट और साफ-सफाई रहती है और रातभर जागते हुए मां लक्ष्मी की आराधना होती है वहां पर देवी लक्ष्मी जरूर वास करती हैं और व्यक्ति को सुख, धन-दौलत और ऐशोआराम का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। इसके अलावा शरद पूर्णिमा पर रातभर खुले आसमान के नीचे खीर रखी जाती है। मान्यता है कि रात भर चांद की रोशनी में शरद पूर्णिमा पर खीर रखने से उसमें औषधीय गुण आ जाते हैं। फिर अगले दिन सुबह-सुबह इस खीर का सेवन करने पर सेहत अच्छी रहती है। आइए विस्तार से जानते हैं आखिरकार शरद पूर्णिमा की रात्रि पर खीर रहने और खाने के कौन-कौन से फायदे हैं।

शरद पूर्णिमा पर खीर का महत्व

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार चन्द्रमा को मन और औषधि का देवता माना जाता है। शरद पूर्णिमा की रात को चांद अपनी 16 कलाओं से परिपूर्ण होकर पृथ्वी पर अमृत की वर्षा करता है। इस दिन चांदनी रात में दूध से बने उत्पाद का चांदी के पात्र में सेवन करना चाहिए। चांदी में प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है इससे विषाणु दूर रहते हैं। शरद पूर्णिमा की शीतल चांदनी में खीर रखने का विधान है। खीर में मौजूद सभी सामग्री जैसे दूध,चीनी और चावल के कारक भी चन्द्रमा ही है,अतः इनमें चन्द्रमा का प्रभाव सर्वाधिक रहता है। शरद पूर्णिमा के दिन खुले आसमान के नीचे खीर पर जब चन्द्रमा की किरणें पड़ती है तो यही खीर अमृत तुल्य हो जाती है जिसको प्रसाद रूप में ग्रहण करने से व्यक्ति वर्ष भर निरोग रहता है। प्राकृतिक चिकित्सालयों में तो इस खीर का सेवन कुछ औषधियां मिलाकर दमा के रोगियों को भी कराया जाता है। यह खीर पित्तशामक,शीतल,सात्विक होने के साथ वर्ष भर प्रसन्नता और आरोग्यता में सहायक सिद्ध होती है। इससे चित्त को शांति मिलती है।

शरद पूर्णिमा पर क्या करें

- शरद पूर्णिमा पर रात भर जागते हुए मां लक्ष्मी की आराधना करनी चाहिए।
- व्यक्ति को शरद पूर्णिमा की रात को कम से कम कुछ घंटों के लिए चंद्रमा की शीतल चांदनी में बैठना चाहिए।
- इस दिन बनने वाला वातावरण दमा के रोगियों के लिए विशेषकर लाभकारी माना गया है।
- शास्त्रों के अनुसार लंकाधिपति रावण शरद पूर्णिमा की रात किरणों को दर्पण के माध्यम से अपनी नाभि पर ग्रहण करता था। मान्यता है कि इस प्रक्रिया से उसे पुनर्योवन शक्ति प्राप्त होती थी।
- चांदनी रात में कम वस्त्रों में घूमने वाले व्यक्ति को ऊर्जा प्राप्त होती है,जिससे स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
- शरद पूर्णिमा की रात्रि में चंद्रमा की तरफ एकटक निहारने से या सुई में धागा पिरोने से नेत्र ज्योति बढ़ती है।
- शरद पूर्णिमा की रात को 10 से 12 बजे का समय जब चंद्रमा की रोशनी अपने चरम पर होती हैं, इसलिए इस दौरान चंद्रमा के दर्शन जरूर करना चाहिए।

अश्विन महीने की पूर्णिमा पर ही बनता था सोमरस

इस रात चंद्रमा की किरणें अपनी नाभि पर लेता था रावण

शरद ऋतु की पूर्णिमा को ग्रंथों में बहुत खास बताया गया है। इस तिथि पर चंद्रमा की रोशनी में औषधीय गुण आ जाते हैं। इसलिए इस रात चंद्रमा की चांदनी में खीर रखने और उसे अगले दिन प्रसाद के तौर पर खाने की परंपरा है। इस बार ये पर्व 9 अक्टूबर, रविवार को रहेगा।

पूर्णिमा तिथि रविवार को पूरे दिन-रात रहेगी। इसलिए सुबह तीर्थ स्नान और दान करना शुभ रहेगा। दिनभर व्रत और पूजा करने के बाद शाम को चंद्रमा के दर्शन करें।

इसके बाद अर्घ्य दें। सभी देवी-देवताओं को खीर का नैवेद्य लगाएं। फिर रातभर चंद्रमा की रोशनी में खीर रखें और अगले दिन सुबह खाली पेट खीर को प्रसाद के तौर पर खाएं।

शरद पूर्णिमा पर दीपदान की परंपरा

इस पर्व पर दीपदान करने की परंपरा भी है। रात में घी के दीपक जलाकर मन्दिरों, बगीचों और घर में रखें। साथ ही तुलसी और पीपल के पेड़ के नीचे भी रखें। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुए पापों का दोष कम हो जाता है।

शरद पूर्णिमा के दिन ऐरावत पर बैठे इंद्र और महालक्ष्मी की पूजा करने से हर तरह का सुख और समृद्धि मिलती है। इस दिन व्रत या उपवास भी करना चाहिए और कांसे के बर्तन में घी भरकर दान करने से कई गुना पुण्य फल मिलता है।

मान्यता: शरद पूर्णिमा पर ही बनता था सोमरस

शरद पूर्णिमा पर औषधियों की ताकत और बढ़ जाती है। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की रोशनी में ही सोमलता नाम की औषधि का अर्क निकालकर रस बनाया जाता था जिसे सोमरस कहते हैं। इसी रस को देवता पीते थे। जिससे अमृत तत्व और देवताओं की शक्ति बढ़ती थी। ये भी कहा जाता है कि लंकापति रावण शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों को अपनी नाभि में ग्रहण करता था। ऐसा करने से उसे पुनर्योवन शक्ति मिलती थी। यानी उसकी ताकत और बढ़ जाती थी।

आपके जीवन में क्या नयापन लाएगा रविवार का दिन

अंक ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक किसी व्यक्ति की बर्थ डेट यानी जन्म तारीख का योग मूलांक कहलाता है। तो आइए जानते हैं सभी 1 से 9 मूलांक वालों के लिए रविवार का दिन कैसा रहेगा...

मूलांक 1- आज के दिन नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। जरूरी मामलों में कोई भी फैसला सोच-समझकर लें। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। विरोधी परास्त होंगे। मौसम परिवर्तन से सेहत पर असर पड़ सकता है।

मूलांक 2- व्यापार में लाभ प्राप्त होगा। कोई भी नया काम करने से पहले अनुभवियों की सलाह अवश्य ले लें। परिवार में किसी की सेहत बिगड़ सकती है। आज का दिन सामान्य रहेगा।

मूलांक 3- आज के दिन मन प्रसन्न रहेगा। सकारात्मक विचार आएंगे। परिवार के साथ कहीं बाहर जाने का प्लान बन सकता है। साथियों का सहयोग प्राप्त होगा। पुराने अटके हुए काम पूरे होंगे।

मूलांक 4- नई योजनाओं पर अभी काम करना सही नहीं होगा। व्यापारिक प्रयास असफल हो सकते हैं। किसी को भी पैसा उधार न दें। पुराने दोस्तों से आज मिलना हो सकता है।

मूलांक 5- आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। दफ्तर में आपको नई जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। कार्य क्षमता बढ़ेगी। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

मूलांक 6- आज के दिन आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। परिवार का पूर्ण सहयोग मिलेगा। सेहत सामान्य रहेगी। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। कार्यस्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा।

मूलांक 7- व्यापार के काम से जुड़ी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। परिवार में किसी बात को लेकर अनबन हो सकती है। शत्रुओं से सतर्क रहें। आज का दिन मिलजुला रहेगा।

मूलांक 8- उत्साहित रहेंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। मन में नवीन विचारों का आगमन होगा। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। रचनात्मक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में सक्रियता बढ़ेगी।

मूलांक 9- सहकर्मियों के सहयोग से काम पूरे होंगे। मन में अहम ना आने दें। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। अपनी सेहत का ख्याल रखें। कई उपलब्धियां मिलेंगी।

कार्तिक मास आरंभ,जानिए भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए क्या करें

सनातन धर्म में कार्तिक मास का विशेष महत्व बताया गया है,इसको दामोदर मास भी कहा जाता है। इस महीने में भगवान विष्णु और उनके अवतारों की पूजा करना सबसे शुभ माना जाता है। पूरे कार्तिक मास में स्नान,दान और भगवत्पूजन किया जाता है उसे जगत के पालनहार भगवान विष्णु ने अक्षय फल देने वाला बतलाया है। स्वयं ब्रह्माजी कार्तिक मास की महिमा बताते हुए कहते हैं कि कार्तिक मास सब मासों में उत्तम है एवं महीनों में कार्तिक,देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ (बद्रिकाश्रम)श्रेष्ठ है।'न कार्तिकसमो मासो न कृतेन समं युगं, न वेदं सदृशं शास्त्रं न तीर्थं गंगया समं' अर्थात कार्तिक के समान कोई मास नहीं है, न सतयुग के समान कोई युग, वेद के समान कोई शास्त्र नहीं है और गंगा के समान कोई तीर्थ नहीं। इस महीने में तेंतीस कोटि देवता मनुष्य के सन्निकट हो जाते हैं और इसमें किए हुए स्नान,दान,भोजन,व्रत,तिल,धेनु,सुवर्ण, रजत,भूमि,वस्त्र आदि के दानों को विधिपूर्वक ग्रहण करते हैं।

दीपदान

कार्तिक मास के पहले पंद्रह दिनों की रातें वर्ष की सबसे काली रातों में से होती हैं। लक्ष्मी पति के जागने के ठीक पूर्व के इन पंद्रह दिनों में प्रतिदिन दीप का प्रज्ज्वलन करने से जीवन में नई दिशा मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक मास में प्रतिदिन किसी पवित्र नदी, तीर्थ स्थल, मंदिर या फिर घर में रखी हुई तुलसी के पास दीपदान अवश्य करना चाहिए। जो स्वयं दीपदान करने में असमर्थ हो, वह दूसरे के बुझे हुए दीप को जला दे अथवा हवा आदि से उसकी रक्षा करे। ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होकर घर को धन-धान्य से भर देती हैं।

तुलसी की पूजा

कार्तिक मास में वृंदा यानी तुलसी की पूजा का काफ़ी महत्त्व है। भगवान विष्णु तुलसी के हृदय में शालिग्राम के रूप में निवास करते हैं। स्वास्थ्य को समर्पित इस मास में तुलसी पूजा व तुलसी दल का प्रसाद ग्रहण करने से श्रेष्ठ स्वास्थ्य प्राप्त होता है। मान्यता है कि तुलसी यमदूतों के भय से मुक्ति प्रदान करती है। पुराणों में कहा गया है कि कार्तिक मास में लगातार एक महीने तक तुलसी के सामने दीपदान करने पर घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।इसी प्रकार इस मास में तुलसी के पौधे का रोपण करना बहुत पुण्यदायी है।

शालिग्राम

शालिग्राम की पूजा और कीर्तन

कार्तिक में भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए शालिग्राम का पूजन और प्रभु के नामों का स्मरण करना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति किसी भी प्रकार के भय से मुक्त हो जाता है। इसी प्रकार सात समुद्रों तक की पृथ्वी का दान करने से जो फल प्राप्त होता है, शालिग्रामशिला के दान करने से मनुष्य उसी फल को पा लेता है।शास्त्रों के अनुसार जो मनुष्य कार्तिक मास में प्रतिदिन गीता का पाठ करता है उसे अनंत पुण्यों की प्राप्ति होती है।गीता के एक अध्याय का पाठ करने से मनुष्य घोर नरक से मुक्त हो जाते हैं।स्कंद पुराण के अनुसार इस महीने में अन्न दान करने से पापों का सर्वथा नाश हो जाता है।

ब्रह्ममुहूर्त में स्नान

मान्यता है कि कार्तिक महीने में किसी पवित्र नदी में ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करना बहुत लाभकारी होता है। अगर आप नदी के जल में स्नान करने में असमर्थ हैं तो नहाने के पानी में किसी पवित्र नदी का जल मिलाकर भी स्नान किया जा सकता है।

भूमि शयन

भूमि पर सोने से मनुष्य विलासिता में जीने की प्रवृत्ति से कुछ दिनों के लिए मुक्त होता है। इससे स्वास्थ्य लाभ होता है और शारीरिक व मानसिक विकार भी दूर होते हैं।

करवा चौथ से पहले

पत्नी सुनीता संग हाथों में हाथ डाले इजिप्ट घूमते नजर आए अनिल कपूर

बॉलीवुड में कपूर खानदान की धाक हमेशा से रही है. चाहे वो ऋषि कपूर की फैमिली हो या फिर अनिल कपूर और बोनी कपूर का परिवार. जब बात अनिल कपूर की होती है, तो उनके फैंस का जिक्र जरूर किया जाता है.

एक्टर को आज भी उनकी डैशिंग पर्सनालिटी के लिए खूब पसंद किया जाता है. हाल ही में उनकी फिल्म जुग-जुग जियो भी रिलीज हुई थी, जिसमें उनकी एक्टिंग और उनके लुक्स को खासा पसंद किया गया था. हालांकि इन दिनों अनिल कपूर अपनी वाइफ सुनिता कपूर के साथ इजिप्ट में घूमते नजर आ रहे हैं. उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी वाइफ के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जो बेहद ही प्यारी लग रही है.

एक्ट्रेस मोनालिसा ने

ऑफ शोल्डर शिमरी गाउन में दिखाया अपना कातिलाना लुक, ग्लैमरस अदांज में दिखी बोल्ड

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा अपने लुक की वजह से अक्सर चर्चा में रहती हैं. मोनालिसा भोजपुरी की उन एक्ट्रेस में शुमार हैं जो न सिर्फ अपनी फिल्मों से बल्कि अपने हर लुक से भी खूब लाइमलाइट में रहती हैं. भोजपुरी सिनेमा और टीवी पर अपने अभिनय के जरिए लाखों दर्शकों के दिल राज करने वाली अभिनेत्री मोनालिसा अपनी कातिल अदाओं से खूब सुर्खियां बटोरती हैं. वे आए दिन ही सोशल मीडिया के जरिए फैंस का ध्यान खींचती हैं. इसी कड़ी में उन्होंने एक बार फिर से अपने लुक से अपने फैंस का दिल धड़का दिया है.

'तारक मेहता' की आराधना शर्मा ने पार की बोल्डनेस की हदें

बार-बार लोग पूछते थे शादी से पहले प्रेग्नेंसी को लेकर सवाल

टीवी के फेमस शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के हर किरदार को लोग खूब पसंद करते हैं. इस शो में समय-समय पर कई किरदार छोटे-छोटे रोल में नजर आते हैं और उन्हीं में से एक हैं आराधना शर्मा. हालांकि अराधना शर्मा अभी तो शो का हिस्सा नहीं हैं लेकिन अपने बोल्ड बयानों और हॉट तस्वीरों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. हाल ही में आराधना ने अपनी कुछ हॉट फोटोज शेयर की हैं. आराधना शर्मा जो शो में कुछ ही समय के लिए आई थी, लेकिन आज वह तारक मेहता की अदाकारा के तौर पर जानी जाती हैं

नीना गुप्ता की बेटी मसाबा गुप्ता ने फ्लॉन्ट की बिकिनी बॉडी

बॉलीवुड एक्ट्रेस नीना गुप्ता की बेटी मसाबा गुप्ता बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखती हैं. मसाबा सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं और साथ ही वो बॉलीवुड की सबसे बड़े फैशन डिजाइनर के तौर पर जानी जाती हैं. हाल ही में उन्हें आपने मसाबा-मसाबा सिजन 2 में देखा होगा. मसाबा गुप्ताने अपनी मेहनत के बलबूते एक मशहूर फैशन डिजाइनर के तौर पर खुद को इंडस्ट्री में स्थापित किया. 'मसाबा मसाबा' वेब सीरीज को लोगों का भरपूर प्यार मिला. अपनी फिटनेस का भी मसाबा खूब ख्याल रखती हैं. सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में वह परफेक्ट बिकिनी बॉडी फ्लॉन्ट करती नजर आई हैं. इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया है कि उनके पास 99 स्विमसूट हैं.

प्रियंका चोपड़ा ने ईरानी महिलाओं की तारीफ की

पोस्ट शेयर कर कहा - आपकी सोच और जज्बे को सलाम

ईरान में महसा अमिनी की मौत के बाद से ही वहां की महिलाएं सरकार और पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं अब प्रियंका चोपड़ा ने ईरान में चल रहे महिलाओं के प्रोटेस्ट को अपना समर्थन दिया है। इस मामले में प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। प्रियंका ने कहा है कि जो आवाजें चुप थी वो आने वाले समय में ज्वालामुखी की तरह फटेगी। साथ ही उन्होंने ईरानी महिलाओं की हिम्मत और जज्बे की तारीफ भी की है।

आज तक जो आवाजें चुप थी वो अब ज्वालामुखी की तरह फटेगी

प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा - महसा अमिनी नाम की एक यंग लड़की जिसको ईरान की मोरैलिटी पुलिस ने सिर्फ इसलिए मार दिया क्योंकि उसने सही ढंग से हिजाब नहीं पहना था,आज उस निर्दोष लड़की के सपोर्ट में ईरान समेत पूरी दुनिया भर की महिलाएं अपनी आवाज बुलंद कर रही हैं, सार्वजनिक रूप से अपने बाल काट रही हैं साथ ही साथ और भी कई तरीकों से विरोध कर रही हैं। आज तक जो आवाजें चुप थी वो आने वाले समय में भी ज्वालामुखी की तरह फटेगी।

ईरानी महिलाओं की हिम्मत और जज्बे की तारीफ करती हूं- प्रियंका

प्रियंका ने अपनी पोस्ट में ईरानी महिलाओं की तारीफ करते हुए आगे लिखा- मैं आपके हिम्मत और जज्बे की तारीफ करती हूं,अपनी लाइफ को रिस्क में डालना आसान काम नहीं है। आप हिम्मती महिलाएं हैं जो हर दिन मौत से लड़ रहीं हैं। प्रियंका ने अपनी पोस्ट में गवर्मेंट में बैठे लोगों से अपील की है कि वे उन महिलाओं की प्रॉबल्म्स समझने की कोशिश करें जो अपना सब कुछ छोड़ कर इस आंदोलन में भाग ले रही हैं। प्रियंका ने अपनी पोस्ट के जरिए लोगों से ये अपील किया है कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस मूवमेंट के साथ जुड़े ताकि आगे चलकर ऐसे कैंपेन को बल मिल सके। सही ढंग से हिजाब नहीं पहनने की वजह से पुलिस ने महसा को अरेस्ट किया था

रानी मुखर्जी का गोल्डन साड़ी में दिखा रॉयल लुक

मुस्कान पर फिदा हुए फैंस

रानी मुखर्जी बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं। एक्ट्रेस ने सिनेमा में एक से बढ़कर एक फिल्में देकर खुद को एक बड़े मुकाम पर पहुंचाया है। रानी मुखर्जी की एक झलक पाने के लिए फैंस बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस रानी मुखर्जी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वहीं अब एक्ट्रेस की कुछ फोटोज सामने आई है।

रानी मुखर्जी ने इन फोटोज को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है जिसमें आप देख सकते हैं कि वो गोल्डन साड़ी में नजर आ रही हैं। इन फोटोज में उनका एक दम रॉयल लुक देखने को मिल रहा है जिसे देख फैंस दीवाने हो रहे हैं। रानी मुखर्जी इस फोटो में अदाओं के तीर चला रही है और उनका अंदाज फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। एक्ट्रेस ने हैवी जूलरी पहनी हैं और उनका मेकअप कमाल का लग रहा है। इसी के साथ उन्होंने बालों का बन बनाया है। रानी मुखर्जी की इस फोटो में स्माइल लोगों का दिल चुरा रही हैं। इन फोटोज ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इंडियन हो या वेस्टर्न हर लुक में रानी मुखर्जी बेहद ही खूबसूरत लगती हैं जिनसे नजरें हटाना मुश्किल हो जाता है। रानी मुखर्जी ने इन फोटोज को शेयर करते हुए कैप्शन में गोल्डन ब्यूटी लिखा जिसपर फैंस ने कमेंट्स की बौछार कर दी है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए उन्हें 'कोहिनूर' बताया। वहीं एक यूजर ने 'ओल्ड इज गोल्ड' लिखा। वहीं एक्ट्रेस की फोटो को अब तक हजारों लाइक्स मिल चुके हैं।

यामी गौतम स्टारर लॉस्ट अटलांटा इंडियन फिल्म फेस्टिवल की क्लोजिंग फिल्म बनी

हाल ही में शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल (सीएसएएफएफ) में स्टैंडिन ओवेशन और जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद, यामी गौतम धर अभिनीत फिल्म लॉस्ट ने अटलांटा इंडियन फिल्म फेस्टीवल का समापन किया है । लॉस्ट एक भावनात्मक सामाजिक थ्रिलर है जो एक उच्च खोज, सहानुभूति और अखंडता के खोए हुए मूल्यों की खोज का प्रतिनिधित्व करती है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित, लॉस्ट एक उज्ज्वल युवा महिला क्राइम रिपोर्टर की कहानी है जो एक युवा थिएटर कार्यकर्ता के अचानक गायब होने के पीछे की सच्चाई की अथक खोज में है।

यामी गौतम की लॉस्ट

सीएसएएफएफ में उत्साहजनक प्रतिक्रिया के बाद, निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी अटलांटा इंडियन फिल्म फेस्टिवल में अपनी इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा थ्रिलर को प्रदर्शित करने के लिए खुश थे। दर्शकों ने न केवल कलाकारों द्वारा शानदार प्रदर्शन और शानदार कथा की प्रशंसा की, बल्कि मजबूत महिलाओं, नारीवाद और पत्रकारिता आदि सहित विषयों की भी सराहना की।

अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए, अनिरुद्ध ने कहा, "मैं दुनिया भर के विभिन्न प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में 'लॉस्ट' को मिल रही प्रतिक्रिया से वास्तव में खुश हूं। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में फिल्म को जिस तरह की पहचान और प्रशंसा मिली, उससे लोगों की उम्मीदें कई गुना बढ़ गई हैं।

यामी ने क्राइम रिपोर्टर के अपने किरदार के साथ पूरा न्याय किया है। अटलांटा इंडियन फिल्म फेस्टिवल में समापन के रूप में फिल्म के चयन पर मुझे इससे ज्यादा खुशी और गर्व की अनुभूति नहीं हो सकती थी ।"

शहनाज़ गिल के पिता को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी

कॉलर बोला- दिवाली से पहले घर में घुसकर मारेंगे

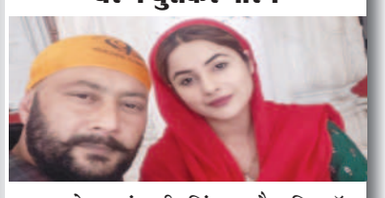

एक्ट्रेस, पंजाबी सिंगर और बिगबॉस सीजन-13 की फाइनलिस्ट शहनाज़ गिल के पिता को फ़ोन पर जान से मारने की धमकी मिली है. शहनाज़ के पिता संतोंख सिंह सुख ने अमृतसर देहाती पुलिस में इस संबंध में शिकायत भी दी है. जानकारी के मुताबिक अमृतसर से जालंधर के रास्ते में जंडियाला के पास संतोख सिंह के फ़ोन पर विदेशी नंबर से कॉल आयी थी. फोन उठाने पर कॉलर ने उन्हें दिवाली से पहले घर में घुसकर जान से मारने की धमकी दी. कॉलर ने संतोख को जान से मारने की धमकी देने से पहले गाली-गलौज भी की थी. शहनाज गिल के पिता संतोख सिंह को इससे पहले भी जान से मारने की धमकियां मिल चुकी है. संतोख 2021 में बीजेपी में शामिल हुए थे और 25 दिसंबर को दो अज्ञात हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया था. दोनों आरोपियों ने संतोख पर फायरिंग शुरू कर दी थी.

'हाउसफुल 5' की तैयारियां हुईं शुरु, अक्षय, जॉन, अभिषेक, बॉबी और रितेश आ सकते हैं नजर

हाउसफुल सीरीज की चार फिल्में आ चुकी हैं और यह चारों बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी के परचम लहरा चुकी हैं. अब हाउसफुल सीरीज की पांचवीं फिल्म को लेकर जानकारी सामने आ रही है. पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की स्क्रिप्ट काम शुरू हो चुका है. साजिद नाडियाडवाला द्वारा बनाई गई हाउसफुल फ्रैंचाइज़ी अक्षय कुमार की कॉमिक टाइमिंग के लिए जानी जाती है. यह हिंदी सिनेमा में उन फ्रेंचाइजी में से एक है जिसका 100 प्रतिशत हिट होने का अनुपात है.

अब साजिद नाडियाडवाला ने हाउसफुल फ्रैंचाइज़ी की पांचवीं किस्त के लिए तैयारी शुरू कर दी है, जिसका शीर्षक हाउसफुल 5 है और वर्तमान में स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं. फिल्म में अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और बॉबी देओल मुख्य भूमिका में होंगे. फिल्म के करीबी एक सूत्र ने बताया कि हाउसफुल 5 फ्रैंचाइज़ी की सबसे बड़ी फिल्म होगी. हाउसफुल 5 को अगले साल के अंत में फ्लोर पर ले जाने का विचार है.

दीपिका पादुकोण का चौंकाने वाला खुलासा

बताया- इस वजह से नहीं करती हॉलीवुड फिल्में दीपिका पादुकोण का सिनेमा में बड़ा नाम हैं।

एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपनी खूबसूरती को लेकर भी छाई रहती हैं। दीपिका पादुकोण एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने अपनी एक्टिंग का डंका हॉलीवुड सिनेमा में भी बजाया है। वहीं अब उन्होंने एक ऐसा बयान दिया है जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। इतना ही नहीं लोग एक्ट्रेस की बात सुनकर हैरान हो गए है और जमकर रिएक्शन दे रहे हैं।

दीपिका पादुकोण का बड़ा बयान

दीपिका पादुकोण ने हॉलीवुड फिल्मों में काम करने को लेकर एक्सपीरियंस भी शेयर कया है। एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में बताया कि, 'वहां के लोग बाहरी देशों के लोगों को किस नजर से देखते हैं।' आगे कहा कि, 'जब भी वो यूएस जाती हैं तब उन्हें कोई ना कोई खरी-खोटी कही जाने वाली बातें दुखी जरूर करती है। इसे साथ ही एक्ट्रेस ने हॉलीवुड की फिल्में नहीं करने के पीछे की वजह का भी खुलासा किया।

इस वजह से नहीं करती हॉलीवुड में काम

दीपिका पादुकोण ने हॉलीवुड की (3 एक्स : जेंडर केज की वापसी) में काम किया था जिसके बाद उन्होंने कोई भी हॉलीवुड फिल्म नहीं की।

ऐसा क्यों? इसपर एक्ट्रेस ने बताया की, 'जिनसे मैं वैनिटी फेयर पार्टी में मिली थी।

उन्होंने मुझसे एक बार कहा था कि वैसे तुम बहुत अच्छी इंग्लिश बोलती हो। मुझे समझ ही नहीं आया कि आखिर इस बात का मतलब क्या था। और जब मैंने उनसे पूछा कि क्या मतलब है कि मैं इंग्लिश बहुत अच्छी बोलती हूं। क्या उनके दिमाग में ऐसी सोच थी कि हम इंग्लिश नहीं बोलते!'

फैंस ने दिया जमकर रिएक्शन

दीपिका पादुकोण के इस स्टेटमेंट के बाद पैंस जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। कोई एक्ट्रेस का स्पोर्ट कर रहा है कर रहा है तो कोई उन्हें ट्रोल कर रहा है।

बता दें, दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार हैं और उन्होंने सिनेमा में एक से बढ़कर एक फिल्में देकर खुद को एक बड़े मुकाम पर पहुंचाया है। दीपिका पादुकोण की फैन फॉलोइंग काफी जबरदस्त हैं और यही वजह है कि वो आज लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं।

साजिद खान को मिला फिल्ममेकर गहना वशिष्ठ का साथ

इंजीनियर से मॉडल और मॉडल से फिल्ममेकर बनीं अभिनेत्री गहना वशिष्ठ ने फिल्म निर्देशक साजिद खान को कलर्स चैनल के कार्यक्रम 'बिग बॉस' में शामिल किए जाने को गलत नहीं माना है। उन्होंने कहा कि हर इंसान को गलती के बाद सुधरने का मौका मिलना चाहिए और अगर मौका मिलने के बाद भी वह नहीं सुधरे तो अलग बात है। लेकिन किसी से जाने अनजाने में हुई गलती की सजा

बोलीं- 'पहला पत्थर वो मारे जो पापी न हो'

उसे जीवन भर नहीं दी जा सकती। गहना के मुताबिक साजिद के स्वभाव में लोगों को चौंकाने की प्रवृत्ति शामिल रही है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि वह हर लड़की के साथ ही हमबिस्तर होना चाहते हैं।

सलमान खान की मेजबानी में होने वाले कलर्स चैनल के रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 16वें सीजन में निर्देशक साजिद खान की एंट्री को लेकर मुंबई फिल्म जगत के कुछ कलाकारों ने बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर अभियान छेड़ रखा है। सोना महापात्रा, मंदाना करीमी, सोन्या कपूर आदि ने चैनल के इस कदम को गलत बताते हुए इसे एक गलत परंपरा की शुरुआत बताया और मांग की कि इसके लिए चैनल को तुरंत उचित कदम उठाने चाहिए। मीटू अभियान के दौरान कई अभिनेत्रियों के निशाने पर रहे निर्देशक साजिद खान के समर्थन में सलमान खान के आवाज उठाने के बाद गहना वशिष्ठ दूसरी ऐसी सेलिब्रिटी हैं, जिन्होंने कलर्स चैनल के इस कदम को सही ठहराया है। गहना के मुताबिक साजिद की आदत सब कुछ खुले आम करने की रही है और अक्सर जो वह कर रहे होते हैं, उसका मकसद वह नहीं होता जो दूसरों को समझ आता है। वह बस लोगों को चौंकाने का शौक रखते हैं, ऊटपटांग बोलते हैं लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि वह अपने से मिलने आई हर औरत के साथ हमबिस्तर ही होना चाहते हैं। गहना वशिष्ठ कहती हैं, 'साजिद खान ने जीवन में गलतियां की हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन हम सब गलतियां करते हैं। सबकी अलमारियों में कोई न कोई राज छिपे हैं। लेकिन, वह एक काबिल निर्देशक हैं और एक मौका तो उन्हें भी दिया ही जाना चाहिए।

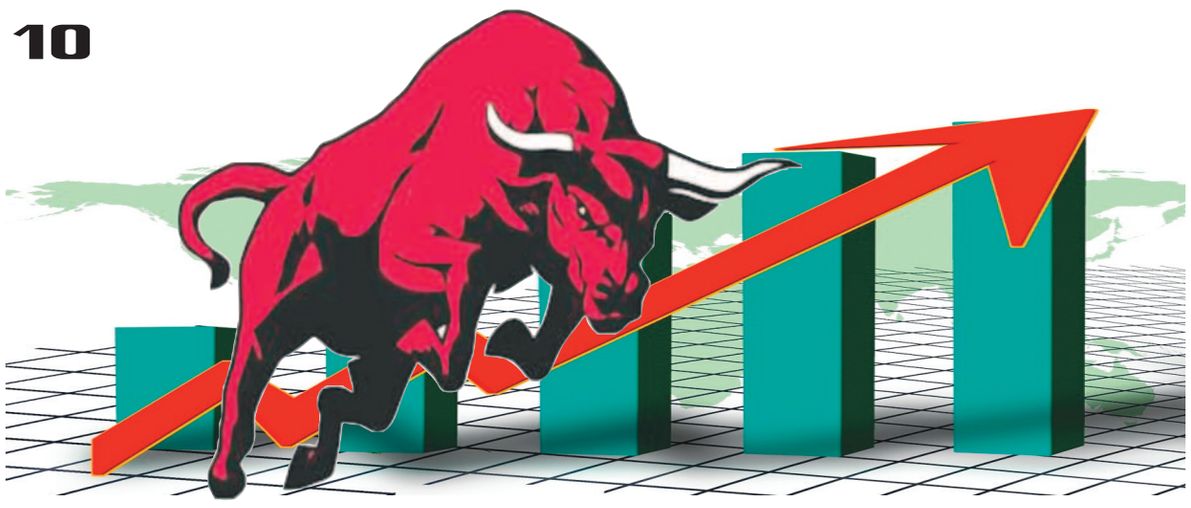

देश में रिटेल सेक्टर में जॉब खोजने वाले हुए कम! 11.8 फीसदी घट गई नौकरियों की मांग

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। खुदरा क्षेत्र में नौकरी की तलाश करने वाले भारतीयों की संख्या अगस्त 2021 के मुकाबले इस वर्ष अगस्त में 11.80 फीसदी घट गई है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान पेश किया गया है। वैश्विक रोजगार वेबसाइट 'इन्डीड' ने एक रिपोर्ट में कहा कि अगस्त 2019 से अगस्त 2022 के बीच के समय में खुदरा क्षेत्र में रोजगार 5.50 फीसदी घट गए और वैश्विक महामारी के दौरान तथा उसके बाद खुदरा क्षेत्र में नौकरी

तलाश करने वाले भारतीय लोगों की संख्या भी घटी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2020 से अगस्त 2021 के बीच खुदरा रोजगार 27.70 फीसदी बढ़े थे, लेकिन अगस्त 2021 से अगस्त 2022 के बीच इनमें 11.80 फीसदी की गिरावट आ गई। ऐसा मोटे तौर पर लॉकडाउन की वजह से और घर से ही काम करने (वर्क फ्रॉम होम) की संस्कृति की वजह से हुआ जिसमें लोगों ने त्योहारों के दौरान भी ऑनलाइन खरीदारी की। यह रिपोर्ट अगस्त 2019 से अगस्त 2022 के बीच इन्डीड मंच पर उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है। इसके मुताबिक खुदरा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 22.9 फीसदी नौकरियां 'शाखा प्रबंधक' जैसी प्रबंधन भूमिका के लिए निकलीं जबकि सेल्स एसोसिएट स्तर पर यह आंकड़ा 10.07 फीसदी, स्टोर मैनेजर के लिए 9.52 फीसदी, लॉजिस्टिक्स के लिए 4.58 फीसदी और मर्चेंडाइजर के लिए 4.39 फीसदी रहा।

आरोप : शीवाज रीगल शराब कंपनी ने की 20.1 अरब की कर चोरी

फ्रांस की कंपनी पर्नोड रिकर्ड को नोटिस

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। शीवाज रीगल शराब बेचने वाली फ्रांस की दिग्गज कंपनी पर्नोड रिकर्ड पर 20.1 अरब रुपये की कर चोरी का आरोप है। इस संबंध में भारतीय कर अधिकारियों ने कंपनी को नोटिस भेजा है। इसमें एक दशक से अधिक समय तक आयातित शराब का कम मूल्यांकन करने का दावा किया गया है। भारतीय सीमा शुल्क प्राधिकरण ने 27 जून को भेजे नोटिस में कहा कि पर्नोड रिकर्ड इंडिया ने 2009-10 से 2020-21 के दौरान आयातित शराब का कम मूल्यांकन किया। इसकी वजह से उसे कम आयात शुल्क चुकाना पड़ा। इस तरह, कंपनी पर 2020 तक 24.4 करोड़ डॉलर के साथ अतिरिक्त ब्याज बकाया है। वहीं, कम कीमत वाले आयात की भरपाई के लिए पर्नोड रिकर्ड ने

फ्रांस में भारी लाभांश का भुगतान किया। शराब के आयात पर 150 फीसदी टैक्स लगता है, जबकि लाभांश पर इससे कम। उधर, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शराब कंपनी ने टैक्स संबंधी मांग को भारतीय कोर्ट में चुनौती दी है। मंगलवार को सुनवाई होनी है। शीवाज रीगल और एब्सल्यूट वोदका बनाने वाली कंपनी का कहना है कि विवादों ने देश में नए निवेश को बाधित किया है। प्राधिकरण ने 17 पन्ने के नोटिस में कहा कि आयातित वस्तुओं के संबंध में घोषित मूल्य की सटीकता पर संदेह के पर्याप्त कारण हैं। ऐसा लगता है कि आयात मूल्य इस तरह से तय किया गया है कि होल्डिंग कंपनियों को होने वाले मुनाफे को अधिकतम किया जा सके। यह भी कहा कि पर्नोड को बिल में 2021 से आयात किए जाने वाले विभिन्न माल्ट के इनवॉयस मूल्य में 67.49 फीसदी की वृद्धि करनी चाहिए। पर्नोड रिकर्ड इंडिया ने कहा, हमने पूरी पारदर्शिता व नियमों के पालन के साथ काम करने का प्रयास किया है। हम भारतीय अफसरों के सामने अपना पक्ष रख रहे हैं। पर्नोड का कहना है कि आयात शुल्क में भारी कटौती होनी चाहिए। प्रत्येक राज्य के स्थानीय कर भी होते हैं, जो कुछ क्षेत्रों में 250 फीसदी तक हैं। आईडब्ल्यूएसआर ड्रिंक्स मार्केट के विश्लेषकों का कहना है कि शीवाज रीगल, ग्लैनलिवेट, ब्लेंडर्स प्राइड और 100 पाइपर्स जैसे ब्रांड के साथ पर्नोड का भारतीय शराब बाजार में 17 फीसदी हिस्सेदारी है। भारत में पर्नोड को 2020-21 में 2.4 अरब डॉलर का राजस्व मिला था। इसमें आयात शुल्क और राज्यों के टैक्स का 79 फीसदी हिस्सा भी शामिल है। इस दौरान उसकी भारतीय इकाई का शुद्ध लाभ 13 करोड़ डॉलर रहा था।

सेवा क्षेत्र में आई भारी गिरावट

इस अप्रैल-सितंबर में कुल 7.65 लाख करोड़ की लगाई गई पूंजी

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। चार वर्षों में अप्रैल से सितंबर के दौरान मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 34 फीसदी नया निवेश बढ़ा है, जबकि सेवा क्षेत्र में भारी गिरावट आई है। मैन्यूफैक्चरिंग में नया निवेश इस साल अप्रैल से सितंबर के बीच 55 फीसदी रहा। जबकि 2018 में इसी अवधि में यह केवल 21.15 फीसदी और 2019 में 13.14% था। सेवा क्षेत्र (वित्त को छोड़कर) में 2018 के अप्रैल से सितंबर में नया निवेश 43.18% था। 2021 में 30.14% हुआ और इस साल 5.19% रह गया। अप्रैल से सितंबर में केमिकल और संबंधित उत्पाद, ऊर्जा में कुल निवेश का 78% है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे स्थान पर केमिकल एवं केमिकल उत्पाद हैं। 2018 में इनका नया निवेश 7.15 फीसदी और 2022 में अप्रैल से सितंबर के बीच यह 40% रहा। इलेक्ट्रिसिटी में भी 2018 में अप्रैल-सितंबर में निवेश 17.12% था जो अब 37% से ऊपर पहुंच गया है। अप्रैल से सितंबर के दौरान सबसे ज्यादा

नया निवेश 2015 में हुआ था जो 12.150 लाख करोड़ रुपये था। 2016 में यह घटकर 10.123 लाख करोड़ रुपये हुआ। इस साल यह बढ़कर 7.165 लाख करोड़ रुपये रहा है। ट्रांसपोर्ट क्षेत्र में नया निवेश 2018 में अप्रैल से सितंबर के दौरान 32.15 फीसदी था जबकि इस साल इसी अवधि में यह घटकर 1.18 फीसदी हो गया। पिछले साल 19.12 फीसदी नया निवेश था। निर्माण और रियल एस्टेट में अप्रैल-सिंतबर, 2018 में 14.16 फीसदी नया निवेश था। इस साल यह घटकर केवल 0.12 फीसदी हो गया है। पिछले साल यह 2.17% पर था।

झूले पर बैठकर होगा घाटी का दीदार

पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने के लिए डल झील में लगेगी 'श्रीनगर आई'!

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर घूमने गए पर्यटकों को जल्द ही 'लंदन आई' की तरह 'श्रीनगर आई' पर बैठकर घाटी के दीदार का मौका मिल सकता है। दरअसल, सरकार वहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा फेरिस व्हील (बड़े से पहिए के आकार का झूला) लगाने की योजना बना रही है। इसके लिए स्थान भी चुन लिया है। इसे डल झील के बीच में एक छोटे द्वीप पर लगाया जाएगा। इस जगह को डोल डेंब कहते हैं और ये डल झील के बीच में जमीन का टुकड़ा है।इसकी लंबाई करीब 2.15 किलोमीटर है। सरकार की योजना इस क्षेत्र को 'हाई-एंड टूरिज्म' के लिहाज से विकसित करने की है। केंद्र सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र तो बनेगा ही, इसके अलावा ये कश्मीर में सामान्य होते हालात का भी संकेत होगा। जेएंडके झील संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने वैश्विक विशेषज्ञों से इस व्हील के लिए प्री-फीजिबिलटी रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा है। वे इस व्हील प्रोजेक्ट के लिए एक विस्तृत एनालिसिस करेंगे। व्हीला का डायामीटर करीब 100 मीटर होगा। अगर इस रिपोर्ट में प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाई जाती है तो फिर एक टेक्नो-इकोनॉमिक फीजिबिलटी अध्ययन होगा। इसके बाद डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाएगी और एक टेंडर निकाला जाएगा। अंत में इसका निर्माण कार्य टेंडर हासिल करने वाली एजेंसी को सौंप दिया जाएगा।अगर ये फेरिस व्हील बनकर तैयार हो जाता है तो निश्चित तौर पर इससे वहां अन्य पर्यटक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। खबर के अनुसार, डल लेक और नागिन लेक के आसपास इससे 775 बोट हाउस और शिकारा के बिजनेस में बढ़ोतरी होगी। श्रीनगर में डल झील सबसे बड़ा पर्यटन केंद्र है। इसके आसपास पर्वत श्रृंखला है जो इन पूरे इलाके को बेहद दर्शनीय बनाती है। हर साल लोग अक्टूबर के महीने में बड़ी संख्या में यहां आते हैं। इसे व्हील की वजह से लोगों को एक ही जगह पर बैठकर श्रीनगर के नजारे दिखाई देंगे। यही कारण है कि डल झील इस झूले के लिए पहली पसंद हैं।

16 स्टेशनों का होगा कायाकल्प

रीडेवलपमेंट के लिए बोलियां आमंत्रित करेगा रेलवे

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने यात्रियों के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 16 रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड करने का फैसला किया है। रेलवे पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत आनंद विहार टर्मिनल समेत 16 स्टेशनों पर रीडेवलपमेंट के लिए अगले 2 महीनों में बोलियां आमंत्रित करेगा। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि रीडेवलपमेंट किए जाने वाले अन्य स्टेशनों में तांबरम, विजयवाड़ा, दादर, कल्याण, ठाणे, अंधेरी, कोयंबटूर जंक्शन, पुणे, बेंगलुरु सिटी, वडोदरा, भोपाल, चेन्नई सेंट्रल, दिल्ली हजरत निजामुद्दीन और अवादी शामिल हैं।रेलवे की चालू वर्ष में ही इन स्टेशनों के लिए बोली लगाने की योजना है। सूत्रों ने कहा कि यात्रियों के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए इन रेलवे स्टेशनों का अपग्रेड किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, प्राइवेट सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न मोनेटाइजेशन मॉडलों की जांच की जा रही है। पहले चरण में 50 लाख प्रतिदिन की संख्या वाले 199 स्टेशनों का रीडेवलपमेंट करने की योजना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि रीडेवलप स्टेशनों के डिजाइन में रिटेल बिक्री, कैफेटेरिया और मनोरंजक सुविधाओं के लिए स्थान का भी प्रावधान होगा। वैष्णव ने कहा था कि 47 स्टेशनों के लिए टेंडर निकल चुकी है और 32 स्टेशनों पर काम चल रहा है।

दिवाली से पहले महंगी हुई सीएनजी:दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में कीमत 3 रुपए बढ़ी

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत 3 रुपए बढ़ गई है। वहीं, पीएनजी की कीमत भी 3 रुपए बढ़ी है। सीएनबीसी से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में नई कीमत 8 अक्टूबर, यानी आज सुबह 6 बजे से लागू हो गई हैं। अब दिल्ली में प्रति किलो सीएनजी की कीमत 78.61 रुपए हो गई है। अभी दिल्ली में प्रति किलो सीएनजी की कीमत 75.61 रुपए थी। आज से नई कीमत लागू होने के बाद नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद में शनिवार से प्रति किलो सीएनजी के लिए 78.17 रुपए के बजाय 81.17 रुपए देने होंगे। वहीं, गुरुग्राम में अब सीएनजी 83.94

प्रति किलोग्राम की जगह 86.94 प्रति किलोग्राम के रेट में मिलेगी। अगर पीएनजी की कीमत की बात करें तो दिल्ली में इसकी कीमत बढ़कर 53.59 प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर हो गई है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में इसका रेट 53 रुपए होगा। वहीं, मुजफ्फरनगर, शामली और मेरठ में कीमत 56.97 हो गई है। कानपुर, फतेहपुर और हमीरपुर में रेट 56.10 होंगे। इससे पहले मुंबई में भी इसी हफ्ते गैस वितरण कंपनी महानगर गैस लि. ने सीएनजी के दाम 6 रुपए बढ़ाए थे। अभी मुंबई में सीएनजी की कीमत 86 रुपए है। कुछ दिन पहले पेट्रोलियम मंत्रालय ने नेचरल गैस की कीमत 40% बढ़ाई थी। इसके बाद से देश के अलग-अलग शहरों में सीएनजी की कीमत बढ़ने की अनुमान लगाया जा रहा था। नेचुरल गैस की कीमतों में तेजी से अब सीएनजी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। जानकारों के अनुसार सरकार ने पिछले सप्ताह पुराने गैस सेक्टर से उत्पादित गैस के लिए भुगतान की जाने वाली दर को मौजूदा 6.1 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (प्रतिशत इकाई) से बढ़ाकर 8.57 डॉलर प्रति इकाई कर दिया।

गूगल की बढ़ती मुश्किलें

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने एक और जांच का दिया आदेश

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिग्गज टेक कंपनी गूगल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। दरअसल, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग यानी सीसीआई ने न्यूज कंटेंट के संबंध में रेवेन्यू शेयरिंग की कथित अनुचित शर्तों को लेकर गूगल के खिलाफ एक और विस्तृत जांच का आदेश दिया है सीसीआई ने शुक्रवार को जारी इस आदेश में कहा कि इस संबंध में रेगुलेटर की जांच शाखा के महानिदेशक अब कंसोलिडेटेड जांच रिपोर्ट सौंपेंगे। सीसीआई के अनुसार, यह मामला गूगल के खिलाफ चल रहे 2 अन्य मामलों के साथ जोड़ा जाएगा जहां आरोप काफी हद तक समान हैं। गूगल के खिलाफ यह ताजा आदेश दरअसल न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन की तरफ से दर्ज एक शिकायत के बाद आया है।

एसोसिएशन ने आरोप लगाया था कि सर्च इंजन के रिजल्ट वाले पेज में अपने 'वेबलिंक' को प्राथमिकता देने के लिए उसके सदस्यों को गूगल को अपनी न्यूज कंटेंट प्रदान करने के लिए मजबूर किया जाता है। शिकायत के अनुसार, इसके चलते गूगल उसके सदस्यों को पर्याप्त मुआवजा दिए बिना

उनकी कंटेंट का मुफ्त में इस्तेमाल करता है। इससे पहले सीसीआई ने इस साल जनवरी में डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन की तरफ से दर्ज शिकायत के आधार पर गूगल के खिलाफ जांच का आदेश दिया था। वहीं, सर्च इंजन गूगल की अपने ऐप स्टोर 'गूगल प्ले' पर केवल दैनिक फंतासी खेलों और रमी खेल एप्लिकेशन को ही अनुमति देने की पॉलिसी के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में दायर एक याचिका पर अदालत ने गूगल का पक्ष जानना चाहा है। यह याचिका एक ऑनलाइन गेमिंग ऐप ने दायर की है जिसका कहना है कि 'गूगल प्ले' से उन सभी खेलों को हटा दिया गया है जिनमें पैसा शामिल होता है। याचिका में अंतरिम राहत देने की अपील की गई है।

सोने-चांदी में शानदार तेजी:सोना 52 हजार और चांदी 61 हजार के करीब पहुंची, दिवाली तक और बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते सोना 1,374 रुपए की तेजी आई है। इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 3 अक्टूबर को सोना 50,391 रुपए पर था, जो अब 51765 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है।

इस हफ्ते भी चांदी में साढ़े 3 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते चांदी 57,268 रुपए से बढ़कर 60,848 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 3,580 रुपए की तेजी आई है। केडिया एडवायजरी

के डायरेक्टर अजय केडिया ने बताया कि भारतीय होलसेलर सोने पर 1-2 डॉलर प्रति आउंस प्रीमियम चुका रहे हैं। चीन में ये 25-30 डॉलर और तुर्की में 80 डॉलर है।

यही वजह है कि बैंकों ने भारत का सोना इन देशों में भेज दिया है। त्योहारों में डिमांड बढ़ने से भारत में भी होलसेलर 8-10 डॉलर तक प्रीमियम चुकाकर गोल्ड खरीदेंगे। इससे दिवाली तक सोने में 1000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक तेजी आ सकती है सोना खरीदते वक्त उसकी क्वॉलिटी पर जरूर गौर करें। सबसे अच्छा है कि हॉलमार्क देखकर सोना खरीदें। हॉलमार्क सरकारी गारंटी है। हॉलमार्क का निर्धारण भारत की एकमात्र एजेंसी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड करती है। हॉलमार्किंग योजना भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के तहत संचालन, नियम और विनियम का काम करती है।

एमआई का आईपीओ 71.93 गुना सब्सक्राइब हुआ

17 को बाजार में लिस्ट हो सकती है कंपनी

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। 500 करोड़ रूपये के इलेक्ट्रॉनिक मार्ट इंडिया आईपीओ का आईपीओ सब्सक्रिप्शन शुक्रवार को बंद हो गया। सब्सक्रिप्शन के बंद होते समय तक इसे निवेशकों का मजबूत रिस्पॉन्स मिला है। आईपीओ को 71.93 गुना सब्सक्राइब किया गया है। ईएमआई के आईपीओ को क्वालिफाइड इंस्टीच्यूशनल बिडर्स का बढ़िया रिस्पॉन्स मिला है। इश्यू को 4,49,53,64,644 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं, जो 6,25,00,000 शेयरों के इश्यू साइज का 71.93 गुना था। क्यूआईबी श्रेणी में आईपीओ के लिए 169.54 गुना बोलियां लगीं, जबकि गैर संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के लिए आरक्षित कोटा को क्रमशः 63.59 गुना और 19.171 गुना सब्सक्राइब किया गया। आरओसी के साथ दायर रेड हेरिंग दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ के लिए आवंटन 12 अक्टूबर (बुधवार) को हो सकता है। रिफंड की शुरुआत 13 अक्टूबर (गुरुवार) को होने की संभावना है और डीमैट खातों में शेयर 14 अक्टूबर (शुक्रवार) तक क्रेडिट होने की संभावना है। इलेक्ट्रॉनिक मार्ट इंडिया के शेयर 17 अक्टूबर (सोमवार) को स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हो सकते हैं। आईपीओ इश्यू के दौरान ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम (जीएमपी) 34 रुपये के आसपास बताया जा रहा था जो पहले 27-30 रुपये प्रति शेयर के बीच था।

दो साल के न्यूनतम स्तर पर आ गया विदेशी मुद्रा भंडार

लगातार 9वें सप्ताह हुई है कमी

मुंबई, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के फॉरेन करेंसी असेट में फिर कमी हुई है। यह लगातार 9वां सप्ताह है, जबकि इसमें गिरावट हुई है। इसका असर देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर दिखा है। तभी तो 30 सितंबर 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.854 अरब डॉलर की कमी हुई। यह जुलाई 2020 के बाद का न्यूनतम स्तर है। भारतीय रिजर्व बैंक से मिली सूचना के अनुसार 30 सितंबर 2022 को समाप्त सप्ताह में अपना विदेशी मुद्रा भंडार 4.854 अरब डॉलर घटकर 532.664 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले 23 सितंबर 2022 को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.134 अरब डॉलर घटकर 537.518 अरब डॉलर रह गया था। पिछले महीने पांच अगस्त को समाप्त सप्ताह से यह लगातार घट रहा है। हालांकि, बीते 29 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 2.4 अरब डॉलर बढ़ कर 573.875 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। उससे पहले देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चार सप्ताह तक गिरावट हुई थी। आरबीआई की तरफ से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में गिरावट के कारण 30 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में कमी

आई है। एफसीए दरअसल समग्र भंडार का एक प्रमुख हिस्सा होता है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एफसीए 4.406 अरब डॉलर घटकर 472.807 अरब डॉलर रह गया। डॉलर के संदर्भ में एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में वृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल है। आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार में भी कमी हुई है। अब इसका मूल्य 28.1 करोड़ डॉलर घटकर 37.605 अरब डॉलर पर आ गया है। पिछले सप्ताह भी इसमें 30 करोड़ डॉलर की कमी हुई थी और यह घट कर 37.886 अरब डॉलर पर आ गया था। समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के पास जमा विशेष आहरण अधिकार 16.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 17.427 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के पास सुरक्षित देश का मुद्रा भंडार 4.826 अरब डॉलर पर अपरिवर्तित रहा।

एक लाख पर मिलेगा 1350 रुपये ज्यादा ब्याज!

इस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर बढ़ाया इंट्रस्ट रेट

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने एफडी पर ब्याज दर में इजाफा किया है। बैंक ने ये इजाफा 2 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर किया है। बैंक की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, नई दरें 7 अक्टूबर, 2022 से प्रभावी हो गई हैं। बैंक ने सभी 7 दिनों से लेकर 10 वर्ष तक की एफडी के लिए 3.25 फीसदी से लेकर 7 फीसदी तक और सीनियर सिटीजंस के लिए 3.25 फीसदी से 7.50 फीसदी तक ब्याज दर दे रहा है। ऐसे में अगर अब आप बैंक में एक लाख रुपये की एफडी कराएंगे तो पहले के मुकाबले आपको 1350 रुपये ज्यादा ब्याज मिलेगा। आपको बता दें कि इस साल सितंबर के महीने में आरबीआई ने लगातार तीसरी बार 0.50 फीसदी का इजाफा किया था। 7 दिनों से 10 तक मैच्योर होने वाली पर बैंक अब आम ग्राहकों को 3.25% से 7.00% और वरिष्ठ नागरिकों को 3.25% से 7.50% तक ब्याज दे रहा है। 270 दिनों से एक वर्ष से कम समय में मैच्योर

होने वाली एफडी पर केनरा बैंक ने अपनी ब्याज दर में 1.35 फीसदी का इजाफा किया गया है, जिसके बाद रिटर्न बढ़कर 4.65 फीसदी से 6 फीसदी हो गया है। बैंक ने 1 वर्ष से 2 वर्ष में मैच्योर होने वाली एफडी की ब्याज दर में एक फीसदी का इजाफा देखने को मिला है जिसके बाद रिटर्न 5.50 फीसदी से बढ़कर 6.50 फीसदी हो गया है। 1 वर्ष या उससे अधिक लेकिन 2 वर्ष से कम समय में मैच्योर होने वाली एफडी पर ब्याज दरें 5.55 फीसदी से 6.50 फीसदी कर दी गई हैं। बैंक ने 7 दिनों में परिपक्व होने वाली सावधि जमा पर अपनी ब्याज दर को 35 आधार अंकों (बीपीएस) से बढ़ाकर 2.90% से 3.25% कर दिया है। वहीं रिटेल सावधि जमा पर 46 दिनों से 90 दिनों में 25 बीपीएस तक यानी 4% से 4.25% तक किया है। 91 दिनों से 179 दिनों में परिपक्व होने वाली सावधि जमाओं पर अब 4.50% की दर से ब्याज मिलेगा। वहीं 180 दिनों से 269 दिनों में परिपक्व होने वाली सावधि जमा अब एक दर पर ब्याज अर्जित करेगी। 666 दिनों में परिपक्व होने वाली एफडी पर ब्याज दर 6 फीसदी से बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई है, जो 100 आधार अंकों की वृद्धि है, जबकि 2 साल या उससे अधिक लेकिन 3 साल से कम समय में परिपक्व होने वाली सावधि जमा पर ब्याज दर 5.60 फीसदी से बढ़कर 6.50 हो गई है। केनरा बैंक ने 3 साल और उससे अधिक में परिपक्व होने वाली सावधि जमा पर अपनी ब्याज दर 5.75 फीसदी से बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दी है। 5 साल और उससे अधिक में परिपक्व होने वाली सावधि जमा की ब्याज दरों में 1.25 फीसदी का इजाफा किया गया है, जिसके बाद बाद रिटर्न 5.75 फीसदी से बढ़कर 7 फीसदी हो गई हैं।

रूस के कर्च ब्रिज पर धमाका, 3 की मौत

यूक्रेन प्रेसिडेंट के एडवाइजर ने कहा – ये शुरूआत, अपनी हर चीज वापस लेंगे

मॉस्को, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले कर्च रेलवे ब्रिज जोरदार धमाका के बाद तबाह हो गया। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, ब्रिज में धमाका शनिवार सुबह 6 बजे के करीब हुआ। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस ब्रिज को क्रीमिया पर रूस के कब्जे के सिंबल के तौर पर देखा जाता है।

धमाके पर यूक्रेन के प्रेसिडेंट ऑफिस में एडवाइजर हेड मायखाइलो पोडोल्याकी ने ट्वीट कर कहा - क्रीमिया, ब्रिज शुरुआत है। रूस को यूक्रेन से चुराई गई हर चीज वापस करनी होगी। हर अवैध चीज नष्ट होगी। हर उस चीज को खारिज किया जाएगा, जिस पर रूस ने कब्जा जमाया है।

रूस-यूक्रेन जंग के बीच कर्च ब्रिज का क्षतिग्रस्त हो जाना रूस के लिए बड़ा झटका है। ये रेलवे ब्रिज यूक्रेन में रूसी सैनिकों तक लॉजिस्टिक सप्लाई करने का मुख्य मार्ग है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ब्रिज पर हुए इस धमाके की आवाज कई किमी दूर तक सुनाई दी। ब्रिज में धमाके के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो

भी वायरल हुआ है।

इसमें फ्रेट ट्रेन के कई फ्यूल टैंक और रेलवे लाइन में आग लगी हुई है। रोड वे ब्रिज का एक हिस्सा समुद्र में गिरा है।

रूस की नेशनल एंटी टेररिज्म कमेटी बताया - धमाका ब्रिज के रोड वे साइड पर हुआ है। विस्फोट कार्गो व्हीकल में हुआ था। इसके बाद फ्रेट ट्रेन के सात फ्यूल टैंक में आग लग गई। ट्रेन क्रीमिया की ओर जा रही थी। धमाके से रोड वे ब्रिज के दो सेक्शन को नुकसान को पहुंचा है।

क्रीमिया के पार्लियामेंट स्पीकर व्लादिमीर कोंस्टेंटिनोव ने धमाके के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा- ब्रिज को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है, जल्द ही मरम्मत हो जाएगी।

क्रीमिया के स्पोक्स पर्सन दिमित्री पेस्कोव ने कहा- राष्ट्रपति पुतिन ने ब्रिज पर हुए हादसे में सरकारी जांच के आदेश दिए हैं।

धमाके पर आस्ट्रेलिया के पूर्व जनरल और युद्ध नीति विश्लेषक मिक रयान ने कहा - कर्च ब्रिज पर धमाके के तरीके पर बात करना जल्दबाजी होगी। ये राष्ट्रपति पुतिन के बर्थडे पर उनके फेस पर पंच मारने जैसा है। रयान के मुताबिक, इस तरह का धमाका करने के लिए बड़ी मात्रा में विस्फोटक और अच्छी प्लानिंग की जरूरत होती है। एक सैनिक के लिए इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक कैरी करना मुश्किल है।

हालांकि, विस्फोटक से भरे ट्रक या मिसाइल के जरिए ऐसा विस्फोट किया जा सकता है। रूस अब भी अपने सैनिकों के लिए मेलिटोपोल के जरिए पानी के रास्ते लॉजिस्टिक्स सप्लाई कर सकता है।

2014 में बना था कर्च ब्रिज

कर्च ब्रिज को साल 2014 में रूस ने क्रीमिया पर कब्जे के बाद 21 हजार करोड़ की लागत से बनाया था। 19 किमी लंबे रोड वे ब्रिज को आम लोगों के लिए 2018 में खोला गया था, इसके दो साल बाद रेलवे ब्रिज पर आवाजाही शुरू हुई थी।

पिछले 9 महीने से रूस-यूक्रेन में जंग जारी है। रूस का सोचना था कि उसके कब्जे वाले क्रीमिया और कर्च ब्रिज पर हमला करने की बात यूक्रेन सैनिकों के बस की बात नहीं है। लेकिन, पिछले दो महीनों में क्रीमिया में यूक्रेन सैनिकों ने कई धमाके किए। हाल ही में यूक्रेन ने रूस के साकी नेवल एयर बेस पर हमला किया था। इससे पता चलता है कि यूक्रेन क्रीमिया को वापस लेने का कोशिश कर रहा है।

मैक्सिको में ढाई लाख करोड़ रु. की सालाना ड्रग्स तस्करी

ड्रग गैंग्स के पास 600 विमान, 75 हजार की प्राइवेट सेना; रोज 120 मर्डर

मैक्सिको, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैक्सिको की राजधानी मैक्सिको सिटी में 6 अक्टूबर को गैंगवार हुआ। फायरिंग में मेयर मेंडोजा सहित 18 लोगों की मौत से ड्रग कार्टेल का खूनी चेहरा फिर सामने आया है। लगभग 13 करोड़ की आबादी वाला मैक्सिको 40 साल से ड्रग कार्टेल के चंगुल में है। यहां अफीम, हेरोइन और मारिजुआना की तस्करी में लिप्त कार्टेल समानांतर सरकार के रूप में काम करते हैं।

मैक्सिको के लगभग 150 से ज्यादा कार्टेल सालाना लगभग ढाई लाख करोड़ रुपए की ड्रग्स तस्करी अमेरिका को करते हैं। कार्टेल यानी इन संगठित गिरोहों के पास लगभग 75 हजार गुर्गों की प्राइवेट आर्मी है। इन कार्टेल के बीच खूनी संघर्ष होता रहता है।

सबसे बड़े सिनालोआ कार्टेल के पास 600 से अधिक विमान और हेलीकॉप्टर हैं। ये संख्या मैक्सिको की सबसे बड़ी एयरलाइंस एयरोमैक्सिको से पांच गुना ज्यादा है। ये सभी विमान कार्टेल ने अमेरिका से खरीदे हैं। मैक्सिको में इजी मनी के फेर में बड़ी संख्या में युवा इन कार्टेल में शामिल होते हैं।

मैक्सिको गृह मंत्रालय की 2022

की रिपोर्ट के अनुसार कार्टेल के पास एके-47 और एम-80 जैसे असॉल्ट राइफलों का जखीरा है। हर साल सुरक्षा एजेंसियों के द्वारा ड्रग कार्टेल के कब्जे से 20 हजार से ज्यादा असॉल्ट राइफलों की बरामदगी की जाती है। मैक्सिको सरकार कार्टेल से बरामद किए जाने वाले हथियारों को तबाह करती है।

इनका फिर से इस्तेमाल नहीं किया जाता है। कार्टेल इन हथियारों को अमेरिकी माफिया से ड्रग्स की सप्लाई के बदले में करते हैं। 5 साल के दौरान कार्टेल ने रॉकेट लॉन्चर्स भी हासिल कर लिए हैं। इनका इस्तेमाल सरकारी टोही विमानों पर हमले के लिए करते हैं।

मैक्सिको के गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, गैंगवार के कारण देश में रोज औसतन 120 मर्डर होते हैं। कोरोना काल के दौरान ये संख्या 118 थी। यानी कोरोना काल के दौरान दुनिया भर में लॉकडाउन के बावजूद मैक्सिको में ड्रग्स के धंधे पर कोई लगाम नहीं थी। मैक्सिको के गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, गैंगवार के कारण देश में रोज औसतन 120 मर्डर होते हैं।

कोरोना काल के दौरान ये संख्या 118 थी। यानी कोरोना काल के दौरान दुनिया भर में लॉकडाउन के बावजूद मैक्सिको में ड्रग्स के धंधे पर कोई लगाम नहीं थी। अब तक मैक्सिको में ड्रग्स कार्टेल के बीच खूनी संघर्ष में 2 लाख मौत हो चुकी हैं। 50 हजार लोग अब तक लापता हैं। 50 हजार मृतकों की पहचान नहीं।

ड्रग कार्टेल मैक्सिको की राजनीतिक पार्टियों को सालाना 25 हजार करोड़ का चंदा देते हैं।

कार्टेल के हथकंड़े खौफनाक होते हैं। तस्करी के साथ-साथ किडनैपिंग कर वसूली का खेल भी चलता है। फिरौती नहीं देने वालों को गोलियों से भून देते हैं। मर्डर का वीडियो बनाकर वायरल करते हैं। जिससे लोगों में दहशत का माहौल बने। कार्टेल विरोधियों के शवों को चौराहों पर टांग देते हैं। हाल ही में राजधानी मैक्सिको सिटी के मुख्य चौराहे पर गैगवार के बाद 11 शव टंगे पाए गए थे।

बुलेट प्रूफ टॉर्चर रूम : कार्टेल किडनैप किए लोगों और प्रतिद्वंद्वी कार्टेल के गुर्गों को टॉर्चर रूम यानी गेटो में रखते हैं। इन गेटो के खिड़की-दरवाजों को बुलेट प्रूफ लेयरिंग की जाती है। हर गेटो के बाहर 20 से 25 हथियारबंद गुर्गे हमेशा तैनात रहते हैं। सिनालोआ : सबसे बड़ा कार्टेल, सरगना अल चापो अभी जेल में, दो बार फरार हो चुका। 50% ड्रग्स कारोबार पर कब्जा है।

पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन

खैबर पख्तूनख्वा के लोग दहशतगर्दों से परेशान; कहा- जरूरत पड़ने पर उठाएंगे हथियार

स्वात, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य के लोगों ने 7 सितंबर को आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शाहबाज शरीफ सरकार से इलाके में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों को खत्म करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो उन्हें हथियार उठाने पर मजबूर होना पड़ेगा।

खैबर पख्तूनख्वा राज्य में अगस्त से ही आतंकी गतिविधियां जारी है। यह छठी बार है, जब खैबर पख्तूनख्वा में प्रदर्शन हो रहे हैं। न्यूज वेबसाइट द डॉन के मुताबिक, प्रदर्शन दो लोकल ग्रुप स्वात ओलासी पासून और स्वात कौमी जिरगा ने मिलकर किया। इसमें कई राजनितिक दलों ने भी हिस्सा लिया, लेकिन इमरान खान की पार्टी PTI इसमें नहीं दिखी।

स्टूडेंट्स को नहीं मिल रही एजुकेशन

प्रदर्शनकारियों ने स्वात शहर के अधिकांश हिस्सों में इंटरनेट बंद होने की जानकारी दी। उनका कहना है कि इससे हजारों स्टूडेंट्स परेशान हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकी गतिविधियों के चलते प्रांत के युवाओं को शिक्षा नहीं मिल रही है।

खैबर पख्तूनख्वा में पिछले कुछ महीनों में आतंकी गतिविधियां बढ़ गई हैं। इस कारण अगस्त से वहां के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। PTI के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा में सबसे ज्यादा 247 बार सुरक्षाबलों पर हमले हुए हैं। वहीं, एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में पाकिस्तान में 42 आतंकी हमले हुए हैं।

पाकिस्तान में अलर्ट जारी

तहरीक ए तालिबान के बढ़ते आतंकवादी हमलों के बीच शाहबाज सरकार ने देशभर में अलर्ट जारी किया है। पीएम शाहबाज शरीफ ने अधिकारियों से सतर्क रहने को कहा है। पाकिस्तान संसद की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से जून तक देश में 434 आतंकी हमले हो चुके हैं। इसमें 323 सैनिकों ने अपनी जान गवाई है।

अमेरिका ने जारी की एडवाइजरी

इस बीच अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तान जाने को लेकर एडवाइजरी जारी की है। अमेरिका की फॉरेन मिनिस्ट्री ने अपने लोगों से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ते आतंकवाद और अपहरण के मामलों को देखते हुए इन प्रांतों में नहीं जाने का आग्रह किया है।

क्या रावण मर गया ?

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विजयदशमी को हमने रावण को तो जला दिया , लेकिन क्या रावण मरा या अभी भी जिन्दा हैं ? गांधीजी चाहते थे कि रामराज्य चाहिए, माना यह रावण राज्य है । क्या रावण के जलाने पर रावण राज्य समाप्त हो राम राज्य आया है ? हर वर्ष हम रावण का पुतला बनाकर जलाते हैं, फिर हम ये भी समझते है कि रावण बहुत बड़ा विद्वान था बहुत शास्त्र पढ़ा हुआ था शिव का भगत था लेकिन अहंकार बहुत था सब कुछ होते हुए भी चरित्र ठीक नहीं था जो सीता को उठाकर लेकर गया । इसलिए उसे असुर कहा गया । रावण राज्य में राक्षस दिखाते हैं । कहते हैं रावण की लंका में सोना बहुत था, आज भी लोगों के पास सोना है लेकिन पहनने का डर है । सब कुछ होते भी मनुष्य - मनुष्य से डरता है । आज हम कौन सी दुनिया में जी रहे हैं ? वास्तव में आज की यह दुनिया ही रावण राज्य है । रावण कोई बाहर नहीं है, हमारे ही अन्दर के 5 विकार - ये 5 विकार स्त्री के और 5 विकार पुरष के इन विकारो का ही प्रतीक 10 सिर वाला रावण दिखाया हैं । लेकिन क्या 10 चेहरे वाला कोई व्यक्ति हो सकता है ? रावण बुराइयों प्रतीक है रावण हमारे अंदर के विकारों का प्रतीक है जब तक हमारे अंदर के विकार अर्थात काम, क्रोध, लोभ, मोह अहंकार, ईर्ष्या, देश,आलस्य अलबेलापन, संघदोष और अन्न दोष जला नहीं देते तब तक रावण जला नहीं है । यह 10 विकारों की निशानी ही रावण है यह रावण हमारे अंदर अर्थात हमारी आत्मा पर शासन कर रहा है तो भला बाहर रावण का बूत जलाने से अंदर का रावण कैसे मरेगा ? इसके लिए परमात्मा से योग लगाकर उस योग की अग्नि में हमको हमारे अंदर के रावण को भस्म करना है ।

तब ही यह रावण राज्य समाप्त हो, रामराज्य जिसका सपना गांधीजी देखते थे उस रामराज्य की स्थापना होगी । ब्रह्माकुमारी हिमायतनगर शाखा प्रभारी ब्रह्माकुमारी अंजली बहन जो बाल्यकाल (8 वर्ष की आयु) से ही इस संस्था से जुड़ी हुई है और 3 दशकों से संपूर्ण रूप से ईश्वरीय सेवा में समर्पित है । आदरणीय बहन जी ने दशहरे पर हुई संगोष्ठी में उक्त विचार रखें ।

वे तनाव मुक्त जीवन व राजयोगा मेडिटेशन, सकारात्मक विचार, संबंधों में श्रेष्ठता कैसे लाऐ ऐसे अनेक विषयों पर व्याख्यान करती है ।

एनएमडीसी ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुर्वेद कार्यक्रम का किया आयोजन

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नवरत्न पीएसई एनएमडीसी ने प्रसिद्ध आध्यात्मिक केंद्र शांतिगिरी के सहयोग से शुक्रवार को हैदराबाद में अपने प्रधान कार्यालय में भारत की सदियों पुरानी आयुर्वेद की परंपरा से होने वाले लाभों के बारे में कार्यक्रम का आयोजन किया।

सरकार की 3 से 9 अक्टूबर, 2022 तक हर दिन, हर घर आयुर्वेद पहल में भाग लेते हुए, एनएमडीसी ने एनएमडीसी कर्मचारियों को संबोधित करने के लिए शांतिगिरी से स्वामी प्रणवशुदन ज्ञान तपस्वी को आमंत्रित किया। संवाद सत्र के बाद वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

आयुष मंत्रालय ने 2022 से 2047 तक की अवधि को आयुर्वेद का अमृतकाल घोषित किया है।

एनएमडीसी ने हमेशा अपने संचालन के केंद्र में कर्मचारियों की भलाई रखी है, जो फिट इंडिया, हैदराबाद मैराथन, योग और शुक्रवार को आयोजित वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुर्वेद के हमारे कार्यक्रमों में परिलक्षित होता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, स्वामी जी ने कहा, हाल के स्वास्थ्य संकट ने स्वस्थ और उत्पादक जीवन के लिए संतुलित जीवन शैली और आहार के महत्व को उजागर किया है।

यह ज्ञान पीढ़ियों से प्रचलित भारतीय चिकित्सा पद्धति के मूल में है और प्रकृति और मानव शरीर के पांच तत्व आयुर्वेद में शामिल है। इस विशद ज्ञान की मान्यता निरंतर बढ रही है। अगर स्वास्थ्य धन है, तो आयुर्वेद एक खजाना है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम यह बात दुनिया को बताएं।

महाकाल स्तुतिगान की पहली झलक

कैलाश खेर ने लिखा ; म्यूजिक के लिए 25 सपेरे बुलाए

उज्जैन, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाकाल लोक के लोकार्पण के साथ पहला स्तुतिगान भी जारी किया जाएगा। इसमें ट्रेडिशनल म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का यूज किया गया है। स्तुतिगान में महाकाल नगरी की संरचना और वैभव शामिल है। इसे लिखने के लिए सिंगर 3 बार उज्जैन आए।

सिंगर कैलाश खेर ने महाकाल का पहला स्तुतिगान (एंथम) 'जय श्री महाकाल...' तैयार किया है। इसे कैलाश ने ही लिखा, कम्पोज किया और गाया है। इस एंथम को लिखने में खेर को 15 दिन लगे। वे 3 बार मुंबई से उज्जैन आए।

एंथम की कम्पोजिंग में बीन, बगलबच्चा, ऊद, रबाव, शहनाई, डमरू, शंख जैसे पारंपरिक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का यूज किया गया। बीन की आवाज मशीन से नहीं निकाली, इसके लिए 25 नाथपंथी लोक कलाकार बुलाए। 11 अक्टूबर को उज्जैन में महाकाल लोक के लोकार्पण के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे जारी करेंगे। कैलाश खेर इसकी प्रस्तुति भी देंगे। उन्होंने कहा- हमारे किसी भी ज्योतिर्लिंग को समर्पित कोई विशेष स्तुतिगान नहीं है। 'जय श्री महाकाल...' एंथम महाकाल को समर्पित पहला

आधिकारिक गान होगा। इसे राज्य सरकार ने तैयार कराया है। इसमें महाकाल के समूचे इतिहास का दर्शन है। मैंने गागर में सागर समाहित करने की कोशिश की है।

खेर ने कहा- मुझे पूरी उम्मीद है कि यह गान महादेव के अराधकों के अलावा संगीत प्रशंसकों को पसंद आएगा। इसमें न सिर्फ स्तुति है, बल्कि अहम जानकारियां भी हैं। इसकी बनावट में ही एक झूम और लहर है, जो श्रोताओं को थिरकने पर मजबूर करेगी। उन्होंने कहा कि यह युवाओं में अध्यात्म को लेकर उत्सुकता पैदा करेगा। इस स्तुतिगान में पारंपरिक वाद्य यंत्रों और राग शिवरंजनी की झलक दिखेगी। युवाओं को ध्यान में रखकर गिटार भी बजेगा। इसका संयोजन मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग और खेर की कैलाशा एंटरटेनमेंट कंपनी ने संयुक्त रूप से किया है।

स्तुतिगान बनाने की कहानी, खेर की जुबानी...

पिछले साल काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के समय मेरे ध्यान में आया कि इसी तरह उज्जैन में भी महाकाल लोक का लोकार्पण होना है। उसी समय मेरे मन में विचार आया कि महाकाल को समर्पित एक स्तुतिगान होना चाहिए। छह महीने पहले शिप्रा नदी के बीचों-बीच बने मंच पर 'कैलाशा लाइव इन कंसर्ट' का आयोजन हुआ था। इसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेरे साथ एक पंक्ति भी गाई 'जय जयकारा...।'

मंच से ही उन्होंने महाकाल पर गीत बनाने का आमंत्रण दिया। मैंने वहीं हामी भर दी। स्तुतिगान का भाव व उद्गार तो एक बार में ही मन में आ गया था, लेकिन इसके इतिहास, पौराणिकता, महिमा, प्रासंगिकता जैसे पहलुओं को भी गीत में लाना जरूरी था। इसलिए इस बारे में संपूर्ण जानकारी जुटाने के लिए मैं 3 बार मुंबई से उज्जैन गया। इसके बाद 15 दिन में गान के बोल तैयार किए गए। जय श्री महाकाल' गान में राग शिवरंजनी की झलक दिखाई देगी। पहली बार भारत की किसी संगीत रचना में बीन का लाइव प्रयोग किया गया है, यानी मशीन से बीन नहीं बजवाई है। इसके लिए मेवात से नाथ संप्रदाय के 25 कलाकारों को बुलाया गया था। ये कलाकार सपेरों की तरह गलियों में घूम-घूमकर बीन नहीं बजाते। गान में बीन के अलावा बगलबच्चा, ऊद, रबाव, शहनाई, डमरू, शंख की ध्वनि भी शामिल की गई है। युवाओं को ध्यान में रखते हुए गिटार भी बजाया गया है। कुल 40 वाद्य कलाकार हैं। 11 अक्टूबर को उज्जैन में मेरे साथ 21 सहगायक बतौर कोरस गाएंगे।

वैसे उज्जैन में पहले भी दो-तीन बार परफॉर्म कर चुका हूं। एक बार तो महाकाल प्रांगण में ही कार्यक्रम हुआ था। सच कहूं तो महाकाल से मेरा गहरा नाता है। मैं बचपन में मंदिर में पला हूं। शिव का ही उपासक हूं, इसलिए भगवान महादेव का प्रभाव मेरे व्यक्तित्व पर आ गया है। शिव हमें प्रेरणा देते हैं कि कटुताएं, विषमताएं तो जीवन में आएंगी ही, लेकिन कर्मठता और निष्ठा के बल पर पथभ्रष्ट नहीं होंगे।

11 अक्टूबर को उज्जैन आएंगे PM नरेंद्र मोदी

महाकाल लोक के लोकार्पण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अक्टूबर को उज्जैन आ रहे हैं। वे कार्तिक मेला ग्राउंड पर जनसभा करेंगे। यहां कैलाश खेर परफॉर्मेंस देंगे। इसके बाद ये स्तुतिगान सोशल मीडिया पर रिलीज किया जाएगा। महाकाल लोक में श्रद्धालु 900 मीटर से अधिक बढ़े कॉरिडोर पर इस गान को सुन सकेंगे। मंदिर परिसर में भी श्रद्धालुओं को मंत्रों के साथ महाकाल का ये स्तुतिगान भी सुनाया जाएगा।

ऑनलाइन जुआ-सट्टा पर कानून ही नहीं!

मुख्यमंत्री बोले, अभी जुआ एक्ट में हो रही है कार्रवाई

रायपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन जुआ-सट्टा कारोबार का बड़ा नेटवर्क बिछा है। पुलिस इसपर कार्रवाई कर रही है, लेकिन मौजूदा कानून में मौजूद लूप होल्स से उसकी सीमाएं बता दी हैं। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में सामने आया है कि इसपर प्रभावी कार्रवाई के लिए कोई कानून ही नहीं है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को बताया, अभी तो जुआ एक्ट में कार्रवाई हो रही है। इसमें उन्हें आसानी से जमानत मिल जाती है।

रायपुर सर्किट हाउस में कलेक्टर्स-एसपी कॉन्फ्रेंस के

पहले सत्र के बाद मुख्यमंत्री ने प्रेस से बात की। उन्होंने कहा, ऑनलाइन जुआ-सट्टा का कारोबार बहुत बड़ा है। इसका नेटवर्क देश के दूसरे राज्यों और विदेशों से संचालित हो रहा है। यहां कुछ मामले सामने आये उसके बाद लगातार कार्रवाई हो रही है। पूरे देश में केवल छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन जुआ-सट्टा के खिलाफ पुलिस कार्रवाई हो रही है। इसके प्रभावी नियंत्रण के लिए कानूनी अड़चन आड़े आ रही है। मुख्यमंत्री का कहना था, अभी पुलिस जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई कर रही है। इसमें आरोपियों को आसानी से जमानत मिल जाती है। सामने आया है कि ऑनलाइन जुआ संचालित करने वाले इसका रूप बदल रहे हैं। यह इंटरनेट के जरिए विदेशों से संचालित है। इसके लिए आईटी कानून में भी पर्याप्त बदलाव की जरूरत है। लेकिन आईटी कानून में कोई संशोधन केंद्र सरकार ही कर सकती है। इसकी भी कोशिश हो रही है।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी का चक्काजाम, लोग परेशान

हाईवे जाम कर बीजेपी नेताओं ने किया प्रदर्शन, आदिवासियों को 32% आरक्षण देने की मांग

रायपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आरक्षण के मसले पर शनिवार दोपहर से अलग-अलग क्षेत्रों में हाईवे पर भाजपा ने चक्काजाम कर अपना विरोध जताया। बीजेपी के इस प्रदर्शन हाईवे पर आने जाने वाले लोगों को काफी परेशान होते रहे। कोंडागांव में भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप, पूर्व मंत्री लता उसेंडी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा नेता सड़कों पर बैठकर प्रदर्शन किया। बीजेपी नेताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

भाजपा ने अंबिकापुर, कोंडागांव, राजनांदगांव में विरोध प्रदर्शन किया। दोपहर 12:00 बजे से सभी स्थानीय नेताओं की अगुवाई में एक साथ विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला प्रशासन ने बीजेपी नेता और कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए मुस्तैद रही। राजनांदगांव में भी मुंबई-हावड़ा नेशनल हाईवे -53 पर बीजेपी नेता-कार्यकर्ताओं ने चक्काजाम कर दिया। इसमें आदिवासी समाज के भी सैकड़ों लोग शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश सरकार पर आरक्षण के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। चिचोला पुलिस चौकी अंतर्गत छुरिया मोड़ पर चक्काजाम किया गया।

'इश्क में मरजावां' की एक्ट्रेस अनाया की किडनी फेल

एआईडीएस से ज्यादा जानलेवा है यह बीमारी, हाइपरटेंशन-डायबिटीज गुर्दे की दुश्मन

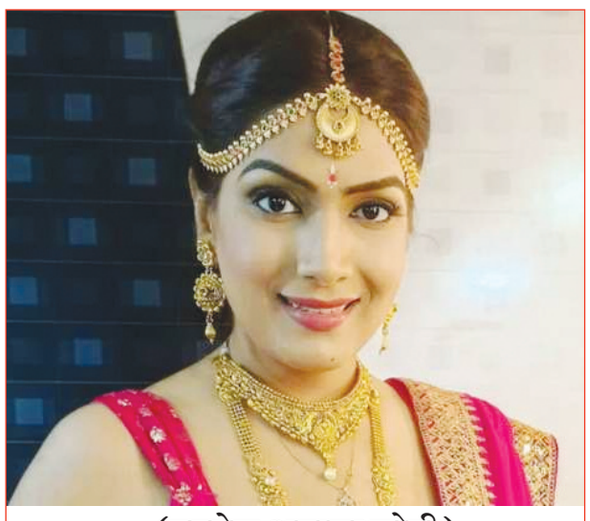

(एक्ट्रेस अनाया सोनी)

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'नामकरण', 'इश्क में मरजावां' और 'मेरे साई' फेम टीवी एक्ट्रेस अनाया सोनी की दोनों किडनी फेल हो चुकी हैं। अनाया ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर करके बताया 'मेरी हालत गंभीर है और मैं हॉस्पिटल में एडमिट हूं। मेरा डायलिसिस होना है। किडनी ट्रांसप्लांट भी कराना पड़ सकता है। मेरे लिए प्रार्थना करें।'

अनाया 2015 से एक किडनी पर ही थीं। उनके पिता ने अपनी एक किडनी उन्हें दी थी। लेकिन इस किडनी ने भी काम करना बंद कर दिया है। इसके बाद से ही उनका इलाज फिर से शुरू किया गया है। कुछ समय पहले 'सीआईडी' और 'कृष्णा' फेम रसिक दवे की किडनी फेल होने से मौत हो गई थी। इसी तरह दो साल पहले 'ससुराल सिमर का' टीवी सीरियल के एक्टर आशीष रॉय की भी किडनी फेल होने से मृत्यु हो गई थी। क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) दुनिया भर में बड़ी बीमारी के रूप में जानी जा रही है। 1990 से 2017 के बीच 27 साल में सीकेडी के 41 प्रतिशत रोगी बढ़े हैं।

'द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' की रिपोर्ट में बताया गया है कि एआईडीएस की तुलना में क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) से अधिक लोग मर रहे। साल 2017 में पूरी दुनिया में 70 करोड़ लोग क्रॉनिक किडनी डिजीज से पीड़ित थे।जबकि किडनी में गड़बड़ी के कारण 13 लाख लोग हृदय से जुड़ी बीमारियों और स्ट्रोक के शिकार हुए। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2017 में एआईडीएस से करीब 10 लाख लोगों की मृत्यु हुई थी, जबकि सीकेडी से मरने वालों की संख्या 12 लाख रही। कम उम्र में ही किडनी खराब होने के कई कारण हैं। पहले जानते हैं कि भारत में हर साल क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के कितने मरीज मिल रहे हैं। अब सवाल उठता है कि कम उम्र में ही किडनी खराब होने के क्या कारण हैं। पहले 60, 50 और 40 की उम्र में किडनी की गंभीर बीमारी से जूझते मरीज मिलते थे। लेकिन अब सीकेडी के मरीज 20 साल की उम्र से लेकर 30 साल की उम्र में मिलने लगे हैं। कई बार तो बच्चों में भी किडनी फेल्योर के मामले देखे गए हैं।

किडनी के दो सबसे बड़े दुश्मन हैं- डायबिटीज और हाइपरटेंशन

जयपुर में एपेक्स हॉस्पिटल के कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. अजय पाल बताते हैं कि किडनी की बीमारी के दो प्रमुख कारण हैं डायबिटीज और हाइपरटेंशन। लेकिन किशोरों या युवाओं में क्रॉनिक किडनी की बीमारी होने को सीकेडीयू कहा जाता है यानी क्रॉनिक किडनी डिजीज ऑफ अननोन इटिलॉजी।

यानी ऐसी कंडीशन जिसमें डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर ही रिस्क फैक्टर नहीं होते बल्कि हमारे खान-पान, रहन-सहन से भी किडनी प्रभावित होती है। जैसे-पीने वाले पानी में सिलिका, यूरेनियम, आर्सेनिक, फ्लोराइड और दूसरे हेवी मेटल्स का होना। गर्म इलाकों में काम करना (हीट स्ट्रेस), डिहाइड्रेशन, दवाइयों का हेवी डोज लेना, पेस्टिसाइड्स के इस्तेमाल आदि से किडनी की बीमारी होने का खतरा अधिक होता है। ये चीजें हमारी लाइफस्टाइल से भी जुड़ी हैं। इन कारणों से होने वाली बीमारी को क्रॉनिक किडनी डिजीज ऑफ अननोन इटिलॉजी कहते हैं। कुछ मामलों में यह जेनेटिक भी हो सकता है।

जीन में गड़बड़ी ट्रांसफर होने पर किडनी हो सकती है बीमार

'द नेचर' पत्रिका में 10 जनवरी 2020 को छपी रिपोर्ट 'जेनेटिक वेरिएंट्स एसोसिएटेड विद क्रॉनिक किडनी डिजीज' में बताया गया है कि कुछ खास जीन भी होते हैं जिनके कारण किडनी की बीमारियां हो सकती हैं। राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. प्रज्ञा पंत बताती हैं कि जीन में गड़बड़ी के कारण ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलिसिस्टिक किडनी डिजीज भी होती है। किडनी की यह बीमारी जेनेटिक होती है। इस बीमारी में किडनी में सिस्ट बन जाते हैं। इन सिस्ट के बड़े होने पर किडनी ठीक से काम करना बंद कर देती है। यह भी कई बार सीकेडी का कारण बन जाता है। क्रॉनिक किडनी डिजीज को लेकर कई नए शोध हुए हैं। ये शोध प्राचीन चिकित्सा पद्धति के अध्ययन के बाद किए गए हैं। इस पर आगे बढ़ने से पहले एक ग्रैफिक देख लेते हैं।

भारत में किडनी के मरीज

80 लाख से अधिक क्रॉनिक किडनी डिजीज (CKD) के मरीज भारत में हैं

2.2 लाख किडनी के नए मरीजों को हर साल डायलिसिस की जरूरत होती है

1 लाख की जनसंख्या पर 129 लोगों को क्रॉनिक डायलिसिस कराना पड़ता है

1.75 लाख पेशेंट 2018 में भारत में क्रॉनिक किडनी डायलिसिस के थे

सोर्स: द मिलियन डेथ स्टडी, द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज, इंजूरीज एंड रिस्क फैक्टर्स स्टडी

समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों में किडनी की बीमारी

प्री-मैच्योर जन्म लेने वाले बच्चों में आगे चलकर किडनी की बीमारी देखने को मिलती है। डॉ. अजय पाल बताते हैं कि सामान्य नवजातों में 10 लाख नेफ्रॉन होते हैं।

यह एक तरह की छलनी है, जिसका काम खून को फिल्टर करना और टॉक्सिक चीजों को यूरिन के रास्ते बाहर करना है। लेकिन 37 हफ्ते से पहले की प्रेग्नेंसी में जन्म लेने वाले बच्चों में नेफ्रॉन की संख्या कम होती है। ऐसे बच्चों के बड़े होने पर क्रॉनिक किडनी डिजीज का खतरा अधिक होता है। 1 मई 2019 को 'द ब्रिटिश मेडिकल जर्नल' की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों में किडनी का विकास ठीक से नहीं होता। उनमें नेफ्रॉन कम विकसित होते हैं। मुख्य रिसर्चर प्रोफेसर केसे क्रंप ने बताया कि कम नेफ्रॉन का संबंध हाई ब्लड प्रेशर और प्रोग्रेसिव किडनी डिजीज से है।

जब किडनी की बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती जाती है तो उसे प्रोग्रेसिव किडनी डिजीज कहते हैं। जैसे-प्रेग्रेंसी के अर्ली स्टेज में नेफ्रोन की संख्या कम होती है जबकि मैच्युरिटी के समय नेफ्रोन की संख्या पूरी रहती है। जो बच्चे समय से पहले पैदा होते हैं उनमें नेफ्रोन कम होते हैं। उनकी किडनी पर फिल्टर करने का दबाव अधिक होता है।

उम्र बढ़ने पर प्रेशर बढ़ता जाता है। प्री-मैच्योर बच्चे जब 35 से 40 की उम्र में पहुंचते हैं तो उनमें सीकेडी होने का खतरा दोगुना हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर साल पूरी दुनिया में डेढ़ करोड़ बच्चे प्री-मैच्योर पैदा होते हैं। अकेले भारत में 36 लाख बच्चे समय से पहले दुनिया में आते हैं।

यानी भारत में जन्म लेने वाले हर 6 में से एक बच्चा प्री-मैच्योर होता है। डॉ. अजय पाल का कहना है कि भारत में हर साल किडनी के गंभीर मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसमें प्री-मैच्योर बर्थ बड़ा रिस्क फैक्टर है।

जम्मू में महिलाओं को भा रहीं बनारस-जयपुर और कोलकाता की साड़ियां

कश्मीर के बाजारों में रौनक

जम्मू, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोरोना के दो साल बाद महिला कपड़ा बाजार को गति मिली है। करवाचौथ और फेस्टिवल सीजन में जम्मू में ही करीब पांच सौ करोड़ रुपये का थोक व खुदरा महिला कपड़ा बाजार का कारोबार होने की उम्मीद है। खासतौर पर पति और पत्नी के रिश्तों का महत्वपूर्ण पर्व करवाचौथ पर महिलाओं को बनारस, जयपुर, कोलकाता सहित देश के अन्य हिस्सों के रेडीमेड सूट, साड़ियां, ब्राइडिल लहंगे और गाउन भा रहे हैं। शोरूम में आकर्षक छूट भी दी जा रही है। लिंक रोड स्थित ख्वाब शोरूम के वरुण महाजन बताते हैं कि करवाचौथ पर महिलाओं के लिए अलग-अलग रेंज में अनस्टिड्ज और रेडीमेड सूट एक हजार रुपये से 7 हजार रुपये या इससे अधिक रेंज तक उपलब्ध हैं।

करवाचौथ के मौके पर चूड़ियों की दुकान में महिलाएं

इसी तरह बनारस, जयपुर और कोलकाता से निर्मित साड़ियां महिलाओं को भा रही हैं। ये दो हजार रुपये से लेकर दस हजार या इससे अधिक रेंज तक उपलब्ध हैं। इसके अलावा लेडीज सूट और ब्राइडिल लहंगे भी महिलाओं की पसंद बने हुए हैं। यह 15 हजार से लेकर 60 हजार रुपये तक उपलब्ध हैं। रेडीमेड सूट में शरारा सूट दो हजार से पांच हजार रुपये में उपलब्ध हैं। वहीं अनारकली सूट भी दो हजार से सात हजार रुपये तक मिल रहे हैं। होलसेल क्लाथ मर्चेंट एसोसिएशन के प्रधान रघुवीर गुप्ता का कहना है कि दो साल बाद महिला कपड़ा बाजार को गति मिली है। इस सीजन थोक व खुदरा में पांच सौ करोड़ रुपये तक का कारोबार हो सकता है। पूरी एक्सक्लूसिव शोरूम से वीरेंद्र पुरी ने बताया कि करवाचौथ पर बाजार में महिला ग्राहक अधिक हैं।

हमारे पास अनस्टिड्ज 3000 हजार रुपये तक 50 से 75 हजार रुपये तक सूट आदि की रेंज उपलब्ध हैं। रेडीमेड 7 हजार से शुरू होकर 25 से 30 हजार रुपये तक उपलब्ध हैं। साड़ी 5 हजार रुपये से 60 हजार रुपये तक उपलब्ध है। महिला कपड़ा बाजार में बिक्री का यह पीक समय है। दिवाली के बाद शादियों के सीजन में भी कपड़ा बाजार में तेजी रहने की उम्मीद है। कपड़ा बाजार में 60 से 70 प्रतिशत का बाजार महिला कपड़ा बाजार है। रामगढ़ में जैसे-जैसे करवाचौथ और दीपावली का त्योहार नजदीक आ रहा है तो रामगढ़ के बाजार गुलजार होने शुरू हो गए हैं ।सीमावर्ती क्षेत्र की महिलाएं रामगढ़ के बाजार में पहुंच रही हैं, और सामान की खरीदारी कर रही हैं।

सबसे महंगी सिंगर-एक्ट्रेस थीं कानन देवी

रिश्तेदारों ने निकाला तो कभी दूसरे के घर में नहीं रहीं, पतियों को भी अपने घर में रखा

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक छोटी बच्ची जिसकी मां को रिश्तेदारों ने एक चीनी की प्लेट टूट जाने पर इतना जलील किया कि उसे मां को लेकर रिश्तेदारों का वो घर छोड़ना पड़ा। वहां उनकी औकात नौकरों से ज्यादा नहीं थी। इस बच्ची ने रिश्तेदारों का ये रवैया देखकर ठान लिया था कि अब भूखे मर जाना है, लेकिन किसी के घर में पनाह नहीं लेनी।

7 साल की ये बच्ची फिर ताउम्र अपनी इसी बात पर कायम भी रही, इतनी कायम कि शादी के बाद पति के घर नहीं गईं, उन्हें अपने घर में रखा। हम बात कर रहे हैं सेल्फ रिस्पेक्ट की मिसाल कही जाने वाली कानन देवी की। कानन देवी बंगाली फिल्मों की पहली एक्ट्रेस रहीं। हिंदी फिल्मों में भी इनका बड़ा नाम था। इनकी खूबसूरती के लोग दीवाने थे। उन दिनों ज्यादातर जवान लड़कों के कमरों में इनके पोस्टर पाए जाते थे।

बचपन में संघर्ष, फिर फिल्मों में गजब का स्टारडम। उस दौर में जब फिल्में 15-20 हजार में बन जाती थीं, कानन देवी की एक फिल्म की फीस 5 लाख थी। एक गाना गाने के 1 लाख लेती थीं। एक फैन पर इनका दिल आ गया तो उससे शादी कर ली। उस शादी का ऐसा विरोध हुआ कि लगभग पूरा कोलकाता ही इनके खिलाफ हो गया।

मां- बाप की असल पहचान से अनजान थीं कानन देवी

कानन देवी का जन्म 22 अप्रैल 1916 को पश्चिम बंगाल के हावड़ा के एक गरीब परिवार में हुआ था। ना पिता का नाम पता था, ना मां का। इनकी बायोग्राफी के अनुसार कानन देवी को दंपत्ति रतन चंद्र दास और राजोबाला ने पाला तो वो उन्हें ही अपने माता-पिता समझने लगीं। गोद लेने वाले रतन उन्हें असल बेटी से भी बढ़कर प्यार देते और संगीत से जुड़ी ट्रेनिंग देते। लेकिन, जब कानन देवी मात्र 6 साल की थीं, तब उस पिता की भी मौत हो गई जिसने इन्हें गोद लिया। घर में कमाने वाला कोई नहीं था। जो मां के जेवर थे वो भी रतन का कर्ज चुकाने में बिक गए। अब परिवार भूखमरी की हालत में था। किराए के घर से भी मां-बेटी को निकाल दिया गया, क्योंकि किराया चुकाने के पैसे नहीं थे। रजोबाला 6 साल की बेटी के साथ कोलकाता के अमीर लोगों के घर काम करने जाने लगीं और बेटी भी उनकी छोटे-मोटे कामों में मदद करवाने लगी। पढ़ाई की उम्र में कानन एक नौकरानी बन चुकी थीं।

जिन रिश्तेदारों ने मदद की वो रोज करते थे जलील

मां-बेटी की हालत पर तरस खाकर एक रिश्तेदार उन्हें घर ले आया, लेकिन उन्हें परिवार की तरह रखने के बजाए वो इनसे घंटों काम करवाते और बुरा व्यवहार करते थे। रिश्तेदारों के जुल्म बढ़ने लगे और एक दिन हद पार हो गई। रजोबाला के हाथों एक चीनी की प्लेट टूटते ही रिश्तेदारों ने उन्हें खूब जलील किया। कानन से ये बर्दाश्त नहीं हुआ और वो मां को लेकर निकल पड़ीं। कानन ने रोज जलील होने से बेहतर भूखा मरना समझा। 7 साल की कानन देवी ने फैसला कर लिया कि वो अब किसी के भी घर में नहीं रहेंगी।

7 साल की उम्र में किए गए इस फैसले पर कानन ने ताउम्र अमल किया। दो शादियां कीं, लेकिन उन्होंने पति के घर रहने की बजाय पतियों को अपने घर में रखा। जब कानन स्टार बन गईं तो वही रिश्तेदार उनसे मदद मांगने आए, लेकिन उसूलों की पक्की कानन ने मदद करने से इनकार कर दिया। मां ने समझाया तो कानन ने मदद की, लेकिन कभी उन्हें मां का अपमान करने वालों को माफी नहीं दी।

खैर, कानन देवी के बचपन में वापस लौटते हैं..रिश्तेदारों का घर छोड़ने के बाद कानन और रजोबाला हावड़ा लौट आए। यहां उन्होंने एक वैश्यालय के पास रहना शुरू किया। छोटे मोटे काम कर घर चलाते रहे। समय गुजर रहा था लेकिन हालात नहीं बदले। मां-बेटी की आर्थिक हालात पर तरस खाते हुए एक फैमिली फ्रैंड तुलसी बनर्जी (स्टेज आर्टिस्ट), जिन्हें कानन काका बाबू कहती थीं, ने 10 साल की कानन का मदन थिएटर और ज्योति थिएटर में परिचय करवाया। कानन कम उम्र से ही बेहद खूबसूरत और तेज दिमाग की लड़की थीं। मदन मूवी स्टूडियो ने खूबसूरती से इंप्रेस होकर इन्हें 5 रुपए महीने की पगार पर जयदेव फिल्म में साइन किया। फिल्म में एक छोटा सा रोल मिला।

देश में अब फतवा नहीं : संजय राय शेरपुरिया

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजसेवी संजय राय शेरपुरिया ने आज अखिल भारतीय संत समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि धर्मादेश शब्द आम जन समूह के लिए उतना कट्टर और प्रभावशाली नहीं लग सकता है, जितना कि 'फतवा'। फतवा उर्दू का शब्द है जिसका अर्थ भी धर्मादेश होता है। फतवा को हम कट्टर मानते हैं और काफी गंभीरता से लेते हैं।

जबकि धर्मादेश को हिन्दू समाज के किसी अलग वर्ग संत जन या साधु समाज की बातें मानते हैं। इसका मूल कारण, हिन्दू समाज का अनेक धाराओं में बहना है, विभिन्न जातियों में बंटा होना है। उन्होंने कहा कि अधिकतर हिन्दू तुलनात्मक रूप से पढ़े लिखे होते है, इसलिए कई बार ये भीड़ से अलग दिखने के लिए उल्टा बोलते हैं। कई ऐसा कूल और पढ़ा लिखा दिखने के लिए भी करते हैं। हालांकि, इसमे कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसके कारण हिन्दू बंटे हुए हैं। एकता मे शक्ति होती है, यह बात हर हिन्दू जानता है, लेकिन दुख की बात है कि हिन्दू आज भी अपने धर्म और संस्कृति के लिए एकत्रित नहीं है, जिसका फायदा एक समुदाय विशेष सैकड़ों सालों से उठाता आ रहा है। आज भी वह समुदाय अपनी एकता और हिंसा के दम पर कुछ भी करवाने मे सक्षम है। वही, हिन्दू अपने ही देश मे अल्पसंख्यकों वाली जिंदगी काटने पर मजबूर होने जा रहे है। यह एक गंम्भीर विषय है, यदि हम नहीं संभले तो हमारी आने वाली पीढ़ी का वही हाल होगा जो पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, इंडोनेशिया के लोगों का हुआ। शेरपुरिया ने कहा कि अखिल भारतीय सन्त समिति का यह मानना है कि भारत भूमि में उद्भुत हुए सभी समुदायों को एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के ऊपर हो रहे हमलों का उत्तर देना वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। देश रहेगा तो हम रहेंगे। धर्म रक्षा, राष्ट्र रक्षा ही सदा से सन्त समिति का उद्देश्य रहा है। हिंदू धर्म में जब भी कोई सामाजिक, धार्मिक बुराई आती है, बाहर या भीतर से कोई संकट आता है, तो उसका समाधान भी, अंदर से स्वतः प्रगट होता है। यह धर्म इतना लचीला है कि स्वयं अपने को समय और परिस्थिति के अनुसार ढाल लेता है क्योंकि वैचारिक आंदोलन, उपदेशक आदि समय पर उभर कर सामने आते रहते हैं।

इस अवसर पर अपने संबोधन में शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा कि जब हिंदू मुखर होगा तब समाज जगेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हिंदुत्व के विचारों को जन जन तक पहुंचने का काम कर रहे हैं। ईसाइयत के प्रसार पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को इस खतरे से बचने का प्रयास करना पड़ेगा।

चंद्रयान-2 को पहली बार चांद की सतह पर मिला बड़ी मात्रा में सोडियम

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतरिक्ष अनुसंधान में इसरो धीरे-धीरे दुनिया की स्पेस एजेंसियों को पीछे छोड़ता जा रहा है। अब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चंद्रयान-2 को स्पेस रिसर्च में बड़ी सफलता मिली है।

चंद्रयान-2 ने चांद की सतह पर पहली बार बड़ी मात्रा में सोडियम का पता लगाया है। इस सफलता से चांद पर सोडियम की मात्रा का पता लगाने की उम्मीदें भी जग गई हैं। इसरो ने अपने बयान में कहा है कि चंद्रयान -2 ऑर्बिटर पर एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर 'क्लास' ने पहली बार चंद्रमा पर प्रचुर मात्रा में सोडियम की मैपिंग की है। नए निष्कर्ष चंद्रमा पर सतह-एक्सोस्फीयर इंटरैक्शन का अध्ययन करने का एक अवसर प्रदान करते हैं जो हमारे सौर मंडल के बारे में अन्य जानकारियां उपलब्ध कराएगा।

धर्म बदलने के बाद भी क्या दलितों को मिलेगा आरक्षण?

तीन बिन्दुओं में समझें सारे नियम

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दशहरे के दिन आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने एक बड़ा आयोजन कराया। इसमें दावा किया गया कि दस हजार लोगों ने हिंदू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म अपना लिया। इस बीच, केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश के. जी. बालकृष्णन की अध्यक्षता में एक आयोग गठित कर दिया। यह आयोग तय करेगा कि क्या धर्मांतरण के बाद भी दलितों को आरक्षण का लाभ मिले? आइए जानते हैं कि इसे लेकर संविधान क्या कहता है?

1. अभी संविधान में क्या है नियम?

धर्मांतरण के बाद आरक्षण को लेकर अभी भी नियम है। संविधान (एससी) आदेश, 1950 कहता है कि हिंदू या सिख धर्म या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता है।

मतलब अभी सिर्फ हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के लोग आरक्षण और दूसरी सुविधाओं का फायदा उठा सकते हैं। मूलतः संविधान में हिन्दू धर्म के एससी समुदाय के लिए आरक्षण की व्यवस्था थी। बाद में 1956 में इसे सिख और 1990 में बौद्ध के लिए भी जोड़ दिया गया। अगर कोई इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाता है, तो उसे आरक्षण और अन्य दूसरी सुविधाओं का लाभ नहीं मिलता है। हां, अगर वह फिर से हिंदू धर्म में आ जाता है, तो उसे लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। इसी को लेकर विवाद है। लंबे समय से मुस्लिम और ईसाई समूहों की मांग है कि उन दलितों के लिए आरक्षण की समान स्थिति रखी जाए, जिन्होंने उनका धर्म अपना लिया है। इसी पर फैसला करने के लिए केंद्र सरकार ने हाल ही में एक कमेटी का गठन किया है।

2. क्या अब धर्म बदलने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलने लगेगा?

यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से अपना स्टैंड क्लियर करने को बोला था। यही कारण है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस के. जी. बालकृष्णन की अगुआई में एक कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी का कार्यकाल दो साल का होगा। ये कमेटी अध्ययन करके रिपोर्ट तैयार करेगी कि दलित से ईसाई या फिर इस्लाम धारण करने वालों को क्या आरक्षण का लाभ दिया जाए या नहीं?

3. अगर नियम बदलता है तो किसे होगा फायदा?

अगर कमेटी इस्लाम या ईसाई बनने वाले दलितों को एसी का दर्जा देने की संतुति करती है तो इसका लाभ दलित ईसाई और दलित मुस्लिम को मिलने लगेगा। इनकी संख्या दो लाख से ज्यादा बताई जा रही है। अभी तक केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के आरक्षित वर्ग को ही इसका लाभ मिलता था।

अडानी संग तस्वीर, बीजेपी का हमला

गहलोत बोले- गौतम हों, अंबानी हों या जय शाह, सबका स्वागत

जयपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार सभी उद्योगपतियों का स्वागत करेगी, फिर चाहे वह अडानी हों, अंबानी हों या फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बेटे जय शाह, क्योंकि राज्य में रोजगार और निवेश की आवश्यकता है। गहलोत ने शनिवार को 'इन्वेस्ट राजस्थान सम्मेलन' के दूसरे दिन संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'चाहे अडानी हों, अंबानी हों या फिर अमित शाह के बेटे जय शाह, हम सभी का स्वागत करेंगे। हम रोजगार और निवेश चाहते हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को गौतम अडानी को लेकर एक मुद्दा बनाया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'मैं इसकी निंदा करता हूं। इसे मुद्दा बनाना भाजपा को महंगा पड़ेगा।'

सीएम गहलोत ने की अडानी की तारीफ

'इन्वेस्ट राजस्थान सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह के दौरान गहलोत द्वारा उद्योगपति गौतम अडानी की तारीफ करने के बाद शुक्रवार को भाजपा ने कांग्रेस पर तंज कसा था। अडानी उन उद्योगपतियों में शामिल हैं, जिनके नाम का जिक्र राहुल गांधी अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर केवल बड़े उद्योगपतियों की मदद करने का आरोप लगाते समय करते हैं। बता दें कि एशिया के सबसे अमीर गौतम अडानी ने शुक्रवार को निवेश राजस्थान समिट 2022 के उद्घाटन समारोह में भाग लिया और गहलोत के समक्ष उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। वह मंच पर गहलोत के बगल में बैठे थे। न केवल गहलोत ने अडानी की प्रशंसा की बल्कि अडानी ने भी गहलोत की योजनाओं और दूरदर्शिता की प्रशंसा की। अडानी ने अगले पांच से सात वर्षों में राज्य में 10,000 मेगावाट की सौर ऊर्जा सुविधा की स्थापना, सीमेंट संयंत्र का विस्तार और जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उन्नयन के लिए राज्य में 65,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है।

गहलोत ने अडानी को कहा 'गौतम भाई'

गहलोत ने अपने संबोधन में उद्योगपति गौतम अडानी को गौतम भाई के रूप में संबोधित किया और उन्हें दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बनने के लिए बधाई दी। जब गहलोत ने अडानी की प्रशंसा की तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने उद्योगपति का नाम लिए बिना एक ट्वीट किया जिसमें कहा गया था कि केंद्र 'पूंजीवादी मित्रों' के कई करोड़ रुपये का ऋण माफ कर रहा है जबकि अन्य लोग कर्ज का जीवन में जी रहे हैं। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा में एक घटना को याद करते हुए ट्वीट किया, 'कल मैं एक महिला से मिला उनके किसान पति ने 50,000 के कर्ज के कारण आत्महत्या कर ली। एक भारतः पूंजीपति मित्रों को 6 प्रतिशत ब्याज पर कर्ज और करोड़ों की कर्ज़माफ़ी। दूसरा, भारतः अन्नदाताओं को 24 प्रतिशत ब्याज पर कर्ज़ और कष्टों से भरी ज़िंदगी एक देश में ये 'दो भारत', हम स्वीकार नहीं करेंगे।'

राहुल गांधी ने अडानी को लेकर गहलोत सरकार को चेताया? बोले- कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ कैपिटल के खिलाफ हूं

जयपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट 2022 में आए उद्योगपति गौतम अडानी और सीएम अशोक गहलोत की मुलाकात पर उठा सियासी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं उद्योगपतियों और व्यापार के खिलाफ नहीं हूं। कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ कैपिटल के खिलाफ हूं। अगर पूरा का पूरा पॉलीटिकल पावर 2 या तीन आदमियों को फायदा पहुंचाने में लग जाएगा तो इससे हिंदुस्तान का नुकसान होगा। अगर जो राजस्थान की सरकार ने गौतम अडानी को गलत तरीके से राजस्थान में बिजनेस दिया तो मैं उसके खिलाफ हूं। मैं उसके खिलाफ खड़ा हो जाउंगा। अगर सही तरीके से दिया है तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। बीजेपी अडानी के मुद्दे पर लगातार सीएम गहलोत को निशाने पर ले रही है। हालांकि, सीएम गहलोत ने बीजेपी पर पलटवार किया है। सीएम गहलोत ने कहा कि बैलगाड़ी लेकर राजीव गांधी के कंप्यूटर का विरोध करने वालों का राजस्थान का विरोध नहीं करना चाहिए।

राहुल गांधी अंबानी-अडानी पर निशाना साधते रहे हैं

आपको बता दें सांसद राहुल गांधी लगातार मुकेश अंबानी और गौतम अडानी पर निशाना साधते रहे हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कर्नाटक में है। राहुल गांधी ने आज मीडिया से बात की कहा कि गहलोत सरकार ने राजस्थान में गलत तरीके से बिजनेस दिया है तो हम उसका विरोध करेंगे। राहुल गांधी के तेवरों से लग रहा है कि वह अडानी के ज्यादा भाव देने से नाखुश है। लेकिन खुलकर विरोध नहीं किया है। जानकारों का कहना है कि अडानी के प्रति सीएम अशोक गहलोत का झुकाव उनके लिए मुश्किलें थड़े कर सकता है।

हालांकि, सीएम गहलोत ने अडानी से जुड़े सवाल पर कहा था कि हम नियमों के तहत काम करने वालों का विरोध नहीं करते हैं। हमारी आपत्ति नियमों के विरुद्ध काम करने पर है।

मालपुरा पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी निलंबित

स्वायत शासन विभाग ने जारी किया आदेश

टोंक, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार के स्वायत्त शासन विभाग ने भाजपा समर्थित मालपुरा पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी को निलंबित कर दिया है। चार मई को भी राज्य सरकार ने सोनिया सोनी को निलंबित किया था।

स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक हरदेश कुमार शर्मा की ओर से शुक्रवार को आदेश जारी किया गया। जारी आदेश में बताया कि ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी के रामदेव बैरवा ने एक शिकायती पत्र स्वायत शासन विभाग को दिया था। जिसमें उसने सोनिया सोनी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उसने आरोप लगाया कि

पालिका अध्यक्ष ने राजकीय अभिलेख (रिकॉर्ड/ पत्रावलियां) कम्प्यूटर मय प्रिन्टर पुनः पालिका में नहीं भिजवाई। जिसके बाद शिकायत प्रमाणित पाई गई।

राज्य सरकार की ओर से सोनिया सोनी के विरुद्ध राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 39 (3) के अन्तर्गत न्यायिक जांच करवाए जाने का निर्णय लिया गया है। पालिका अध्यक्ष और सदस्य वार्ड नंबर 19 पद पर सोनिया सोनी के रहने से जांच प्रभावित होने की संभावना है। ऐसे में सोनिया सोनी को निलंबित कर दिया गया है।

बता दें कि पूर्व में स्वायत शासन विभाग ने चार मई को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कार्यवाही में दोषी मानते निलंबित किया था। जिस पर राजस्थान हाई कोर्ट ने निलंबन आदेश को निरस्त करते हुए बहाली के आदेश दिए थे।

गैस रिफिलिंग के दौरान सिलेंडर में विस्फोट, चार जिंदा जले, 16 झुलसे

जोधपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर शहर में गैस रिफिलिंग के दौरान एक सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। हादसे में तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। 16 गंभीर रूप से घायल हैं। धमाके की आवाज सुनकर आसपास की कॉलोनियों में भी लोग दहल गए। कलेक्टर हिमांशु गुप्ता के अनुसार मामला करीब तीन बजे का है। इसके बाद कीर्ति नगर इलाके में गैस का रिसाव हुआ। कुछ ही देर में विस्फोट हो गया। कॉलोनी में खड़ी गाड़ियां भी आग की चपेट में आ गई। हादसे में मरने वालों में निकू (12), विक्की (15), कोमल (13) और सुरेश (45) शामिल है।

दिव्या मदेरणा ने कारण बताओ नोटिस के जवाब पर मंत्री शांति धारीवाल को घेरा

जयपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सियासी खींचतान के बीच बयानबाजी का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। गहलोत समर्थक मंत्री शांति धारीवाल ने एआईसीसी को कारण बताओ नोटिस का जवाब भेज दिया है। धारीवाल ने अपने नोटिस के जवाब में लिखा है कि मैं आलाकमान में पूरा विश्वास करता हूं। विधायक दल की बैठक के समानांतर में हमने कोई बैठक नहीं की बल्कि विधायक सिर्फ चर्चा के लिए इकट्ठा हुए थे। क्योंकि विधायक दल की बैठक से

पहले विधायक में यह अविश्वास पनपा की उनकी इच्छा-रायशुमारी के बिना बड़ा बदलाव किया जा रहा है। जबकि विधायकों की पसंद सीएम अशोक गहलोत हैं और वो सर्वमान्य नेता हैं। इसलिए इस अविश्वास के चलते ही वो मुख्यमंत्री आवास में बैठक में नहीं गए। कांग्रेस विधायक दिव्या मदेणा ने नोटिस के जवाब पर ट्वीट कर शांति धारीवाल को जमकर घेरा है।

दिव्या बोलीं- विश्वास जताने का गजब तरीका

जोधपुर से ओसिया से कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने किया ट्वीट- इधर, जब धारीवाल के जवाब की बातें सोशल मीडिया पर चलने लगी तो विधायक दिव्या मदेरणा जो धारीवाल और महेश जोशी को लगातार समानांतर बैठक बुलाने पर घेर रही हैं उन्होंने वह बयान याद दिलाए हैं जो 25 सितंबर को नेताओं की ओर से दिए गए थे। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि तोबा! तोबा! चर्चा से इस्तीफे तक का सफ़र और उस के मध्य वहां आलाकमान के खिलाफ बयानबाजी। गजब तरीका है आलाकमान में पूरा विश्वास जताने का। जानकारों की मानें तो धारीवाल ने अपने जवाब में आलाकमान को न केवल सर्वोपरि माना है बल्कि यह भी कहा है कि 25 सितंबर को कोई भी समानांतर बैठक उनके निवास पर विधायकों को फोन कर नहीं बुलाई गई।

राजस्थान के बेरोजगारों का सत्याग्रह

उपेन यादव को अहमदाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

जयपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बेरोजगारों की गुजरात में अगुवाई कर रहे उपेन यादव समेत उनके समर्थकों को गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अहमदाबाद पुलिस ने कांग्रेस कार्यालय के सामने धरना स्थल से उपेन यादव को अरेस्ट किया है। दरअसल, उपेन यादव के नेतृत्व में बेरोजगार युवा गुजरात में दांड़ी यात्रा निकाल रहे हैं। दांड़ी यात्रा अहमदाबाद पहुंच गई है। युवाओं ने अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यालय के सामने सत्याग्रह किया। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और उपेन यादव को थाने ले गई। उपेन यादव ने बताया कि 3 लड़कियों को को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

21 सूत्रीय मांगों को लेकर गुजरात में दांड़ी यात्रा

उल्लेखनीय है कि उपेन यादव 21 सूत्रीय मांगों को लेकर गुजरात में दांड़ी यात्रा निकाल रहे हैं। उपेन यादव की प्रमुख मांगें इस प्रकार है। कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती में 40% की बाध्यता में शिथिलता देकर सभी रिक्त पदों को भरा

जाए, 2100+544 पदों पर पंचायतीराज जेईएन भर्ती की विज्ञप्ति जारी की जाए, ग्राम पंचायत ईमित्र संचालक संघ से जुड़े ईमित्र ऑपरेटर अभ्यर्थीयो की तमाम मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, आईटीआई कॉलेजों में कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती की विज्ञप्ति 1500 पदों पर जल्द से जल्द जारी की जाए, अध्यापक भर्ती में विशेष शिक्षकों के अधिक से अधिक पद निकाले जाए, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं में ओबीसी ईडब्ल्यूएस के नवीनतम सर्टिफिकेटो को मान्य किया और किसी भी चयनित अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट की वजह से बाहर नहीं किया जाए।

रेडियोग्राफर लैब टेक्नीशियन जूनियर अकाउंटेंट, कृषि पर्यवेक्षक, एलडीसी, आरएएस, ईसीजी,एसआई, सीएचओ, सूचना सहायक, प्रोग्रामर, दंत चिकित्सक, नर्स ग्रेड 2, एएनएम, पशुधन सहायक, ओटी टेक्निशियन स्टेनोग्राफर एपीआरओ पीआरओ, जलधारी, सहायक कृषि अधिकारी, सेनेटरी इंस्पेक्टर, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, कॉलेज शिक्षा में पीटीआई लाइब्रेरियन और जलदाय विभाग में नई भर्तियां निकाली जाए। राज्य सरकार द्वारा इस बजट में 1 लाख सरकारी भर्ती निकालने की घोषणा की गई थी, इसलिए राज्य सरकार एक लाख भर्तियों का विभाग वाइज भर्तियों का वर्गीकरण करके जल्द से जल्द विज्ञप्तियां जारी करे।

ओबीसी आरक्षण की विसंगतियां तत्काल दूर की जाए 2018 से 22 तक जीतने पदों का नुकसान ओबीसी के युवाओं को हुआ है। वह सारे ओबीसी के युवाओं को दिए जाए तथा प्रक्रियाधीन भर्तियों में भी ओबीसी के युवाओं को किसी प्रकार का नुकसान नहीं हो। नर्सिंग भर्ती 2013 जल्द से जल्द पूरी की जाए।

छाती से जुड़े जुड़वां बच्चों का जन्म, देखने के लिए अस्पताल में उमड़ी भीड़

नागौर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। नागौर के मेड़ता के एक हॉस्पिटल में प्रसव कराने पहुंची महिला ललिता के लिए डॉक्टर भगवान के रूप में आए। प्रसव के दर्द से परेशान महिला का चेकअप किया गया तो पता चला कि उसके पेट में दो जिंदगिया पल रही है। ऐसे में डॉक्टर ने सफल ऑपरेशन कर मां और उसके दो बच्चों को जीवनदान दिया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार मेड़ता शहर स्थित एक निजी चिकित्सालय में एक महिला प्रसव पीड़ा में अस्पताल पहुंची। प्रसव पीड़ा से बेहाल ललिता की जांच करने पर पाया कि उसके पेट में दो शिशु पल रहे हैं, जो एक दूसरे से जुड़े हैं। डॉक्टर के सामने तीन जिंदगियों को बचाने की चुनौती थी। डॉक्टर ने दोनों बच्चों की सफल डिलीवरी करवाई और तीन जिंदगियां बचा ली। अब डॉक्टर के सामने दोनों बच्चों को बचाने की चुनौती थी।

फोन पर धमकाकर मांग रहा था पांच लाख रुपये

पुलिस ने अजमेर जाकर बदमाश को पकड़ा

जयपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पिछले एक साल से फरार चल रहे बिरेंद्र उर्फ बिरजू को पुलिस ने अजमेर में छापा मारकर गिरफ्तार कर लिया है। उस पर हत्या और हत्या के प्रयास के सात मामले दर्ज है। नया मामला पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने से जुड़ा है। तीन साल पहले जिस शख्स का बिरजू ने अपहरण कर घर वालों से सवा लाख रुपये लिए थे, उसी को फोन पर धमकी दी थी। कहा था कि पांच लाख रुपये नहीं दिए तो जान से मार दिया जाएगा।

जयपुर (पश्चिम) डिप्टी कमिश्नर वंदिता राणा ने बताया कि बगरू पुलिस थाने में 21 सितंबर को वेदप्रकाश सैनी ने रिपोर्ट की थी। उसका कहना था कि उसके पास 29 अगस्त को अज्ञात व्यक्ति ने उसे फोन किया था। उसने कहा कि 'मैं बिजेंद्र उर्फ बिरजू बोल रहा हूं। मेरी बात गौर से सुन। तू मुझे पांच लाख रुपये की रंगदारी देगा। तू मुझे पांच लाख रुपये नहीं देगा तो तुझे और तेरे परिवार वालों को जान से मार दूंगा। पहले वाले मुकदमे में राजीनामा भी करना पड़ेगा। तू यह दोनों काम कर दे, मैं तुझे कुछ भी नहीं कहूंगा। बिरजू ने तीन साल पहले धमकी देकर अपहरण कर लिया था। मेरे परिवार ने सवा लाख रुपये देकर छुड़ाया था।

इसका मुकदमा जवाहर सर्किल थाने में दर्ज है। बिजेंद्र उर्फ बिरजू एक खतरनाक बदमाश है। वह मुझे डराकर रुपये मांग रहा है। मुझे डराकर रुपये मांग रहा है।' इस शिकायत के आधार पर बगरू पुलिस थाने में प्रकरण संख्या 302/21 के तहत धारा 384 आईपीसी में केस दर्ज हुआ।

जांच में पता चला कि बिजेंद्र धमकी देने के बाद घर भाग गया था। कुछ दिन की जांच के बाद पता चला कि वह आमेर में छिपा हुआ है। पुलिस ने छापा मारकर उसे पकड़ा और पूछताछ की गई। उसके खिलाफ पहले भी हत्या, हत्या का प्रयास, लूट और अपहरण के कई मामले दर्ज है।

राजस्थान में बॉन्ड नीति को लेकर रेजिडेंट डॉक्टर्स का कार्य बहिष्कार, सरकार संग वार्ता विफल

जयपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में रेजिडेंट डॉक्टर्स ने बॉन्ड पॉलिसी को लेकर विसंगतियों को दूर नहीं करने पर कार्य का बहिष्कार कर दिया है। रेजिडेंट डॉक्टर्स की सरकार के साथ वार्ता बेनतीजा रही है। कार्य का बहिष्कार कर दिया।

राजस्थान में रेजिडेंट डॉक्टर्स की सरकार के साथ वार्ता बेनतीजा रही है। इस वजह से रेजिडेंट डॉक्टर्स ने कार्य का बहिष्कार कर दिया है। रेजिडेंट डॉक्टर्स की बातचीत चिकित्सा शिक्षा सचिव वैभव गालरिया के साथ हुई थी। लेकिन बिना किसी नतीजे के वार्ता विफल हो गई। जिसकी वजह से शनिवार को भी एसएमएस मेडिकल कॉलेज और इससे सम्बद्ध अस्पतालों में रेजिडेंट का कार्य बहिष्कार जारी है। आपकों बता दें चिकित्सक कई दिनों से कार्य का बहिष्कार कर रहे हैं, लेकिन सरकार के साथ वार्ता होने से हड़ताल खत्म होने की उम्मीद बनी। लेकिन वार्ता बेनतीजा रही है।

चिकित्सों का कहना है कि बॉन्ड पॉलिसी को लेकर विसंगतियों को दूर नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बॉन्ड नीति में छूट देने की मांग हम लोग कर रहे हैं। पिछले 3 दिनों से जहां सिर्फ एसएमएस मेडिकल कॉलेज से जुड़े रेजिडेंट चिकित्सक ही कार्य बहिष्कार के लिए चले गए थे तो वहीं अब प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट चिकित्सकों ने भी कार्य बहिष्कार का ऐलान कर दिया है। हालांकि इस दौरान इमरजेंसी, ट्रॉमा सेवाओं को दूर रखा गया है। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स का कहना है कि बॉन्ड नीति में कई खामियां हैं। जिन्हें दूर किया जाए। वर्ष 2013-14 में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने रेजिडेंट चिकित्सकों की बॉन्ड नीति जारी की थी। जिसके तहत पीजी होने के पश्चात चिकित्सक को कुछ वर्ष सरकारी सेवा में नौकरी देनी होगी या फिर 25 लाख का बॉन्ड भरना होगा। प्रदेशभर के रेजीडेंट चिकित्सक अब इस नीति के विरोध में उतर गए हैं।

रेजीडेंट चिकित्सकों का कहना है कि हम बॉन्ड भरने को तैयार हैं। लेकिन बॉन्ड नीति अत्यंत जल्दबाजी में जारी की गई है और इसमें सुधार की जरूरत है। इस नीति के कारण रेजिडेंट चिकित्सकों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

पति को बचाने के लिए वृद्धा ने लगाई जान की बाजी, बदमाशों ने अंगुलियां काटी

नागौर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में मारवाड़ मुंडवा के क्यार की ढाणी में खेत में सो रहे वृद्ध दंपती पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। पति को बचाने के लिए वृद्धा ने बीच-बचाव किया तो बदमाशों ने उसकी अंगुलियां काट दी। गंभीर हालत में परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती किया है। मूंडवा के बाद नागौर और वहां से जोधपुर रैफर किया गया है। पुलिस के अनुसार आसुराम बावरी और उसकी पत्नी आसुड़ी रात को अपने खेत पर सो रहे थे। रात करीब दो बजे कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर हमला कर दिया। आसुराम ने शोर मचाना शुरू किया तो आसुड़ी उन्हें बचाने आगे आ गई। हमलावरों ने आसुड़ी के हाथ की अंगुलियां काट दी और भाग निकले। आसुड़ी को सिर में भी गंभीर चोट लगी है।

रिटायर्ड जज को बंधक बनाकर डकैती

एसीबी अधिकारी बन घर में घुसे, पिस्तौल लहराकर धमकाया, कैश-ज्वेलरी लेकर भागे

जयपुर, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिटायर्ड न्यायिक अधिकारी यहां हुई डकैती ने एक बार फिर कानून व्यवस्था की पोल खोल दी है। बदमाश देसी पिस्तौल लेकर घर में घुसे और पूरे परिवार को बंधक बना लिया। इसके बाद कैश-ज्वेलरी और लैपटॉप लेकर फरार हो गए। वहीं, जांच में पुलिस के हाथ लगे सीसीटीवी में बदमाश घर की रेकी करते नजर आ रहे हैं। हालांकि, अब तक पुलिस के हाथ खाली हैं।

मामला जयपुर शहर के मानसरोवर इलाके में शुक्रवार शाम नौ बजे का है। एसएचओ ने बताया कि हथियारबंद बदमाशों ने धनवंतरी हॉस्पिटल के पीछे रहने वाले रिटायर्ड मजिस्ट्रेट राजेश नारायण (61) और उनके बेटे को बंधक बना लिया। अलमारी के लॉकर से गहने-कैश लूटकर फरार हो गए। मानसरोवर थाना पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से मौके से सबूत जुटाए है। पुलिस ने डॉग स्क्वायड टीम को भी मौके पर बुलाया है। एसएचओ ने बताया कि घर में तीन लोग रहते हैं। रात को राजेश की पत्नी सुलेखा (59) पड़ोसी के घर गई हुई थी। करीब 9 बजे राजेश और बेटा आदित्य घर में टीवी देख रहे थे। इस दौरान चार बदमाश आए। घर का गेट खुला था तो अंदर घुस आए। घर के अंदर घुसकर कहा कि हम एसीबी से हैं, क्या आप आर्मी से रिटायर्ड हैं। मना करने के बाद चारों ने दोनों को हथियारों के बल पर बंधक बना लिया। बदमाश अपने साथ मेडिकल टेप लेकर आए थे। इससे दोनों पिता-पुत्र के हाथ पीछे की तरफ बांध दिए। फिर गहनों और कैश के बारे में पूछा। नहीं बताने पर दोनों के मूंह पर टेप लगाकर कमरे में बंद कर दिया। उसके बाद आधे घंटे तक चारों घर की तलाशी लेते रहे। इसमें साढ़े 10 हजार रुपए कैश और सोने चांदी के गहने, दो मोबाइल और एक लैपटॉप लूटकर ले गए। रात को करीब 9.30 बजे पत्नी वापस घर पहुंची। उसने देखा तो पति और बेटा कमरे में बंद थे। उनको खोलकर पुलिस को डकैती की जानकारी दी। पूछताछ में सामने आया कि चारों बदमाशों में से दो के पास देसी कट्टे थे। वहीं, दो ने चाकू हाथ में ले रखा था। घटना की सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंची। एफएसएल और डॉग स्क्वायड की मदद से सबूत जुटाए गए।

घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के खंगाला। फुटेजों में रात करीब 7.30 बजे से दो-दो के ग्रुप में चारों बदमाश रेकी करते दिख रहे हैं। इन बदमाशों को रिटायर्ड फौजी के घर लूट को अंजाम देना था, लेकिन गलती से रिटायर्ड जज के घर जा घुसे।

पुलिस को शक है कि बदमाश किसी रिटायर्ड फौजी के घर में लूट करने आए थे, लेकिन घर के बाहर नेम प्लेट नहीं होने के कराण रिटायर्ड जज के घर में घुस गए।

मुनुगोड़े उपचुनाव में भाजपा को वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं : निरंजन रेड्डी

नलगोंडा, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने मुनुगोडे विधानसभा क्षेत्र में फ्लोराइड मुद्दे को हल करने के लिए एक रुपया नहीं दिया है, यह कहते हुए कि भाजपा को आगामी उपचुनाव में लोगों से वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब भारत राष्ट्र समिति) के उम्मीदवार के. प्रभाकर रेड्डी के लिए मुनुगोड़े में मारिगुडा मंडल के भीमनपल्ली में प्रचार करते हुए, निरंजन रेड्डी ने कहा कि वह फ्लोराइड मुद्दे के कारण मुनुगोड़े के लोगों के सामने आने वाले मुद्दों को अच्छी तरह जानते हैं और जबकि पिछले सरकारों ने समस्या को हल करने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किया, यह मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव हैं, जो मिशन भगीरथ के तहत हर घर में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति करके फ्लोराइड समस्या को स्थायी रूप से हल करने में सफल रहे।

फिर भी, बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, नरेंद्र मोदी सरकार ने मिशन भगीरथ के लिए कोई वित्तीय सहायता नहीं दी, उन्होंने लोगों से इस पर भाजपा से सवाल करने के लिए कहा। यह कहते हुए कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ राज्य के प्रत्येक लाभार्थी के घर तक पहुंच रहा है, उन्होंने रैतु बंधु, रैतु बीमा, कल्याण लक्ष्मी, केसीआर किट और किसानों के लिए मुफ्त बिजली सहित योजनाओं को सूचीबद्ध किया।

तेलंगाना राज्य के गठन के बाद युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की ओर इशारा करते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में जाति आधारित व्यवसायों के पुनरुद्धार के लिए विशेष योजनाएं भी शुरू की हैं।

उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं और मिशन काकतीय के तहत गांव के तालाबों की बहाली ने भी राज्य में कृषि क्षेत्र की महिमा को पुनर्जीवित करने में मदद की है, उन्होंने कहा कि लोगों का समर्थन तेलंगाना में सत्ताधारी पार्टी की ताकत है।

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए दान में दी गईं बेंच

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व राज्य मंत्री स्वर्गीय अरीगेरा रामास्वामी चैरिटेबल ट्रस्ट ने सरकारी स्कूलों में करीब दस लाख रुपये की लागत से बेंच दान दी। चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष अडिगे मधुसूदन ने इस अभिनव कार्यक्रम की शुरुआत की।उन्होंने कहा कि शनिवार को छावनी निर्वाचन क्षेत्र के लगभग 18 पब्लिक स्कूलों को गुणवत्तापूर्ण और परिष्कृत बेंचों से सुसज्जित किया जा रहा है। बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पन्ना प्रताप ने तीसरे वार्ड के सरकारी स्कूल में बनाई जा रही बेंचों का निरीक्षण अडिगे मानस के साथ किया। इस अवसर पर अडिगे मधुसूदन ने कहा कि रानू ने अपने दादा की प्रेरणा का अनुसरण करते हुए कई सामाजिक कार्यक्रम किए हैं और आज की आधुनिक दुनिया में समाज के लिए योगदान दे रहे हैं। अडिगे मधुसूदन ने कहा कि आधुनिक शिक्षा का समर्थन करने के लिए भी सरकारी स्कूलों, किताबों की व्यवस्था स्कूल के कमरों में उन्नत गुणवत्ता वाली बेंचों के साथ की जा रही है।

सत्यशक्ति महिला टीवी टावर शाखा ने की मासिक सभा

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्यशक्ति महिला टीवी टावर शाखा की मासिक सभा शाखा परामर्शदात्री श्रीमती निर्मला सिंघल के घर पर हुई। सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा और कोत्तापेट शाखा ने सम्मिलित रूप से बाल दिवस कार्यक्रम आगामी 13 नवंबर को राघव रत्नाकर टावर (समाज के कार्यालय) में मनाने का निर्णय लिया है। बाल दिवस के अवसर पर 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, 7 से 10 वर्ष के बच्चों के लिए कविता (हिंदी) की प्रतियोगिता, 11 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए कहानी सुनाने की (समय सीमा 3 मिनट) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सभी बच्चों को गिफ्ट तथा नाश्ते की व्यवस्था भी की जाएगी। कोत्तापेट शाखा के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल, श्रीमती रेखा जिंदल, सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा के सभी पदाधिकारी तथा कार्यकारिणी सदस्य शिव कुमार अग्रवाल (सलाहकार), लालचंद अग्रवाल (सलाहकार), नीति अग्रवाल, सुनीता तुलसियान, रानी मित्तल, मोना अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, शीतल रुंगटा, आशा, कमला, निर्मला, संतोष उपस्थित थे। सभा का समापन सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा की अध्यक्षा नीति अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन द्वारा संपन्न हुआ।

बंडलागुडा स्थित देवासी समाज संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद नागौर देवासी ग्रूप के सानिध्य में आयोजित श्री पाबुजी महाराज की संगीतमय पड़ व पाठ कार्यक्रम में पड़ प्रस्तुत करते हुए भोपा रुपारामजी एंड पार्टी। अवसर पर कार्यक्रम में पधारे सोहनसिंह राजपुरोहित, परबत सोलंकी का सम्मानकर पड़ पाठ व भोजनप्रसादी का लाभ लेते हुए समाज बन्धु व भक्तगण।

राजस्थानी प्रगति समाज ने रामायण मेले की सफलता के लिए आभार जताया

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल तथा समाज के मानद मंत्री एवं रामायण मेला के मुख्य संचालक गोविन्द नारायण राठी ने 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक आयोजित 50वां रामायण मेला के सफलता के लिए सभी सहयोगियों का आभार जताया। मेला के प्रधान संयोजक गोविन्द नारायण राठी ने एक्जिबिशन सोसाईटी एवं इक्नामिक कमेटी के डॉ. प्रभाशंकर, अध्यक्ष एकनामिक कमेटी आ.प्र. एवं उपाध्यक्ष एक्जिबिशन सांसाईटी मंत्री दयाशंकर शास्त्री का आभार प्रकट किया। साथ ही जिला पुलिस टिपार्टमेट एसीपी आबिडस जोन वेकटरेड्डी, इंस्पेक्टर बेगम बाजार शंकर, आर एंड बी के सहायक मुरली मोहन, फायर डिपार्टमेट तथा सभी डोनर तथा डांडिया के संयोजक विनय कुमार, सुरेन्द्र रेड्डी, मनोज जायसवाल, सुनीत राठी एवं कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल डागा को सुचारू रूप से डांडिया का कार्यक्रम संपन्न होने पर उन्हें बधाई दी।

जीएसएमसी मुख्यालय, टैंकबंड में आयोजित वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम में भाग लेते हुए मजदूर व कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दिलीप सिंह, कर्मचारी डी. सन्नी, वाल्मीकि समाज सेवा संघ के अध्यक्ष डी. प्रीतम सिंह, डी. यशवंत, डी. रितु कुमार, राकेश व अन्य।

गौड़ समुदाय ने टीआरएस को दिया समर्थन

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के गौड़ समुदाय के नेताओं ने शनिवार को यहां आबकारी मंत्री श्रीनिवास गौड़ और आईटी मंत्री केटी रामाराव से मुलाकात की और मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी को अपना समर्थन दिया।

समुदाय के नेताओं ने दोनों मंत्रियों को बधाई दी और तेलंगाना में गौड़ समुदाय के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं को शुरू करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर, राज्य गौड़ा संघम के अध्यक्ष पल्ले लक्ष्मण राव गौड़ और राज्य कल्लू गीता संघम समन्वय समिति के अध्यक्ष बलाराजू गौड़ ने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में गौड़ समुदाय की उपेक्षा की गई और उन्हें बाद की सरकारों से कोई समर्थन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर के नेतृत्व वाली टीआरएस सरकार ने रुपये की लाइसेंस फीस माफ कर दी है। हैदराबाद में ताड़ी की दुकानों से संबंधित 16 करोड़ और शराब की दुकानों के टेंडर में गौड़ समुदाय को 15 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया। उन्होंने राज्य सरकार को सरदार पपन्ना गौड़ की जयंती आधिकारिक रूप से मनाने और हैदराबाद में गौड़ समुदाय के स्वाभिमानी भवन के निर्माण के लिए पांच एकड़ भूमि और 5 करोड़ रुपये आवंटित करने के लिए भी धन्यवाद दिया।

भारतीय योग संस्थान पब्लिक गार्डन नामपल्ली शाखा द्वारा प्रतिदिन की तरह नरेंद्र वालिया व मधुसूदन द्वारा योगाभ्यास करवाया गया तथा सभी से प्रतिदिन अधिक से अधिक संख्या में आने की अपील की गई।

अत्तापुर में महिलाओं ने डांडिया नृत्य किया। उपास्थित हैं सपना गुप्ता, पुष्पा, सीता, संध्या, रचना, शिल्पी, खूशबू व अन्य।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा ने की विशेष बैठक

सभा का दीपावली स्नेह मिलन व छात्रवृत्ति वितरण 19 नवंबर को

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक सभा के कार्यालय निर्दोष भवन खैरताबाद हैदराबाद में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से आगामी 19 नवंबर को दीपावली स्नेह मिलन एवं छात्रवृत्ति वितरण समारोह निर्धारित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम को भव्य एवं सुचारू रूप से सम्पन्न करने हेतु विस्तार से चर्चा हुई एवं उसकी रूपरेखा तैयार की गई। इस संदर्भ में समाज के बन्धुओं को सूचित किया जाता है कि छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए सभा के निर्धारित फार्म में आवेदन देने की तिथि 1 नवंबर से 10 नवंबर रखी गई है। छात्रों के अभिभावक पूर्ण विवरण एवं अंक तालिका के साथ प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त छात्रवृत्ति की राशी का निर्धारण किया गया एवं निमंत्रण पत्र के प्रारूप को तय किया गया। आधुनिक तकनीक द्वारा समाज के बन्धुओं से व्यापक सम्पर्क करने के कार्य में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया। कार्यक्रम अध्यक्षता एवं संचालन डॉ. राम कुमार तिवारी ने की। बैठक में कोषाध्यक्ष गोपाल शुक्ल, कार्यकारिणी सदस्य सूर्यप्रकाश शुक्ला, प्रचार मंत्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, महामंत्री विजय पाल पाण्डेय, कार्यकारणी सदस्य दुर्गाप्रसाद मिश्रा, उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, सांस्कृतिक मंत्री रत्न काल मिश्रा, विशेष आमंत्रित प्रेम सुन्दर शुक्ल महामंत्री भवानी प्रसाद तिवारी, युवा मामलों के मंत्री जयशंकर प्रसाद तिवारी, संघटन मंत्री बाला प्रसाद तिवारी ने भाग लिया। माहमंत्री के धन्यवाद ज्ञापन से सभा सम्पन्न हुई।

पीजी रोड, कृष्णानगर कॉलोनी, सिकंदराबाद में ज्योतिषाचार्य पं महेश कुमारजी शर्मा (खंडेलवाल) के श्री पंचागुल्ली ज्योतिष केंद्र की नई शाखा का शुभारंभ करते पूर्व विधान परिषद सदस्य रामचंद्र राव। अवसर पर उपस्थित रामदेव नागला, पार्षद सुचित्रा श्रीकांत, कंचन जोशी, संदीप जायलवाल, घनश्याम व्यास, मोहन बाबू, जुगलकिशोर उपाध्याय व अन्य।

दि सिकंदराबाद एवं बोइनपल्ली मार्केट यार्ड व्यापारी संघ की कार्यकारिणी समिति की बैठक अध्यक्ष ए. गौतम जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित हैं उपाध्यक्ष गोपाल बंग, हरिकिशन बंग, आनंद बंग, मधुबाबू, नारायणलाल मल्लेशव अन्य। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

हस्मतपेट में भाई समाज सेवा के संयोजक दीपक शर्मा के नेतृत्व में जरूरतमंदों में अन्नदान किया गया। इसका सैकडों लोगों ने भाग लिया।

हिंदी साहित्य भारती आंप्र की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विशाखापट्टणम के लोक ग्रंथालय में अंतर राष्ट्रीय हिन्दी संस्था हिंदी साहित्य भारती आंध्र प्रदेश राज्य की कार्यकारिणी समिति की बैठक साहित्य भारती के परामर्श दाता डॉ. एस. कृष्ण बाबू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. गोरख नाथ तिवारी (प्रभारी हिंदी साहित्य भारती, आंध्र प्रदेश) और आत्मीय अतिथि के रूप में डॉ. प्रवीण कुमार सिंह पधारे। श्रीमती रेखा तिवारी ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। ततपश्चात भराती द्वारा मातृ वंदना भारतीय हिंदी साहित्य संस्था के ध्येय गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ ! प्रार्थना के अनंतर हिन्दी साहित्य भारती आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्षा डॉ. पी. के. जयलक्ष्मी ने सभा का स्वागत करके हिंदी साहित्य भारती के संस्थापन और लक्ष्यों का जिक्र किया। उन्होंने हिन्दी को राजभाषा के स्तर से राष्ट्र भाषा का दर्जा दिलाने में सभी भारत वासियों के सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। हिन्दी के प्रचार प्रसार में कटिबद्ध डॉ. रवींद्र शुक्ल के संकल्पों को सराहते हुए सबको हिन्दी की सेवा में जुड़ने के लिए उन्होंने आग्रह किया।

आचार्या पीके जयलक्ष्मी ने संस्थागत कार्यकलापों एवं भावी कार्यक्रमों की योजना पर विस्तृत प्रकाश डाला। अध्यक्ष कृष्णबाबू ने अपने वक्तव्य में संस्था की गरिमा एवं हिंदी भाषा के प्रयोग क्षेत्र व स्वरूप पर सोदाहरण प्रकाश डालते हुए हिंदी भाषा के संस्कृत निष्ठ रूप को अपनाने की बात कही जिससे पूरे भारत वर्ष के लोग आसानी से हिंदी भाषा को समझ सकेंगे। ढॉ. गोरखनाथ तिवारी ने संस्था की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र एवं उसकी आवश्यकता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने रवींद्र शुक्ल की मानस पुत्री हिंदी साहित्य भारती संस्था के प्रेरणा व उद्भव पर सटीक विवेचन प्रस्तुत किया। प्रवीण कुमार ने अपने व्यवसाय संबंधी रासायनिक एवं वर्तमान औषधियों के उत्पादन व क्रय संबंधी विषयों पर ज्ञान वर्धक विचार व्यक्त किया। प्रथम सत्र की समाप्ति के पश्चात कवि सम्मेलन हुआ। डॉ राजेश कुमार गौड़ ने सभा का संचालन किया। सतीश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

राज्यपाल व सीएम ने मुस्लिम भाइयों को दी बधाई

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन तथा सीएम केसीआर ने रविवार को "ईद मिलाद-उन-नबी' की पूर्व संध्या पर मुस्लिम भाइयों को बधाई दी। राज्यपाल ने एक संदेश में कहा कि मैं पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन ईद मिलाद-उन-नबी के शुभ अवसर पर अपनी हार्दिक बधाई देती हूं। पैगंबर मुहम्मद की करुणा, सहिष्णुता, एकता, सद्भाव और सार्वभौमिक भाईचारे की महान शिक्षाएं हम सभी को सभी की भलाई के लिए काम करने के लिए प्रेरित करती रहेंगी। सीएम ने भी मुस्लिम भाइयों के प्रति अपना स्नेह बयां किया तथा उन्हें बधाई दी।

नवरात्रि के अंतिम दिन मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल व अन्य । इस दौरान जायसवाल ने गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह की जल्द रिहाई के लिए प्रार्थना की।

नामपल्ली स्थित बीजेपी पार्टी कार्यालय में भाजपा तेलंगाना प्रभारी तरूण चुघ, सह प्रभारी अरविंद मेनन, संगठन प्रभारी सुनील बंसल, प्रदेश अध्यक्ष व सासंद बंडी संजय से भेंटकर विधायक टी. राजा सिंह की रिहाई कराने, उनका निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त करने तथा गौमाता को राष्ट्र माता घोषित कराने के संकल्प में सहयोग करने का उत्तर भारतीयों एवं गुजरातियों की ओर से निवेदन करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान, अविनाश देवडा, बजरंग शर्मा, हरीकिशन ओझा, मोहनसिंह एवं अन्य।

विश्व मंगल गौशाला में 3 दिसंबर को आयोजित होने वाले एक शाम गौ माता के नाम जागरण के बारे में जानकारी देते हुए ओमजी मुंडेल और मुकेश वैष्णव। उपस्थित हैं चोलाराम हाम्बड, गज्जू भाई कोलरिया, संगीता सीरवी, दिनेश सीरवी, श्रवण सिंह, प्रभू सिंह,ताराराम सीरवी, गौशाला मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार व अन्य।

रेसलिंग में भारत की धाक, वही कॉमनवेल्थ से बाहर

आखिर ऑस्ट्रेलिया ने कैसे किया खेल

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2022 के कॉमनवेल्थ खेलों में भारत ने कुल 22 गोल्ड मेडल जीते। इनमें से 6, यानी हर चौथा गोल्ड मेडल रेसलिंग में मिला। अगले कॉमनवेल्थ खेलों में हमारे सबसे मजबूत खेलों में से एक को बाहर कर दिया गया है। ये खेल 2026 में ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में होने हैं। ऑस्ट्रेलिया इतना बड़ा गच्चा देने में कैसे सफल हुआ? सीडब्ल्यूजी से कैसे निकाले और शामिल किए जाते हैं खेल?

सीडब्ल्यूजी 2026 से रेसलिंग बाहर, 20 खेल शामिल

कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन यानी सीडब्ल्यूएफ और कॉमनवेल्थ गेम्स ऑस्ट्रेलिया ने 5 अक्टूबर को 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल होने वाले खेलों की घोषणा की। इन खेलों में कुल 20 खेलों के 26 इवेंट्स होंगे, जिनमें 9 पैरा स्पोर्ट्स भी शामिल हैं। रेसलिंग को इन गेम्स में जगह नहीं मिली है। 2010 के बाद ये पहली बार है जब रेसलिंग को सीडब्ल्यूजी गेम्स में जगह नहीं मिली है।

कुल मिलाकर 1930 में शुरू हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के 92 सालों के इतिहास में ये केवल चौथा मौका है जब रेसलिंग कॉमनवेल्थ गेम्स से बाहर हुआ है। इससे पहले केवल तीन बार-1990 ऑकलैंड, 1998 कुआलालम्पुर और 2006 मेलबर्न कॉमनवेल्थ गेम्स में रेसलिंग शामिल नहीं किया गया था। वहीं आर्चरी, यानी तीरंदाजी को भी 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में जगह नहीं मिली है। आर्चरी इससे पहले केवल दो बार 1982 और 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में ही शामिल हुआ था और दूसरी बार भारत इसमें दूसरे स्थान पर रहा था। भारत ने आर्चरी में अब तक 3 गोल्ड, 1 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज समेत कुल 8 मेडल जीते हैं। 23वें कॉमनवेल्थ गेम्स यानी 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन 17 मार्च से 29 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत के जिलॉन्ग, बेंडिगो, बल्लारेट और गिप्सलैंड शहरों में होगा। इसका उद्घाटन समारोह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में होगा।

रेसलिंग में ऑस्ट्रेलिया का खराब रिकॉर्ड, इसलिए हटाया

ऑस्ट्रेलिया का इस खेल में खराब रिकॉर्ड है। 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ऑस्ट्रेलिया 178 मेडल जीतते हुए पहले स्थान पर रहा था, लेकिन रेसलिंग में वह केवल 2 ब्रॉन्ज मेडल जीत पाया था। इसीलिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी मेजबानी में होने वाले 2026 सीडब्ल्यूजी के लिए रेसलिंग को शामिल नहीं किया। रेसलिंग को ऑस्ट्रेलिया में हुए 2006 मेलबर्न कॉमनवेल्थ गेम्स में भी जगह नहीं मिली थी।

रेसलिंग का सुपरपावर है भारत, ऑस्ट्रेलियाई चाल से लगा झटका

रेसलिंग कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग के बाद भारत को दूसरा सबसे ज्यादा गोल्ड मेडल दिलाने वाला खेल रहा है। भारत पिछले चार कॉमनवेल्थ गेम्स में से तीन बार रेसलिंग मेडल टैली में टॉप पर रहा था। साथ ही बर्मिंघम में हुए 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के कुल 61 मेडल में से 12 तो रेसलिंग से आए थे, जिनमें से 6 गोल्ड मेडल थे। भारत ने सीडब्ल्यूजी में रेसलिंग में अब तक 49 गोल्ड, 39 सिल्वर और 26 ब्रॉन्ज मेडल समेत कुल 114 मेडल जीते हैं। 1930 में पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल होने के बाद से पिछले 92 सालों में ये केवल चौथा मौका होगा, जब रेसलिंग किसी सीडब्ल्यूजी गेम्स का हिस्सा नहीं होगा।

भारतीय पहलवानों को दोहरा नुकसान:हुनर दिखाने, पुरस्कार पाने का मौका छिनेगा

भारतीय कुश्ती का हब माने जाने वाले हरियाणा से आने वाली चर्चित पहलवान विनेश फोगाट ने इसे भारतीय पहलवानों के लिए निराशाजनक कहा है। सुशील कुमार के बाद लगातार तीन कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली दूसरी भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने एक इंटरव्यू में कहा कि कुश्ती ही उन कुछ खेलों में शामिल है, जिनमें भारत दुनिया में अपनी छाप छोड़ता है। साथ ही सीडब्ल्यूजी और एशियन गेम्स जैसे प्लेटफॉर्म से ही युवा पहलवानों को खुद साबित करने का मौका मिलता है। सीडब्ल्यूजी की कामयाबी पहलवानों के लिए आर्थिक रूप से भी मददगार होती है। इस साल केंद्र सरकार ने सीडब्ल्यूजी के गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को क्रमशः 20 लाख, 10 लाख और 7.5 लाख रुपए का इनाम दिया था। वहीं हरियाणा सरकार ने हर गोल्ड मेडलिस्ट को 1.5 करोड़ रुपए देने की घोषणा की थी। अब सीडब्ल्यूजी से रेसलिंग को बाहर किए जाने से फिलहाल ये मौका पहलवानों से छिन गया है। विनेश फोगाट का कहना है कि ज्यादातर पहलवान गरीब परिवारों से आते हैं। हरियाणा में अपने बच्चों के कुश्ती का सपना पूरा करने के लिए लोग अपनी जमीनों तक को बेचे देते हैं। ऐसे में सरकार से मिलने वाले पुरस्कार पहलवानों को अपना करियर संवारने और परिवार का खर्च उठाने में मदद करते हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स के खेलों को शामिल करने का प्रोसेस क्या है?

कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन यानी सीडब्ल्यूएफ कॉमनवेल्थ गेम्स की संचालक संस्था है। सीडब्ल्यूएफ ही कॉमनवेल्थ में शामिल किए जाने वाले खेलों को मान्यता और सहमति देता है। सीडब्ल्यूएफ चार्टर के अनुसार हर कॉमनवेल्थ गेम्स में कम से कम 20 कोर और पैरा स्पोर्ट्स को शामिल करना जरूरी होता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल करने के लिए सीडब्ल्यूएफ ने तीन कैटेगरी बना रखी है...

कोर स्पोर्ट्स: ऐसे स्पोर्ट्स और पैरा स्पोर्ट्स जिन्हें हर कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल करना जरूरी होता है। पैरा स्पोर्ट्स 2002 से पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स में कोर स्पोर्ट्स के रूप में शामिल हुए थे। **ऑप्शनल स्पोर्ट्स:** मेजबान देश कुछ खेलों को ऑप्शनल खेल के रूप में शामिल कर सकता है। **रिक्गनाइज्ड स्पोर्ट्स:** रिक्गनाइज्ड स्पोर्ट्स वे खेल हैं, जिन्हें सीडब्ल्यूएफ ने अप्रूव किया है, लेकिन उन्हें सीडब्ल्यूजी में शामिल किए जाने से पहले और ग्रो करना जरूरी है।

लेकिन भारत के लिए एक अच्छी खबर भी है

शूटिंग या निशानेबाजी को 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल किया गया है। शूटिंग को 2022 बर्मिंगम कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल नहीं किया गया था। यानी शूटिंग की 4 साल बाद सीडब्ल्यूजी में वापसी हो जाएगी। अप्रैल 2022 में हुई बैठक में सीडब्ल्यूएफ और कॉमनवेल्थ गेम्स ऑस्ट्रेलिया ने रेसलिंग के साथ ही शूटिंग को भी 2026 सीडब्ल्यूजी गेम्स की लिस्ट में शामिल नहीं किया था। बाद में कई दौर की बैठकों के बाद शूटिंग को 2026 सीडब्ल्यूजी गेम्स में शामिल कर लिया गया। ब्रिटेन के बर्मिंघम में हुए 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग को जगह नहीं मिलने की वजह ब्रिटिश अधिकारियों ने लॉजिस्टिक को बताया था। दरअसल, बर्मिंघम में अच्छे शूटिंग रेंज की कमी है और ब्रिटेन ने नए शूटिंग रेंज के लिए इंवेस्टमेंट में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी।इसीलिए उसने 2022 सीडब्ल्यूजी में शूटिंग को शामिल नहीं किया था। हाल के दिनों में ऑस्ट्रेलियाई निशानेबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन यानी आईएसएसएफ के साथ ही शूटिंग ऑस्ट्रेलिया ने भी 2026 सीडब्ल्यूजी में शूटिंग को शामिल किए जाने को लेकर पूरा जोर लगाया था। आखिर में ये कोशिश रंग लाई और शूटिंग सीडब्ल्यूजी 2026 में शामिल हो गया। साथ ही बर्मिंघम के उलट ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में कई अच्छे शूटिंग रेंज भी हैं।

रेसलिंग की कमी शूटिंग से

शूटिंग की सीडब्ल्यूजी में वापसी भारत के लिए राहत भरी खबर है, क्योंकि शूटिंग उसके लिए कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में सबसे ज्यादा मेडल दिलाने वाला खेल रहा है। भारत ने अब तक कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग में 63 गोल्ड, 44 सिल्वर और 28 ब्रॉन्ज समेत कुल 135 मेडल जीते हैं। 2018 गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय निशानेबाजों ने 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज समेत कुल 16 मेडल जीते थे। उस सीडब्ल्यूजी में भारत के जीते कुल 66 मेडल में से 25% मेडल शूटिंग से आए थे।

शाहीन के खिलाफ टीम इंडिया की तैयारी

राहुल, रोहित को प्रैक्टिस कराएंगे चौधरी-सकरिया, ताकि इन स्विंग से परेशान न हो

मुंबई, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम... 24 अक्टूबर 2021 की वो शाम जब टीम इंडिया का स्कोर 6/2 था। यह मौका था पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के पहले मैच का। वहां पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने भारतीय ओपनर्स को महज 6 रनों पर पवेलियन भेज दिया था। केएल राहुल 3 और रोहित शर्मा 0 पर आउट हुए थे। करीब एक साल पहले बनी उस स्थिति का तोड़ टीम इंडिया के थिंक टैंक ने पहले ही निकाल लिया है। उसने 22 साल के इस पाकिस्तानी तेज गेंदबाज से निपटने के लिए बाएं हाथ के मीडियम पेसर मुकेश चौधरी और चेतन सकरिया को नेट बॉलर के तौर पर ऑस्ट्रेलिया भेजा है। ये सभी केएल राहुल, रोहित शर्मा और विराट कोहली को नेट्स कराएंगे, ताकि शाहीन शाह अफरीदी की इन स्विंगर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान न कर सके। शुक्रवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रमीज राजा ने पाकिस्तानी चैनल डॉन न्यूज से बात करते हुए अफरीदी के फिट होने का ऐलान करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज भारत के खिलाफ पहले मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेगा। यहां याद दिलाना जरूरी है कि दुबई के मैदान पर बाएं हाथ के अफरीदी ने अपनी इन स्विंग गेंदों से भारतीय बल्लेबाजों की जमकर खबर ली थी। उन्होंने राहुल-रोहित के अलावा विराट कोहली का विकेट निकाला था। ऐसे में भारतीय थिंक टैंक ने पहले से ही भारतीय बल्लेबाजों को बाएं हाथ के गेंदबाज की इन स्विंग गेंदों के लिए तैयार करने का फैसला किया है। लेफ्ट आर्म पेसर की इन स्विंग गेंदें राहुल-रोहित को अक्सर परेशान करती रही हैं। ऐसे में चौधरी-सकरिया के साथ भारतीय बल्लेबाजों की प्रैक्टिस कारगर साबित होगी। भले ही इन दोनों गेंदबाजों के पास शाहीन जितनी स्पीड न हो, स्विंग जरूर है।

वर्ल्ड कप के लीग मुकाबलों में भारत को मुख्यतः 3 लेफ्ट आर्म पेसर का सामना करना पड़ेगा। इनमें पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी, साउथ अफ्रीका के बेन परनेल और बांग्लादेश के मुश्तफिजुर रहमान शामिल हैं।

अपने बेस कैंप पर्थ के डब्ल्यूएसीए में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। भारतीय बोर्ड ने शनिवार को वीडियो जारी किए हैं। इसमें भारतीय टीम ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लेती दिख रही है।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों को हमेशा से परेशान करते रहे हैं।

भारतीय हॉकी स्टार बना दुनिया का 'बेस्ट प्लेयर'

लगातार दूसरी बार जीता अवॉर्ड

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान 26 साल के हरमनप्रीत सिंह लगातार दो बार ये अवॉर्ड जीतने वाले सिर्फ चौथे पुरुष खिलाड़ी बन गए.

के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर बनने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खाते में एक और बेहद खास अवॉर्ड आ गया है. टीम के स्टार डिफेंडर और तूफानी ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को इस साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष हॉकी खिलाड़ी चुना गया है. अंतरराष्ट्रीय हॉकी संघ ने इसका ऐलान किया. खास बात ये है कि हरमनप्रीत को लगातार दूसरी बार ये प्रतिष्ठित अवॉर्ड मिला है और इस तरह हॉकी के दिग्गजों के साथ उनका नाम आ गया है.

पिछले साल भारत को टोक्यो ओलिंपिक में भारत को ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जिताने में अहम भूमिका निभाने के बाद हरमनप्रीत सिंह ने इस साल कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन चैंपियनशिप और एफआईएच प्रो लीग में अच्छा प्रदर्शन किया था. सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए चयन के लिए हुई वोटिंग के बाद हरमनप्रीत को कुल 29.4 अंक मिले, उनके बाद थिएरी ब्रिंकमैन के 23.6 और टॉम बून के 23.4 अंक हैं. शुक्रवार को इस अवॉर्ड का ऐलान करते हुए FIH ने एक बयान में कहा, हरमनप्रीत एक आधुनिक युग के हॉकी सुपरस्टार हैं. वह शानदार डिफेंडर हैं जिनमें प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ने के लिय सही समय पर सही जगह पहुंचने की बेहतरीन क्षमता है. उनकी ड्रिब्लिंग काबिलियत शानदार है. वह काफी गोल बनाते भी हैं. अब उन्हें लगातार दूसरे साल FIH का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है.

दिग्गजों की लिस्ट में शामिल

26 साल के भारतीय स्टार को इससे पहले पिछले साल भी FIH की ओर से ये खास अवॉर्ड मिला था. इस तरह वह पुरूष वर्ग में लगातार दो बार वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए. उनसे पहले नेदरलैंड के तेयून डि नूजीयर, ऑस्ट्रेलिया के जेमी ड्वायर और बेल्जियम के आर्थर वैन डोरेन ने ये बेहद विशिष्ट उपलब्धि अपने नाम की थी.

लगातार शानदार प्रदर्शन

इस साल के प्रदर्शन की बात करें, तो टीम इंडिया के उप-कप्तान हरमनप्रीत ने प्रो लीग 2021-22 में 16 मैचों में 18 गोल दागे, जिनमें दो हैट्रिक भी शामिल थी. यह भारत की ओर से प्रो लीग के एक सीजन में सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड भी है. इसके अलावा एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने 6 मैचों में आठ गोल दागे थे. उन्होंने तब हर मैच में एक गोल किया था.

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ भज्जी का मोर्चा

हरभजन बोले- गलत तरीके से दी जा रही लाइफ मेंबरशिप

चंडीगढ़, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह भज्जी ने पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भज्जी ने पीसीए के प्रधान गुलजार इंदर चहल पर आरोप लगाए कि वह गलत तरीके से मेंबरशिप दे रहे हैं। हरभजन सिंह पीसीए के एडवाइजर है।

उनका कहना है कि पीसीए के सेक्रेटरी दिलशेर खन्ना और सेक्रेटरी सुरजीत राय के साथ अपेक्स काउंसिल के 2 मेंबरों ने उन्हें शिकायत दी। जिसके बाद उन्हें यह ओपन लेटर लिखना पड़ा है। खास बात यह है कि चहल और भज्जी आपस में करीबी दोस्त रहे हैं लेकिन इस मुद्दे पर उनके बीच टकराव हो गया है। हरभजन सिंह ने कहा कि बीते करीब 10 दिन से उन्हें क्रिकेट प्रेमियों की कई शिकायतें मिली। भज्जी ने कहा कि पीसीए के प्रधान गुलजार इंदर चहल अपने पक्ष में वोट डलवाने के लिए करीब 150 सदस्यों को शामिल कर कर रहे हैं। जो एसोसिएशन के हित में नहीं है। इस तरह की अवैध गतिविधियों को रोकना मेरी जिम्मेदारी है। हरभजन सिंह ने कहा कि जनरल बॉडी और चीफ एडवाइजर की सलाह लिए बगैर ही चहल फैसले ले रहे हैं। जो खेल संघ के प्रशासनिक, बीसीसीआई संविधान और पीसीए के दिशा-निर्देशों और नैतिक मानदंडों का उल्लंघन है। हरभजन सिंह ने इस मामले को जल्द ही बीसीसीआई के समक्ष लेकर जाएंगे। उन्होंने मांग की कि पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के फैसलों में चीफ एडवाइजर की राय जरूर ली जाए। इस मामले में सबसे हैरानीजनक हरभजन सिंह के चहल पर आरोप हैं। चहल हरभजन सिंह के करीबी रहे हैं। जब हरभजन ने राज्यसभा चुनाव लड़ा तो नामांकन के वक्त भी चहल उनके साथ मौजूद थे। यही नहीं, जब हरभजन जीते और वह आईपीएल कमेंट्री में व्यस्त थे तो उनकी जीत का सर्टिफिकेट भी गुलजार इंदर चहल ने ही लिया था। अब अचानक हरभजन सिंह के मोर्चा खोलने को पीसीए पर वर्चस्व की लड़ाई से जोड़कर देखा जा रहा है।

भारतीय ओलंपिक संघ में सचिव की जगह सीईओ का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने भारतीय ओलंपिक संघ के कानून में बदलाव की बात कही है और चुनाव के जरिए सचिव चुनने की बजाए सीईओ की नियुक्ति करने का प्रस्ताव रखा है। भारतीय ओलंपिक संघ के कानून में दिसंबर से कई बदलाव लागू हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने दिसंबर के चुनावों के बाद एक निर्वाचित महासचिव के बजाय एक नियुक्त सीईओ का प्रस्तावव दिया है। पिछले महीने स्विट्जरलैंड में हुई संयुक्त बैठक में आईओसी के अलावा ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया, आईओए और खेल मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल थे। 27 सितंबर को लुसाने में एक बैठक में आईसी ने भारतीय खेल संघ को अंतिम चेतावनी दी है। अब आईओए को आईओसी कार्यकारी बोर्ड की अगली बैठक से पहले चुनाव का एलान करना होगा, जो 5-7 दिसंबर के बीच होनी है। ऐसा नहीं होने पर आईओए को बैन किया जा सकता है। इस बैठक में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा भी शामिल थे। बैठक के बाद आईओसी ने बताया आईओसी/ओसीए अतिरिक्त तत्वों का भी प्रस्ताव करेगा (जैसे निर्वाचित महासचिव की स्थिति को एक नियुक्त पद में बदलना, ताकि महासचिव कार्यकारी समिति द्वारा नियुक्त/नियुक्त सीईओ के रूप में कार्य करे। साथ ही एक स्वतंत्र नैतिकता आयोग का गठन, जो आईओसी दिशानिर्देशों और सुरक्षा प्रथाओं के अनुसार काम कर सके)

गांगुली नहीं लड़ेंगे चुनाव, रोजर बिन्नी बन सकते हैं अध्यक्ष

मुंबई, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष सौरव गांगुली बोर्ड में अपनी पारी आगे नहीं बढ़ाएंगे। वे 18 अक्टूबर को एजीएम में अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनका नाम सीसीआई के अध्यक्ष पद की रेस में है। 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे रोजर बिन्नी बीसीसीआई अध्यक्ष बन सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोजर बिन्नी नए अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे हैं। गांगुली 2019 में बीसीसीआई के अध्यक्ष चुने गए थे। एजीएम में शामिल होने वाले 38 राज्य संघों में से 35 की सूची आ गई है। बिन्नी कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए हैं। इससे पहले सचिव संतोष मेनन एजीएम में हिस्सा लेते थे।

बीसीसीआई के चुनाव अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष की भूमिका के लिए होंगे। चुनाव लड़ने के लिए इन पदों पर 11 और 12 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल करना है। वहीं, 13 अक्तूबर को आवेदन की जांच की जाएगी। 14 अक्तूबर तक तक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकते हैं। 15 अक्तूबर को सही नामांकन करने वालों की लिस्ट जारी की जाएगी। 18 को चुनाव होंगे।

बिन्नी का नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि उन्हें बड़ा पद मिलने वाला है। वे भारतीय टीम के चीफ सिलेक्टर भी रह चुके हैं। इस बीच, गांगुली एजीएम में बंगाल क्रिकेट संघ के प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा लेंगे। यानी बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष जगमोहन डालमिया के बेटे अभिषेक बोर्ड का हिस्सा नहीं होंगे।

गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जय शाह सचिव की भूमिका में ही बने रह सकते हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के अरुण धूमल कोषाध्यक्ष के लिए ही दावेदारी पेश करेंगे। दिल्ली एसोसिएशन के रोहन जेटली को बोर्ड या आईपीएल में बड़ी भूमिका मिल सकती है।

देश के पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली को बोर्ड या फिर आईपीएल में कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं, बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला को आईपीएल चेयरमैन का पद मिल सकता है।

टीम इंडिया विमेंस एशिया कप के सेमीफाइनल में : बांग्लादेश को 59 रन से हराया

सिलहट, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम विमेंस एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। भारत ने शनिवार को खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश को एकतरफा अंदाज में 59 रन से हरा दिया। यह इस टूर्नामेंट में भारत की पांच मैचों में चौथी जीत है और टीम ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। अंतिम चार के मुकाबले 13 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। 160 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम 100 रन ही ही बना सकी। भारत की शेफाली वर्मा प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। उन्होंने 44 गेंदों पर 55 रन की पारी खेलने के साथ-साथ 4 ओवर में सिर्फ 10 रन खर्च करते हुए दो विकेट भी लिए।

ओपनर स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने भारत को अच्छी शुरुआत दी। पावर प्ले में भारत ने बिना विकेट खोए 59 रन बनाए। भारतीय टीम ने 5.2 ओवर में ही 50 रन बना लिए थे। वहीं 10 ओवर की समाप्ति के बाद भारत का स्कोर बिना विकेट खोए 91 रन था। भारत को पहला झटका12वें ओवर की आखिरी गेंद में लगा। मंधाना रनआउट हो कर पवेलियन लौट गईं। उन्होंने 38 गेंदों का सामना कर 47 रन बनाए।

वहीं शेफाली वर्मा भी 14.5 ओवर में रुमाना की गेंद पर बोल्ड हो गईं। उन्होंने 44 गेंदों का सामना कर 55 रन बनाए। शेफाली ने अपनी पारी में 5 चौके और 6 छक्के जड़े। उनके और मंधाना के बीच पहले विकेट के लिए 96 रन की पार्टनरशिप हुई। वहीं जेमाइमा रोड्रिग्स ने 24 गेंदों का सामना कर नाबाद 35 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से रूमाना अहमद ने 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा सलमा खातून ने 3 ओवर में 16 रन देकर 1 विकेट लिए।

टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत भी अच्छी रही। बांग्लादेश ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 30 रन बनाए। ओपनर फरगना हक और मुर्शिदा खातून ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच 45 रन की पार्टनशिप हुई। बांग्लादेश का पहला विकेट 10वें ओवर की पहली गेंद पर स्नेह राणा ने मुर्शिदा को मंधाना के हाथों कैच कराकर लिया। खातून ने 25 गेंदों का सामन कर 21 रन बनाए। वहीं उनके जाने के बाद फरगना हक भी 13.4 ओवर में 68 रन पर पवेलियन लौट गईं। उनका विकेट भी स्नेह राणा ने दीप्ति के हाथों कैच कराकर लिया।

शेफाली ने 55 रन की पारी खेलने के बाद गेंद से भी कमाल किया। उन्होंने 4 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए। उनके अलावा दीप्ति शर्मा ने 4 ओवर में 13 देकर 2 विकेट लिए। वहीं रेणुका सिंह और स्नेह राणा ने 1-1 विकेट लिए।

भारत ने 12 मिनट में दागे दनादन गोल

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने एएफसी अंडर 17 एशियाई कप 2023 क्वालीफायर के कमाल कर दिया. टीम ने जीत की हैट्रिक लगाते हुए म्यामांर को 4- 1 से हरा दिया. इस एकतरफा मुकाबले में भारत ने चारों गोल पहले ही हाफ में दाग दिए. कप्तान वी गुइटे और फॉरवर्ड टी गांगटे ने दो- दो गोल किए. पहले हाफ के शुरुआती मिनट में ज्यादा मौके नहीं बन सके. दोनों ही टीमों ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा. हालांकि 21वें मिनट में कोरोउ सिंह ने पहला हमला किया, मगर उनका शॉट कमजोर रहा. भारत को इस पहली सफलता इसके 6 मिनट बाद मिली. 21वें मिनट में चूकने के 6 मिनट बाद गुइटे ने फ्री किक पर गोल दागकर भारत का खाता खोल दिया. भारत को इस मुकाबले में बस खाता खुलने भर की ही देर थी. इसके अगले 12 मिनट में तो भारत ने और 3 गोल दाग दिए. भारत की बढ़त को दुगुना गांगटे ने किया. इसके बाद गुइटे ने अपना दूसरा गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया. पहले हाफ से ठीक 3 मिनट पहले गांगटे का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया और वो एक और गोल करने से चूक गए, मगर 44वें मिनट में उन्होंने हाथ आए मौके का बखूबी फायदा उठाया और एक और गोल दागकर भारत के स्कोर को 4-0 कर दिया.

निस्वार्थ भाव से कार्य करने से हम अमेरिका व चीन को भी पछाड़ सकते : डॉ. गिरीश संघी

उप्र उद्योग मंत्री ने वैश्य समाज के निम्न वर्ग के लोगों के विकास पर ध्यान देने का जोर दिया

प्रयागराज, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी ने आज वैश्य समाज का आह्वान करते हुये कहा कि सरकार की एक जिला-एक उत्पाद की नीति का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 75 जिले है। हर जिला किसी न किसी चीज के प्रसिद्ध होता है। इसे अपनाने से व्यापार में वृद्धि की अधिक संभावनाएं है। डॉ. संघी यहां अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की दो दिवसीय कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विदेशों में अप्रवासी भारतीयों की आबादी भारत की जनसंख्या के करीब एक प्रतिशत है और उनका घरेलू सकल उत्पाद भारत के घरेलू सकल उत्पाद के बराबर है।

10 साल निस्वार्थ भाव से कार्य किया जाये तो हम अमेरिका को पछाड सकते हैं। चीन को पछाड़ना भारत का बायें हाथ का खेल है। कार्यक्रम की शुरूआत मां लक्ष्मी के चित्र के समक्ष उत्तर प्रदेश सरकार के उद्योग मंत्री नंदगोपाल नंदी, राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल और राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी, उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुधीर एस हलवासिया सहित अन्य द्वारा दीप प्रज्जवलित करने के साथ हुई। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. गोपाल एम मोर ने बताया कि अगले दस साल वैश्य समुदाय के है। इन दस साल में छोटे से बडे उद्योगों को पनपने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि लखनउ में वैश्य समाज के स्वर्गीय दाउजी गुप्ता के नाम पर एक पार्क और सडक का नाम रखने की उत्तर प्रदेश सरकार से की गई थी जिसे अभी तक पूरा नहीं किया गया है।

उत्तर प्रदेश के उद्योग मंत्री नंदगोपाल नंदी ने आज अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन से कॉर्पस फंड बनाने का सुझाव देते हुये कहा कि वह इस फंड में अपनी ओर से 51 लाख रूपये देगें। उन्होंने कहा कि इससे वैश्य समाज के निम्न वर्ग के लोगों को ब्याज मुक्त ऋण दिया जा सकेगा। श्री नंदी ने भरोसा दिया कि देश के किसी भी कोने में अगर कोई वैश्य समाज के व्यक्ति नाजायज परेशान करता है, तो वह उसके लिए हर समय उपलब्ध है।

इससे पहले प्रयागराज की महापौर अभिलाषा नंदी ने कहा कि वैश्य संगठन का सम्मेलन उत्तर प्रदेश के हर शहर में आयोजित किया जाना चाहिए इससे समाज को एकजुट करने में सहायता मिलेगी। उत्तर प्रदेश के स्टाम्प और न्यायालय शुल्क पंजीकरण राज्यमंत्री रवींन्द्र जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि वह काशी में महाराणा प्रताप के करीबी सहयोगी भामाशाह की प्रतिमा स्थापित करने जा रहे है। कौशल विकास एवं व्यवसायिक शिक्षा राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री एवं हरियाणा के पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने कहा कि संगठन की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक 25 और 26 फरवरी 2023 को राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित की जायेगी। कार्यक्रम के संयोजक विदुप अग्रहरि एवं स्वागत अध्यक्ष संजय गुप्ता ने जाति जनसंख्या के हिसाब से राजनैतिक हिस्सेदारी की मांग को पुरजोर के साथ उठाया जिसका सदन ने जोरदार तालियों के साथ समर्थन किया।

इससे पहले संगठन के उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुधीर एस हलवासिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्रदेश महामंत्री शैलेंद्र अग्रहरि और भारत भूषण ने नौ अक्टूबर के कार्यक्रम में हजारों की संख्या में वैश्य उप वर्गो के व्यक्तियों के शामिल होने के विषय में बताया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश मंत्री सुशांत केसरवानी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य लालू मित्तल, प्रयागराज के जिला अध्यक्ष मनीष गुप्ता, प्रयागराज नगर अध्यक्ष विजय गुप्ता, मंडल प्रभारी राजकुमार केसरवानी, बबलू जारी, सुशील जायसवाल, महिला जिला अध्यक्ष रोशनी अग्रवाल, युवा जिला अध्यक्ष सुधांशु जायसवाल, अमन केसरवानी और वैश्य समाज विभिन्न घटकों के अध्यक्ष एवं महामंत्री मौजूद थे।

दिव्यांग कार्यकर्ता को लात मारने के आरोप में सरपंच निलंबित

जताती दिख रही है, जो बदले में पीड़ित को लात मारती नजर आ रही है।

महबूबनगर, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर एस. वेंकट राव ने हनवाड़ा मंडल पुलुपोनिपल्ली के सरपंच के. श्रीनिवासुलु को दिव्यांग नरेगा कार्यकर्ता कृष्णैया को लात मारने के आरोप में निलंबित कर दिया। जिला प्रशासन ने घटना की जांच के लिए महबूबनगर के आरडीओ अनिल कुमार को भी नियुक्त किया है। सरपंच श्रीनिवासुलु का कृष्णैया को लात मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामले को स्वत: संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल सरपंच को अगली जांच तक के लिए निलंबित कर दिया। घटना के बाद, जिला पुलिस ने सरपंच के खिलाफ संज्ञेय अपराध के तीन मामले भी दर्ज किए हैं। वीडियो में, पीड़िता श्रीनिवासुलु द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा पर आपत्ति

वन अधिकारियों ने पेद्दापल्ली में तेंदुए की आवाजाही की पुष्टि की

पेद्दापल्ली, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरगांव मंडल के पेद्दामपेट में शनिवार को तेंदुए की हरकत की पुष्टि हुई। ग्रामीणों ने सुबह एसटी कॉलोनी के पास एक नाले में तेंदुए के पग के निशान देखे और ग्राम पंचायत अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद सरपंच और एमपीटीसी ने वन अधिकारियों को सूचित किया। वन बीट अधिकारी रहमतुल्ला ने मौके का दौरा किया और पग के निशान की जांच के बाद तेंदुए के आने की पुष्टि की। रहमथुल्ला ने ग्रामीणों को सतर्क रहने, अकेले न जाने और उन इलाकों में न जाने की सलाह दी जहां तेंदुए की हरकतें पाई जाती हैं। उन्होंने चरवाहों को सलाह दी कि वे अपनी भेड़ों के साथ इलाके में न घूमें।

चावल घोटाले में अंतर-जिला व्यापारियों का हाथ !

पूरे मामले पर एक व्यापारी की भूमिका

सिरपुर कागजनगर, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में आसिफाबाद में सामने आए बड़े चावल घोटाले में ऐसी खबरें हैं कि चावल घोटाले के पीछे अंतर-जिला व्यापारी शामिल हैं। खासकर आसिफाबाद एमएलएस प्वाइंट को लेकर निरीक्षण के दौरान 8400 क्विंटल चावल की गणना में अंतर के कारण यह मामला सामने आया। शुरुआत में अधिकारियों का अनुमान था कि यह गोलमाल का मामला छह-सात महीने से चल रहा था, लेकिन अधिकारियों का कहना था कि अगर तार खींचे गए तो चक्कर आ जाएगा। खासकर करीमनगर और पेद्दापल्ली जिलों में ऐसा माना जा रहा है कि चावल की ऐसी ही घटना हुई है। करीमनगर जिले के एक जनप्रतिनिधि पीए पर उनके अनुयायी चल रहे इस कांड में हाथ होने का आरोप लगा रहे हैं।आसिफाबाद जिले के संबंध में सिरपुर क्षेत्र के एक व्यापारी को प्रमुख माना जा रहा है। हाल ही में इस मामले के सामने आने के बाद, जिला कलेक्टर ने दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया और चावल को डायवर्ट करने वाले वायनाम के खिलाफ आरोपों के मद्देनजर पूरी जांच के आदेश दिए। बताया जा रहा है कि इस क्रम में कुछ नई बातों की जांच की जा रही है। वास्तविक चावल की कितनी मात्रा बर्बाद हुई है..? मिलों द्वारा चावल का वास्तविक भंडार एमएलएस बिंदु तक पहुंच गया है या नहीं..? अधिकारियों ने खुलासा किया कि वे गहराई से जांच कर रहे हैं कि इसमें अधिकारियों की कोई भूमिका तो नहीं है।

आसिफाबाद जिले के संबंध में सरकार चावल मिल मालिकों के माध्यम से चावल एकत्र करती है और वहां से डीलरों को नागरिक आपूर्ति विभाग के माध्यम से लाभार्थियों को चावल वितरित करती है। हालांकि जिले में जो अनियमितताएं सामने आई हैं, उसके संबंध में प्रारंभिक तौर पर पुष्टि हो चुकी है कि जिले की राइस मिल से बड़ी मात्रा में चावल डायवर्ट किया गया है। उक्त मिल के व्यापारी पर धान की पिसाई करके और चावल को सरकार को सौंपने वाले कागजों पर फंसा हुआ दिखाकर इस बड़े घोटाले का मास्टरमाइंड होने का संदेह है। लेकिन राजस्व के सूत्रों का कहना है कि यह मामला पिछले दो साल से चल रहा है। इसके अलावा, कहा जाता है कि तीन एमएलएस बिंदु प्रभारी हेरफेर की प्रक्रिया शुरू होने के बाद बदल गए हैं। हर महीने एक या दो लॉरियों की दर से गोदाम तक पहुंचने वाले चावल की मात्रा कम हो रही है और पिछले दो वर्षों में यह राशि 42 लॉरियों तक पहुंचने की उम्मीद है। कहा जाता है कि आसिफाबाद एमएलएस पॉइंट पर आने वाले चावल का 60 प्रतिशत जिले की 21 चावल मिलों से आता है, जबकि शेष 40 प्रतिशत की आपूर्ति करीमनगर, पेद्दापल्ली और रामागुंडम क्षेत्रों से की जाती है। जिले में हुई इस घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का आरोप है जो पड़ोसी जिलों से आने वाले चावल के थे।

इस संदर्भ में फिलहाल सभी का ध्यान जांच अधिकारी के रूप में नियुक्त जिला राजस्व अधिकारी सुरेश की रिपोर्ट पर है। चूंकि आरोपी अधिकारियों को पहले ही निलंबित किया जा चुका है, इस मामले में उनकी भूमिका भी जल्द ही पता चल जाएगी।

राजगोपाल रेड्डी के भाजपा में शामिल होने के पीछे कोई कोयला ब्लॉक नहीं : विवेक वेंकटस्वामी

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता विवेक वेंकटस्वामी ने टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और उद्योग मंत्री केटी रामाराव के इस बयान कि भाजपा के मुनुगोड़े उम्मीदवार कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी केंद्र द्वारा कोयला ब्लॉक आवंटित किए जाने के बाद एक बदले में भाजपा में शामिल हुए हैं, का का खंडन किया। उन्होंने कहा कि राजगोपाल रेड्डी की कंपनी ने कोल इंडिया द्वारा बुलाए गए वैश्विक निविदा के माध्यम से कोयला ब्लॉक खनन अनुबंध हासिल किया था, न कि भाजपा में शामिल होने के लिए पुरस्कार के रूप में।

शनिवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, वेंकटस्वामी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार, कोल इंडिया ने एक वैश्विक निविदा आमंत्रित की थी और राजगोपाल की कंपनी ने कोयला ब्लॉक के लिए प्रतिस्पर्धी मूल्य की पेशकश की और अनुबंध हासिल किया। सत्तारूढ़ पार्टी पर मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए आधिकारिक तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि टीआरएस सांसदों और विधायकों को पार्टी के उम्मीदवार को वोट देने के लिए लोगों पर दबाव बनाने के लिए बूथ दिए गए हैं। जब सत्तारूढ़ दल के सभी जनप्रतिनिधि मुनुगोड़े में डेरा डाले हुए हैं, तो स्वाभाविक रूप से अधिकारियों पर सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवार का पक्ष लेने का दबाव होगा।

कोयला खदान पेंशन योजना के पुनर्गठन के लिए केंद्र पर दबाव डालेंगे कोयला पेंशनभोगी

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश भर में कोयला पेंशनभोगी 10 अक्टूबर, सोमवार को सीएमपीएफ कार्यालय, धनबाद और सीएमपीएफ के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के सामने कोयला खान पेंशन योजना (सीएमपीएस), 1998 के तहत पेंशन के केंद्र द्वारा समीक्षा और संशोधन की मांग को लेकर धरना देंगे। ऑल इंडिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन (एआईसीपीए) के संयोजक के सिंह राठौर के अनुसार, देश भर के कोयला पेंशनभोगी सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक धरना देंगे। धरने के बाद आयुक्त, सीएमपीएफ और क्षेत्रीय आयुक्तों को मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा। कोयला खान पेंशन योजना के पुनर्गठन के लिए लोक लेखा समिति की 12वीं रिपोर्ट (18 मार्च, 2020 को संसद में प्रस्तुत) में निहित सुझावों पर त्वरित कार्यान्वयन मुख्य मांगें हैं; सेवानिवृत्ति की तारीख पर ध्यान दिए बिना समान पेंशन सुनिश्चित करने के लिए पेंशन के हिस्से के रूप में महंगाई राहत (डीआर) घटक को शामिल करना, सभी सरकारी और निजी कोयला कंपनियों से हर 3 साल में सेस बढ़ाने के प्रावधानों के साथ 20 रुपये प्रति टन के सेस के अनिवार्य संग्रह की प्रक्रिया को तेज करना और हर 3 साल में पेंशन की समीक्षा और संशोधन करने के लिए सीएमपीएस-1998 में अधिनियमित प्रावधानों का पालन करना शामिल हैं। मांगों में सरकारी नीति के अनुरूप पेंशनभोगी को न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित करना और बैंक स्तर पर विधवा/विधुर पेंशन शुरू करने की सरल प्रक्रिया शुरू करना भी शामिल है। राठौर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि धरना कोठागुडेम, रामागुंडम, नागपुर, बिलासपुर, तालचेर, कोलकाता, आसनसोल, रांची, धनबाद, देवघर, जबलपुर, छिंदवाड़ा और अन्य स्थानों पर किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आंध्र प्रदेश में फिर उठा तीन राजधानियों का मुद्दा

वाईएसआरसीपी विधायक तीन राजधानियों के समर्थन में इस्तीफा देने को तैयार

विशाखापत्तनम, 8 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में प्रस्तावित तीन राजधानियों को लेकर विवाद ने शनिवार को एक नया मोड़ ले लिया जब उत्तर तटीय आंध्र के एक मंत्री और सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के कुछ विधायकों ने प्रशासनिक राजधानी के रूप में विशाखापत्तनम के समर्थन में इस्तीफा देने की पेशकश की।

वाईएसआरसीपी सरकार के तीन राजधानियों के कदम का समर्थन करने के लिए एक गैर-राजनीतिक संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) का गठन करने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों और गैर-राजनीतिक समूहों के नेता एक साथ आए। बैठक में डॉ. बीआर अमेडकर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एच. लाजपति राय को संयोजक चुना गया। बैठक में मंत्री गुडीवाड़ा अमरनाथ, पूर्व मंत्री अवंती श्रीनिवास, वाईएसआरसीपी विधायक कर्णम धर्मश्री, वकील, पत्रकार और बुद्धिजीवी शामिल थे। बैठक में विशाखापत्तनम में 15 अक्टूबर को विकेंद्रीकरण के समर्थन में एक विशाल रैली आयोजित करने का निर्णय लिया गया। गुड़ीवाड़ा अमरनाथ ने कहा कि रैली शहर में अंबेडकर की प्रतिमा से निकाली जाएगी। जेएसी नेताओं ने कहा कि विकेंद्रीकृत विकास के लिए तीन राज्यों की राजधानियों की आवश्यकता पर लोगों को शिक्षित करने के लिए सभी निर्वाचन क्षेत्रों में एक सप्ताह तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.